रायपुर, लखनऊ, नई दिल्ली और फरीदाबाद से प्रकाशित

हमेशा सच के साथ

पायनियर

RNI NO. CHHHIN/2016/70655

www.dailypioneer.com रायपुर, शनिवार 24 फरवरी 2024 पृष्ठ-12 वर्ष-08, अंक-183 मूल्य 3.00 ₹

पहाड़ी कोरवाओं के बच्चों का स्कूल शिक्षक विहीन, भवन भी जर्जर

आजादी के 77 साल बाद भी सरकारी व्यवस्थाएं आज भी आम जनता का मुंह चिढ़ा रही हैं

पायनियर संवाददाता < मनोरा
www.dailypioneer.com

पायनियर पड़ताल

भारत देश को आजाद हुए 77 साल हो गए लेकिन हम आज भी बुनियादी सुविधाओं के लिए जूझ रहे हैं। लाख प्रयासों के बाद भी सरकारी व्यवस्थाएं आम जनता का मुंह चिढ़ा रही हैं। यह मामला पहाड़ी कोरवाओं से जुड़ा हुआ है। जो राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र कहलाते हैं। समाज में उनकी स्थिति कैसे सुधरेगी इसके लिए वास्विक कार्यों की आवश्यकता है। पहाड़ी कोरवा परिवार के लिए शासन करोड़ों रुपए खर्च करती है। ताकि कोरवा परिवार के बच्चों का अच्छी तरह से पालन पोषण और उन्हें बेहतर शिक्षा मिल सके। लेकिन आज भी यह दत्तक पुत्र मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। यह मामला मनोरा विकास खंड के ग्राम पंचायत कपरोल टिलटागर कोरवा बस्ती प्राथमिक शाला का है। यहां बताया जा रहा है कि महीने में एक बार स्कूल शिक्षिका पहुंच गई तो

बहुत है। गांव के बुजुर्ग पुरुषों का कहना है कि स्कूल की मरम्मत हो रही है। शिक्षिका जब स्कूल आती हैं तो बाहर आंगन में बैठकर पढ़ाती हैं। लेकिन बहुत दिन हो गए अबतक वह स्कूल नहीं आई है। बच्चे शिक्षक के इंतजार में बैठे रहते है। जब स्कूल का टाइम खत्म हो जाता है तो फिर बच्चे भेड़-बकरी चराने निकल जाते हैं। ऐसे में इनके जीवन में सुधार कैसे आएगा? आजादी के 77 साल बाद हम इन दृश्यों को देख रहे है। आखिर इसके लिए जिम्मेदार कौन है?

कलेक्टर ने निकाला आदेश

राष्ट्रीय समाचार पत्र पायनियर के मनोरा संवाददाता ने जब मामले की पड़ताल की तो पता चला कि कलेक्टर ने 14 फरवरी 2024 को ट्रांसफर आदेश जारी कर चुके है। जिसमें शिक्षिका क्रांति यादव को प्रभारी छात्रावास अधीक्षिका की जिम्मेदारी सौंप दी गई है। वहीं पूर्व में पदस्थ दो शिक्षक भगेश्वर भगत और ब्रह्मदेव का प्रमोशन के बाद तबादला हो चुका है। अब यह स्कूल वर्तमान में शिक्षक विहीन हो चुका है। वहीं भवन की स्थिति को आप स्वयं देख सकते है।

क्विक न्यूज़

मुख्यमंत्री ने राजिम कुंभ कल्प की दी बधाई और शुभकामनाएं

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 24 फरवरी से शुरू हो रहे राजिम कुंभ कल्प और शिवरीनारायण मेला की प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। साय ने कहा है कि छत्तीसगढ़ के प्रयागराज के रूप में प्रसिद्ध राजिम में आयोजित होने वाला राजिम कुंभ कल्प छत्तीसगढ़ की आस्था का प्रतीक है। राज्य सरकार राजिम कुंभ की विशिष्टता और भव्यता को उसके मूल स्वरूप में लौटाने जा रही हैं। इसके लिए 'राजिम माघी पुन्नी मेला' को 'राजिम कुंभ कल्प' का नाम दिया है। इससे हमारे गौरवशाली सांस्कृतिक परम्पराओं को संरक्षित और संवर्धित होने का अवसर मिलेगा।

विक्रम सिंह सिसोदिया बने विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह के सचिव

रायपुर। विक्रम सिंह सिसोदिया को छत्तीसगढ़ विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह का सचिव बनाया गया है। इस संबंध में आदेश भी जारी कर दिए गए है। विक्रम सिसोदिया को छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (संविदा नियुक्ति) नियम-2012 के तहत 1 फरवरी 2024 से डॉ. रमन सिंह के विधानसभा अध्यक्ष के कार्यकाल तक सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है। इससे पहले भी सिसोदिया डॉ. रमन सिंह के ओएसडी रह चुके है।

शेयर बाजार फिसला

मुंबई। विश्व बाज़ार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर एचसीएल टेक, मारुति, एसबीआई, टाटा स्टील और आईसीआईसीआई बैंक समेत सत्रह दिग्गज कंपनियों में हुई बिकवाली से शेयर बाजार फिसल गया। बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 15.44 अंक उतरकर 73,142.80 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 4.75 अंक फिसलकर 22,212.70 अंक रह गया। हालांकि दिग्गज कंपनियों की विपरीत मझौली और छोटी कंपनियों में लिवाली हुई, जिससे मिडकैप 0.25 प्रतिशत चढ़कर 39,934.21 अंक और स्मॉलकैप 0.53 प्रतिशत की तेजी के साथ 46,033.47 अंक हो गया। इस दौरान बीएसई में कुल 3936 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ।

भारत एक विचार और संस्कृत उसकी अभिव्यक्ति : पीएम मोदी

पायनियर संवाददाता < वाराणसी
www.dailypioneer.com

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत एक विचार है और संस्कृत उसकी प्रमुख अभिव्यक्ति है। भारत एक यात्रा है तो संस्कृत उस इतिहास यात्रा का प्रमुख अध्याय है। भारत विविधता में एकता की भूमि है तो संस्कृत उसका प्रमुख उर्वरक है। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू) के स्वतंत्रता भवन समागार में आयोजित सांसद संस्कृत प्रतियोगिता के पुरस्कार समारोह को संबोधित करते हुये उन्होंने कहा हमारे कहा गया है कि 'भारतस्य प्रतिष्ठे द्वे संस्कृतं संस्कृतिस्तथा', अर्थात भारत की प्रतिष्ठा में संस्कृत की बड़ी भूमिका है। एक समय हमारे देश में संस्कृत ही वैज्ञानिक शोध, शास्त्रीय बोध, गणित और चिकित्साविज्ञान की भाषा होती थी। साथ ही संगीत और साहित्य के विविध कलाओं की विधाएं भी संस्कृत से ही पैदा हुई हैं। इन्हीं विधाओं से भारत को पहचान मिली है। जिन वेदों का पाठ काशी में होता है वही वेद पाठ कांची (तमिलनाडु) में भी सुनाई देता है। ये वेद ही भारत का शाश्वत स्वर हैं, जिन्होंने हजारों वर्ष से भारत को राष्ट्र के रूप में एक बनाए रखा है।

चंदे के लिए 'वसूलीभाई' की तरह काम कर रही है सरकार : राहुल गांधी

वार्ता < नयी दिल्ली
www.dailypioneer.com

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर चंदा पाने के लिए 'वसूली भाई' की तरह काम करने का आरोप लगाते हुए कहा कि एजेंसियों का इस्तेमाल कर कंपनियों को डराया धमकाया जा रहा है और उनसे चंदे कि वसूली की जा रही है। गांधी ने कहा, क्या आपको प्रधानमंत्री की 'चंदा दो, बेल और बिजनेस लो' योजना के बारे में पता है। देश में प्रधानमंत्री 'वसूली भाई' की तरह ईडी, आईटी और सीबीआई का दुरुपयोग कर 'चंदे का धंधा' कर रहे हैं। रिपोर्ट्स में सामने आया है कि वसूली एजेंट बन चुकी एजेंसियों की जांच में फंसी 30 कंपनियों ने भाजपा को जांच के दौरान 335 करोड़ का चंदा दिया। उन्होंने कहा, चंदे का धंधा इतनी बेशर्मी से चल रहा है कि मप्र की एक डिस्टिलरी के मालिकों ने बेल मिलते ही भाजपा को चंदा दिया। मित्र की कंपनी को बेईमानी से फायदा और बाकियों के लिए अलग कायदा, मोदी राज में भाजपा को दिया 'अवैध चंदा' और 'इलेक्ट्रोल बॉन्ड'' ही 'कारोबार में आसानी' की गारंटी है।

वामपंथी उग्रवाद से निर्णायक लड़ाई लड़ी है सरकार : शाह

नयी दिल्ली। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि सरकार ने वामपंथी उग्रवाद पर नकेल कसने के लिए एक आक्रामक रणनीति अपनाई है। शाह ने

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर सिलसिलेवार पोस्ट में कहा कि वामपंथी उग्रवाद पर मोदी सरकार के कड़े प्रहार के परिणामस्वरूप यह समस्या खत्म होने की कगार पर है। उन्होंने कहा कि वामपंथी उग्रवाद-प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य और शिक्षा संबंधी सुविधाओं के निर्माण से सरकार ने गरीबों के दिलों को जीता है। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री की दूरदर्शी नीतियों के कारण वामपंथी उग्रवाद अपना आधार खो चुका है। अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने वामपंथी उग्रवाद-प्रभावित क्षेत्रों में विकास और सुरक्षा के प्रति होलिस्टिक अप्रोच अपनाते हुए वामपंथी उग्रवाद पर करारा प्रहार किया है। उन्होंने कहा कि सरकार ने सर्वांगीण विकास के लिए राज्य सरकारों को साथ लेकर चलते हुए लोगों का विश्वास जीता है। गृह मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार 2004-14 के मुकाबले 2014-23 के दशक में वामपंथी उग्रवाद-संबंधी हिंसा में 52 प्रतिशत और मृतकों की संख्या 6035 से 69 प्रतिशत कम होकर 1868 हो गई है। इसी प्रकार वामपंथी उग्रवाद की घटनाएं 14,862 से कम होकर 7,128 रह गई हैं। वामपंथी उग्रवाद के कारण मरने वाले सुरक्षाबलों की संख्या 2004-14 में 1750 से 72 प्रतिशत घटकर 2014-23 के दौरान 485 हो गई है और मरने वाले नागरिकों की संख्या 68 प्रतिशत घटकर 4285 से 1383 रह गई है।

जदयू के नरेंद्र नारायण यादव सर्वसम्मति से बिहार विधानसभा के उपाध्यक्ष चुने गए

एजेंसी < पटना
www.dailypioneer.com

जनता दल यूनाइटेड के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री नरेंद्र नारायण यादव सर्वसम्मति से बिहार विधान सभा के उपाध्यक्ष चुन लिए गए। विधानसभा की कार्रवाई शुरू होते ही सभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव ने बताया कि उपाध्यक्ष के निर्वाचन के लिए कुल 11 प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। सभी प्रस्ताव एक ही सदस्य नरेंद्र नारायण यादव के संबंध प्राप्त हुए हैं। उन्होंने प्रथम प्रस्तावक होने के नाते उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा को सदन में प्रस्ताव पेश करने की अनुमति दी। सिन्हा ने यादव के उपाध्यक्ष चुने जाने का प्रस्ताव पेश किया, जिसका अनुमोदन मंत्री प्रेम कुमार ने किया। इसके बाद सर्वसम्मति से नरेंद्र नारायण यादव को उपाध्यक्ष चुन लिया गया। सभा अध्यक्ष नंदकिशोर यादव ने नरेंद्र नारायण यादव को बिहार विधानसभा के 19वें उपाध्यक्ष चुने जाने पर बधाई देते हुए कहा कि वर्ष 1995 से वह लगातार आलमनगर क्षेत्र से इस सदन के सदस्य रहे हैं।

रामोत्सव के रंग में रंगेंगे राजिम कुंभ के श्रद्धालु, तीर्थनगरी राजिम के पवित्र कुंभ में देशभर के संतों का होगा समागम

संगम नगरी राजिम कुंभ कल्प में दिखेगा अयोध्या धाम का वैभव

पायनियर संवाददाता < रायपुर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ की तीर्थ नगरी राजिम में होने वाले कुंभ कल्प में इस बार भारत की सनातन परंपरा की अद्भुत झलक दिखेगी। उत्तराखंड से तमिलनाडू तक भारतभूमि की संतपरंपरा से जुड़े संतों का अद्भुत समागम इस भूमि पर होगा। धर्मस्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल के निर्देशन में राजिम कुंभ कल्प के अभूतपूर्व आयोजन की तैयारी जोर-शोर से जारी है। संगम नगरी का दृश्य अयोध्या धाम की तरह होगा। इस बार की थीम रामोत्सव है। मुख्यमंच अयोध्या धाम के रामलला मंदिर की तरह होगा। धर्मस्व एवं संस्कृति मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने बताया कि मेला परिसर सुगम, सुशासित और सुसज्जित होगा। रामकथा का मंचन थ्री डी मैपिंग, लेजर शो आदि के माध्यम से होगा। मुंबई की एक्सपर्ट टीम यह कार्य करेगी। थ्री डी प्रोजेक्शन मैप की इस तकनीक से रामकथा का अद्भुत रसपान श्रद्धालु करेंगे। प्रयागराज कुंभ की विशेषता होती है कि यहां दुकानों का आर्गेनाइज्ड स्ट्रक्चर तैयार होता है, जिसका लाभ व्यवसायियों को होता है। राजिम कुंभ में भी इसी तर्ज पर दुकानों की व्यवस्था होगी। धर्मस्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने बताया कि राजिम कुंभ कल्प का शुभारंभ 24 फरवरी को होगा, जो 8 मार्च तक चलेगा। इस भव्य आयोजन में हरिद्वार, काशी, मथुरा, अयोध्या, चित्रकुट समेत देशभर के कई स्थानों से साधु-संत, पीठाधीश्वर, मठाधीश, महात्मा और शंकराचार्य शामिल होंगे। श्रद्धालुओं को राजिम कुंभ के दौरान आवागमन में किसी भी तरीके की दिक्कत ना हो, इसका विशेष रूप से ध्यान रखा जा रहा है।

राजिम कुंभ कल्प के दौरान होगा तीन पुण्य स्नान

धर्मस्व मंत्री अग्रवाल ने कहा कि राजिम कुंभ कल्प के दौरान तीन पुण्य स्नान क्रमशः 24 फरवरी माघ पूर्णिमा, 4 मार्च माता जानकी जयंती और 8 मार्च महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर होंगे। श्रद्धालुओं के मार्गदर्शन एवं सहयोग के लिए वालेंटियर तैनात किए गए है। कुंभ के दौरान स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा जाएगा। इसके लिए नदी और आसपास की स्थलों की साफ-सफाई के लिए बड़ी संख्या में सफाईकर्मी तैनात किए गए हैं। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मेला स्थल में बड़ी संख्या में पोर्टेबल टॉयलेट एवं चेंजिंग रूम की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

प्राथमिक उपचार के लिए हॉस्पिटल

धर्मस्व मंत्री अग्रवाल ने कहा कि पहले मेला के आयोजन के दौरान मेडिकल कैम्प लगाया जाता रहा है। प्रायः देखा गया है कि इस मेडिकल कैम्प से श्रद्धालुओं को होने वाली स्वास्थ्यगत समस्याओं का त्वरित उपचार नहीं हो पाता था। इस बार मेला स्थल में स्वास्थ्य विभाग द्वारा 10-10 बेड के छोटे-छोटे अस्पताल सिापित किए गए हैं, जिसस मरीजों को आपातकालीन चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। रायपुर, गरियाबंद और धमतरी जिले का एक कलस्टर बनाकर स्वास्थ्य कैंप भी मेला स्थल पर लगाया जाएगा।

रामोत्सव की थीम पर होगी भव्य झांकी

धर्मस्व अग्रवाल ने कहा कि, राजिम कुंभ में इस बार रामोत्सव थीम पर भव्य झांकी तैयार की गई है। इसमें प्रभु श्री राम के छत्तीसगढ़ में वनवास काल के दौरान पलों को झांकी के माध्यम से बताया जाएगा। झांकी के प्रदर्शन में लेजर लाईट और साउंड इफेक्ट का भी समावेश किया गया है, जो श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र होगा। लक्ष्मण झूले को भी एलईडी लाईट से सजाया गया है।

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

मोदी की गारंटी
विष्णु का सुशासन

छत्तीसगढ़ शासन
हमने बनाया है
हम ही संवारेंगे

हमारी आस्था और परंपरा का प्रतीक

रामोत्सव
राजिम कुंभ (कल्प)

रामोत्सव राजिम कुंभ (कल्प) 2024

(24 फरवरी से 8 मार्च 2024)

जीवनदायिनी महानदी, पैरी और सोंढूर के त्रिवेणी संगम पर स्थित प्राचीन नगरी राजिम में कुंभ कल्प महोत्सव का आयोजन

मुख्यमंत्री कार्यालय का व्हाट्सएप चैनल सब्सक्राइब करने के लिए यह क्यूआर कोड स्कैन करें

समस्त आगंतुक साधु- संतों का हार्दिक अभिनन्दन

पर्व स्नान

माघ पूर्णिमा -24 फरवरी, जानकी जयंती -4 मार्च, महाशिवरात्रि -8 मार्च

samvad- 39773/52

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास

Visit us : ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO ChhattisgarhCMO DPRChhattisgarh DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को वन मंत्री ने वन विकास निगम की लाभांश राशि 2.26 करोड़ रूपए का चेक सौंपा

पायनियर संवाददाता ✓ रायपुर
www.dailypioneer.com

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को छत्तीसगढ़ विधानसभा परिसर स्थित उनके कार्यालय कक्ष में वन मंत्री केदार कश्यप ने छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम के लाभांश की राशि 2 करोड़ 26 लाख रुपए का चेक सौंपा। मुख्यमंत्री साय ने वन विकास निगम के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने कहा कि वन विकास निगम राज्य में हरित क्षेत्र के प्रसार और पर्यावरणीय विकास के लिए महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

निगम ने किसी भी वित्तीय संस्थान से कोई ऋण भी नहीं लिया है। यह लाभ कमाने वाली सरकारी संस्था है। वन विकास निगम की यह उपलब्धि सराहनीय है और अन्य संस्थाओं को इससे प्रेरणा लेनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने इस उपलब्धि के लिए वन मंत्री, तथा वन विभाग और छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम के अधिकारियों को अपनी शुभकामनाएं दी। वन मंत्री केदार कश्यप ने इस मौके पर मुख्यमंत्री साय को छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम के कार्यों और उपलब्धियां की विस्तार से जानकारी दी। छत्तीसगढ़ वन विकास निगम के प्रबंध संचालक तपेश कुमार झा ने बताया कि वन विकास निगम भारत सरकार द्वारा स्वीकृत कार्ययोजना अंतर्गत रोपित सागौन वृक्षारोपण के विरलन से प्राप्त वनोपज के विक्रय एवं अन्य आय से वित्तीय वर्ष 2022-23 में 69 करोड़ 44 लाख रुपए की आय प्राप्त हुई है। इस अवधि में निगम को कर पश्चात 52 करोड़ 65 लाख का रुपए का शुद्ध लाभ हुआ है।

वर्ष 2022-23 में निगम द्वारा 1319 हेक्टेयर क्षेत्र में 20 लाख 98 हजार सागौन तथा प्रदेश में पर्यावरण सुधार हेतु डिपोजिट रोपण योजना अंतर्गत विभिन्न सार्वजनिक उपक्रमों से प्राप्त राशि से 8 लाख 82 हजार मिश्रित प्रजाति के पौधों का रोपण किया गया है।

वन विकास निगम में वृक्षारोपण के विरलन से वित्तीय वर्ष 2022-23 में 15,653 घनमीटर ईमारती काष्ठ, 10 लाख नग बल्ली, 10,804 नग जलाऊ चट्टा तथा 426 नोशनल टन औद्योगिक बांस एवं 2,01,588 नग व्यापारिक बांस का उत्पादन हुआ है। वन विकास निगम द्वारा संपादित किये जा रहे कार्यों से राज्य के वनांचलों में वनवासियों एवं आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों के ग्रामीणों की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ और उन्हें सतत् रोजगार का अवसर मिल रहा है।

निगम द्वारा बैंक अथवा किसी वित्तीय संस्थान से कोई ऋण भी नहीं लिया गया है, न ही निगम को राज्य शासन से कोई अनुदान प्राप्त होता है। उन्होंने बताया कि वन विकास निगम राज्य में हरियाली के प्रसार एवं पर्यावरणीय विकास के लिए कृतसंकल्पित होकर काम कर रहा है।

लोक निर्माण विभाग द्वारा सड़कों के निर्माण के लिए 36.61 करोड़ रुपए मंजूर : लोक निर्माण मंत्री अरुण साव

उप मुख्यमंत्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद 18 कार्यों के लिए मिली प्रशासकीय स्वीकृति

पायनियर संवाददाता ✓ रायपुर
www.dailypioneer.com

राज्य शासन के लोक निर्माण विभाग द्वारा मुंगेली, रायगढ़ राजनांदगांव, रायपुर, जशपुर, बस्तर और सूरजपुर जिले में विभिन्न सड़कों के निर्माण के लिए 36 करोड़ 60 लाख 50 हजार रुपए मंजूर किए गए हैं। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद विभाग ने 18 कार्यों के लिए कुल 39 करोड़ 58 लाख 99 हजार रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। लोक निर्माण विभाग द्वारा मुंगेली जिले के लोरमी विकासखंड में रहंगी नाला पर उच्च स्तरीय पुल एवं पहुंच मार्ग के लिए एक करोड़ 85 लाख रुपए, खैरवार बघमार से अमलडीही मार्ग के लिए एक करोड़ 84 लाख रुपए, लोरमी विकासखंड के डी-1 नहर से पठारी कांपा मार्ग के लिए दो करोड़ तीन लाख रुपए और अखरार से श्मशान घाट पहुंच मार्ग के लिए एक करोड़ 38 लाख रुपए मंजूर किए गए हैं। विभाग द्वारा रायगढ़ जिले के लोहरसिंग-लिंजीर मार्ग के चौड़ीकरण व मजबूतीकरण के लिए एक करोड़ 76 लाख रुपए, राजनांदगांव के पारीखुर्द में आंगनबाड़ी से श्मशान घाट पहुंच मार्ग के लिए 79 लाख 42 हजार रुपए, ईरा में गौठान से मुक्तिधाम पहुंच मार्ग के लिए एक करोड़ 70 लाख रुपए, रायपुर में बजाज कॉलोनी, एन.एम.डी.सी. कॉलोनी, प्रियदर्शिनी नगर, वल्लभ नगर चतुर्दिक मार्ग के डामरीकरण के लिए दो करोड़ 81 लाख रुपए, कटोरा तालाब, शैलेन्द्र नगर, पुराना राजेन्द्र नगर मार्ग के डामरीकरण के लिए दो करोड़ 51 लाख रुपए तथा मठपुरैना-रावतपुरा चतुर्दिक मार्ग के डामरीकरण के लिए दो करोड़ 80 लाख रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। लोक निर्माण विभाग ने जशपुर जिले में मस्कामारा-लवाकेरा मुख्य मार्ग के लिए एक करोड़ 81 लाख रुपए, राज्यीय राजमार्ग-17 से पुटकेला पहुंच मार्ग के लिए दो करोड़ 89 लाख रुपए, बस्तर जिले के खंडसरा-सारेगांव मार्ग के लिए दो करोड़ 95 लाख रुपए, सोनारपाल-चपका मार्ग के लिए दो करोड़ 96 लाख रुपए, करंदोला रानीगुड़ा से राष्ट्रीय राजमार्ग-30 तक सड़क निर्माण के लिए एक करोड़ 66 लाख रुपए तथा सूरजपुर जिले के श्रीराम वनगमन पथ के मिसिंग लिंक मार्ग रकसगंडा जलप्रपात पहुंच मार्ग के लिए दो करोड़ 54 लाख रुपए मंजूर किए हैं। रायपुर के सिविल लाइन स्थित नवीन विश्राम भवन में फर्नीचर और फिनिशिंग संबंधी कार्य के लिए विभाग द्वारा दो करोड़ 98 लाख 49 हजार रुपए स्वीकृत किए गए हैं।

स्टेट जीएसटी के प्रवर्तक विंग ने की बड़ी कार्रवाई

तीन आयरन स्टील व्यवसायियों के यहां पकड़ी गई 6.75 करोड़ रूपए की जीएसटी चोरी

पायनियर संवाददाता ✓ रायपुर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ के जीएसटी के प्रवर्तक विंग ने बड़ी कार्रवाई की। रायपुर के तीन आयरन स्टील उत्पाद निर्माताओं श्याम स्टील इंडस्ट्रीज़, ईश्वर इस्पात एवं ईश्वर टीएमटी के यहाँ स्टेट जीएसटी की प्रवर्तन विंग द्वारा छापा मारा गया। प्रवर्तक विंग द्वारा उरला सिलतरा क्षेत्र में स्थित फैक्ट्रियों में जांच की गई। जिसके प्रारंभिक जांच में पाया गया कि इन तीन आयरन स्टील उत्पाद निर्माताओं द्वारा 6.75 करोड़ रुपए की जीएसटी चोरी की गई है। आगे की कार्रवाई में यह राशि और बढ़ने की संभावना है। इन फ़र्मो द्वारा मौके पर ही अधिकारियों के समक्ष 4.75 करोड़ रुपए जीएसटी जमा किया गया। इन फर्मो द्वारा कच्चा स्क्रैप खरीद कर सरिया बनाया जा रहा था और जीएसटी की चोरी की जा रही थी। गौरतलब है कि छत्तीसगढ़ में यहां की जीएसटी की प्रवर्तन विंग बहुत सक्रिय है। उनके द्वारा स्क्रैप से जीएसटी चोरी पर लंबे समय से नजर रखी जा रही थी। जिसमें विभाग द्वारा एडवांस आईटी टूल्स का प्रयोग किया जा रहा है साथ ही नई तकनीकों का प्रयोग कर ईवे बिल की जांच से प्राप्त सूचनाओं, फ ील्ड से एकत्र की जा रही सूचनाओं के आधार पर भी कार्रवाई की जा रही है।

बृजमोहन अग्रवाल ने राजिम कुंभ कल्प मेला स्थल का किया निरीक्षण

अधिकारियों की बैठक लेकर सभी तैयारियां तेजी से पूर्ण करने के दिए निर्देश

पायनियर संवाददाता ✓ रायपुर
www.dailypioneer.com

देश दुनिया में अपनी अलग पहचान बनाने वाला राजिम कुंभ कल्प इस वर्ष 24 फरवरी माघपूर्णिमा से 8 मार्च महाशिवरात्रि तक आयोजित होगा। राज्य शासन ने इसे राजिम कुंभ कल्प का नाम दिया है। इस वर्ष राजिम कुंभ कल्प को रामोत्सव के रूप में मनाया जायेगा। इसके लिए राजिम त्रिवेणी संगम में भव्य तैयारियां की जा रही है। राजिम कुंभ कल्प की तैयारियों को लेकर धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने विगत रात्रि मेला स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने मेला स्थल में मुख्य मंच, स्थानीय कलाकारों की प्रस्तुति के लिए सहायक सांस्कृतिक मंच, गंगा स्नान स्थल, साधु संतों के निवास, पेयजल, शौचालय, कुलेश्वर महादेव मार्ग एवं लोमश ऋषि आश्रम तक जाकर मेला के संबंध में की गई आवश्यक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साथ ही मेला स्थल में सभी जरूरी तैयारियों को तेजी से पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस दौरान राजिम विधायक रोहित साहू, कलेक्टर दीपक अग्रवाल, एसएसपी अमित तुकाराम कांबले सहित गरियाबंद, रायपुर और धमतरी जिले के अधिकारीगण एवं स्थानीय जनप्रतिनिधिगण मौजूद रहे। मंत्री अग्रवाल ने मेला स्थल में तैयारियों का जायजा लेने के उपरांत मेला स्थल में ही अधिकारियों की बैठक लेकर सभी कार्यो को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए। मंत्री अग्रवाल ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को कुंभ मेला स्थल में पर्याप्त चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही लैब टेस्ट सुविधा, एंबुलेंस सहित आवश्यक एलोपैथिक और आयुर्वेदिक दवाइयों का स्टॉक रखने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी मंदिरों में व्हाइट वाश और लाइटिंग करने के निर्देश दिए। मंत्री अग्रवाल ने विद्युत विभाग के अधिकारियों को पर्याप्त बिजली आपूर्ति व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने पीएचई विभाग के अधिकारियों को निर्बाध पेयजल सुविधा और जरूरी शौचालय व्यवस्था विकसित करने के निर्देश दिए। इसके अलावा सड़कों में धूल न उड़े इसके लिए लगातार पानी का छिड़काव करने के निर्देश दिए। उल्लेखनीय है कि राजिम कुंभ कल्प 2024 के दौरान 3 दिन विशेष कार्यक्रम का आयोजन होगा। इसके अंतर्गत 24 फरवरी, 4 मार्च और 8 मार्च को राजिम त्रिवेणी संगम में विशेष स्नान का आयोजन किया जाएगा।

कोपाबेड़ा पार्षद जसकेतु उसेंडी ने क्रिकेट प्रीमियर लीग का किया शुभारंभ

कोपाबेड़ा पार्षद प्रीमियर लीग का हुआ शुभारंभ

कोंडागांव। कोंडागांव मे कोपाबेडा पार्षद प्रीमियर लीग के शुभारंभ अवसर पर कोपाबेड़ा के पार्षद नगरपलिका के उपाध्यक्ष जसकेतु उसेंडी जितेन्द्र सुराना वार्ड के पुजारी और वार्ड वासियो के द्वारा किया गया। कोपाबेड़ा प्रीमियर लीग का 3 दिन का आयोजन किया गया, जिसमे 6 टीम ने भाग लिया हैं, इस अयोजन में कोपाबेड़ा वार्ड के युवा वर्ग के लिए रखी गई हैं। पार्षद जसकेतु उसेंडी के ने कहा कि, मुझे खुशी हैं कि, मेरे वार्ड में 6 क्रिकेट टीम हैं और मेरे द्वारा खेल का शुभारम्भ किया जा रहा हैं सभी युवा खिलाड़ियों को जीत की अग्रिम बधाई देता हुं और यह अयोजन किया जा रहा हैं जो अब हमेशा जारी रहेग। इस अयोजन में महेंद्र पारख, राजेश अग्रवाल, पोल्टू चोधरी, अरविंद, भाऊ,दिनेश राव कार्ड वासी उपस्थित थे।

सुदूर क्षेत्र प्राथमिक शाला पेरपा के छात्र ने टीएलएम प्रदर्शनी में हासिल की द्वितीय पुरस्कार

दंतेवाड़ा। 20 फरवरी को कबाड़ से जुगाड़ टीएलएम का प्रदर्शनी कार्यक्रम कन्या हायर सेकण्डरी स्कूल दंतेवाड़ा में आयोजन किया गया। जिसमें विकासखण्ड कुआकोण्डा संकुल केन्द्र किरन्दुल ग्रामीण के सुदूर अंचल प्राथमिक शाला पेरपा सरपंचपारा के पांचवीं का छात्र सुरेश ने जादुई पिटारा कबाड़ से टीएलएम बनाया गया जो बहुत आकर्षित रहा। प्रदर्शनी में सभी का ध्यान का केन्द्र बना रहा और जिला स्तरीय प्रदर्शनी में द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया। शाला की प्रधान अध्यापिका प्रेमलता साहू व स्टाफ द्वारा छात्र सुरेश ने कबाड़ से जुगाड़ टीएलएम को बहुत ही अच्छे से प्रदर्शन किया। जिसमें संकुल समन्वयक हीरा लाल बेलसरे का मार्गदर्शन और सहयोग रहा।

अकासिया लकड़ी के आड़ में सरई लकड़ी का किया जा रहा था अवैध परिवहन

सूचना पर पहुंचे पत्रकार शॉ मिल, आरामिल मालिक पत्रकारों से कवरेज के दौरान करने लगा बदतमीजी

पायनियर संवाददाता ✓ कोंडागांव
www.dailypioneer.com

कोंडागांव जिला मुख्यालय से लगे ग्राम जोन्धरापदर से आकासिया लकड़ी के साथ इमारती सरई लकड़ी भी परिवहन किया जा रहा था। बाकायदा दिन दहाड़े अवैध परिवहन करते एक ट्रैक्टर लकड़ी मिल में खाली करने की कोशिश की जा रही थी, जिसे खबर मिलने पर मौके पर पहुंचे पत्रकार कवरेज करने लगे कवरेज के दौरान आरा मिल मालिक पत्रकारों से ही बदतमीजी करने लगा। वही मौका देख अवैध परिवहन कर्ता अवैध लकड़ी लेकर उक्त दौरान ट्रैक्टर के साथ वहां से फरार हो गया। बड़ी बात यह हैं कि, उक्त लकड़ी के परिवार के लिए जो पर्ची बनवाई गई थी उसमें केवल अकेसिया के परिवहन के लिए पंचायत से अनुमति ली गई थी। इस मामले से इनकार नहीं किया जा सकता कि, जिला मुख्यालय के आरा मिलों में आड़-झाड़ लड़कियों के परमिशन के नाम पर इमारती लकड़ियों को भी चोरी छुपे आरा मिलों में खपाया जा रहा हैं, आरामिल मालिकों के बुलंद हौसले इस बात से इनकार नही किया जा सकता कि, विभाग का संरक्षण आरा मिलो भी प्राप्त है। वहीं अगर सख्ती से विभाग जांच कार्यवाही करें तो सीमावर्ती जिला नारायणपुर में जैसे आश्चर्यजनक चौंकाने वाले परिणाम मिले हैं वह परिणाम कोंडागांव के आरा मिलो में भी देखने को मिल जाएगा।

भारत स्काउट एवं गाइड जिला संघ कोंडागांव ने मनाया विश्व चिंतन दिवस

विश्व में महिलाओं को सम्मान करने के उद्देश्य से मनाया विश्व चिंतन दिवस

पायनियर संवाददाता ✓ कोडागांव
www.dailypioneer.com

भारत स्काउट एवं गाइड राज्य कार्यालय रायपुर छत्तीसगढ़ और कोंडागांव जिला कलेक्टर एवं संरक्षक भारत स्काउट एवं गाइड कुणाल दुदावत के निर्देशानुसार व जिला शिक्षा अधिकारी एवं जिला आयुक्त मधुलिका तिवारी, भारत स्काउट एवं गाइड के जिला संगठन आयुक्त भीषभदेव साहू, जिला सचिव चमन लाल सोरी के मार्गदर्शन में भारत स्काउट एवं गाइड से संबद्ध सभी शालाओं में विश्व चिंतन दिवस के अवसर पर सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। इसी कड़ी में शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल लंजोडा में रेंजर लीडर संजना हरमीट, शासकीय प्राथमिक शाला बाजारपारा कोंडागांव में फ्लॉक लीडर दीपमाला वैष्णव व शासकीय प्राथमिक शाला मुरारीपारा बड़ेबेंदरी में कब मास्टर एवं जिला मीडिया प्रभारी पवन कुमार साहू, सेजस दहिकोंगा में रोवर लीडर ऋषि देव सिंह, शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल मालगांव में जिला सचिव चमन लाल सोरी, शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल सिंघनपुर में जिला प्रशिक्षण आयुक्त स्काउट श्याम लाल कोर्राम, शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल मसोरा में जिला प्रशिक्षण आयुक्त गाइड एवं रेंजर लीडर नीलम श्रीवास्तव, शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल भंडार सिवनी में रोवर लीडर कोमल राम साहू के नेतृत्व में विद्यालय के समस्त छात्र-छात्राओं की उपस्थिति में सर्व धर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। जिसमें सभी धर्म को समान भाव से देखते हुए सभी धर्म का आदर करते हुए सभी धर्म का प्रार्थना किया गया। ताकि समाज एवं राष्ट्र में राष्ट्रहित की भावना जागृत हो सके। इस अवसर पर जानकारी देते हुए फ्लॉक लीडर दीपमाला वैष्णव एवं रेंजर रीडर संजना हरमीट तथा कब मास्टर पवन कुमार साहू ने कहा कि, विश्व चिंतन दिवस मनाने का उद्देश्य लोगों को गर्ल गाइड और गर्ल स्काउट के प्रति जागरूक करना हैं। जिससे विश्व के लोग अपने देश की महिलाओ का सम्मान कर सके। इसलिए विश्व के प्रत्येक देश में 22 फरवरी को विश्व चिंतन दिवस मनाया जाता है।

डीएवी स्कूल में चिंतन दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

किरंदुल। पॉवेल का जन्म 22 फरवरी 1857 को हुआ था। इनके द्वारा स्काउट गाइड की सर्वप्रथम भारत में स्थापना 7 नवंबर 1950 को की गई थी, तथा इनके महिला गाइडिंग की स्थापना 1911 में किया गया, जिसे इनकी बहन एग्नेश वेडेन द्वारा पूर्ण सहयोग किया गया। सामाजिक एवम पशु पक्षी एवं प्रकृति के प्रति मानवीय दायित्वों के अनुसार 9 नियमो एवम 3 प्रतिज्ञा के अनुरूप स्काइट गाइड की स्थापना की गई। समाज के प्रत्येक व्यक्ति को अपने दायित्व पूर्ति के साथ प्रकृति के दायित्वी को भी समझना आवश्यक है। बी रामू द्वारा बच्चो को उनके समान्य कर्तव्यों को पूर्ण करने के साथ देश को आगे बढ़ाने में सहयोग करने की बात कही, कार्यक्रम में उपस्थित सभी सदस्यों एवं छात्रों को अपनी जिम्मेदारी एवं कर्तव्यों का स्मरण किया गया। मौके पर गीतांजलि खरे, अनामिका एक्का, सोनी संगम, तृप्ति श्रीवास्तव, बी रामू एवं उपस्थित विद्यालय के शिक्षक गण छात्र एवम सहयोगी उपस्थित रहे।

बिहान' के तहत ग्रामीण महिलाओं को माहवारी स्वच्छता के प्रति किया जागरूक

दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन''बिहान''के अन्तर्गत'' फूड एंड न्यूट्रिशन एंड वॉश''माहवारी स्वच्छता पर प्रोजेक्ट बाला के अन्तर्गत दो दिवसीय कार्यशाला एवं प्रशिक्षण जिला पंचायत के डीपीआर भवन में आयोजित किया गया। जिसमें ग्रामीण महिलाओं को पीरियड्स के दौरान स्वच्छता बरतने, घरेलू उपचार, योगासनों, व्यायाम, खान-पान, मासिक धर्म से संबंधित मिथकों एवं कुरीतियों की जानकारी देने के साथ-साथ प्रोजेक्ट बाला के तहत बाला पैड के उपयोग संबंध में विस्तार पूर्वक बताया गया। इस संबंध में प्रोजेक्ट की ट्रैनर राजेश्वरी राज एवं ऐश्वर्या राय ने जानकारी दी की पैड कोई भी महिला डेढ़ वर्ष तक उपयोग कर सकती है। क्योंकि यह विशेष रूप से तीन अलग-अलग परतों के साथ डिजाइन किया गया है। इस पैड की विशेषता यह रहेगी कि छोटे पैड को 8 घंटे तथा बड़े पैड को 10 घंटे तक पहना जा सकता है और आसानी से धोकर पुनः उपयोग में लाया जा सकता है। इस संबंध में ग्राम बालूद में भी विशेष आयोजन किया जाएगा और ग्रामीण महिलाओं को बाला पैड के उपयोग की जानकारी दी जाएगी।

न्योता भोजन की अवधारणा एक सामुदायिक भागीदारी पर आधारित-कलेक्टर विजय दयाराम के

प्रशासन ने समाजों की सहभागिता के साथ सप्ताह में न्योता भोजन करवाने की पहल

पायनियर संवाददाता ✓ जगदलपुर
www.dailypioneer.com

न्योता भोजन में कलेक्टर ने किया बच्चों के साथ सामूहिक भोज

कलेक्टर विजय दयाराम के.कहा कि न्योता भोजन की अवधारणा एक सामुदायिक भागीदारी पर आधारित है। मुख्यमंत्री की पहल पर समाज, वरिष्ठ नागरिक या सामान्य जनों के द्वारा स्कूली बच्चों के साथ भोजन करने की कार्यक्रम है। यह विभिन्न त्यौहारों या अवसरों जैसे वर्षगांठ, जन्मदिन, विवाह और राष्ट्रीय पर्व आदि पर बड़ी संख्या में लोगों को भोजन प्रदान करने की भारतीय परम्परा पर आधारित है। समुदाय के सदस्य ऐसे अवसरों, त्यौहारों पर अतिरिक्त खाद्य पदार्थ या पूर्ण भोजन के रूप में बच्चों को पौष्टिक और स्वादिष्ट भोजन प्रदान कर सकते है। यह पूरी तरह स्वैच्छिक है और समुदाय के लोग अथवा कोई भी सामाजिक संगठन या तो पूर्ण भोजन का योगदान कर सकते हैं या अतिरिक्त पूरक पोषण के रूप में खाद्य सामग्री का योगदान कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि पौष्टिक आहार हर व्यक्ति को नसीब नहीं होता है इसलिए अन्न का महत्व को समझते हुए अनाज को व्यर्थ नहीं करना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि प्रशासन द्वारा इस प्रकार का आयोजन समाजों और वरिष्ठ नागरिकों के सहभागिता से प्रत्येक सप्ताह करने का प्रयास किया जाएगा। शुक्रवार को कलेक्टर विजय एवं जिला पंचायत सीईओ प्रकाश सर्वे ने स्कूली बच्चों को भोजन परोस कर कर उपस्थित समाज के सदस्यों और पत्रकारों के साथ न्योता भोजन किया। शहर के टाउन हॉल में आयोजित न्योता भोजन में प्रशासन के साथ-साथ मैत्री संघ और बौद्ध समाज के पदाधिकारियों द्वारा सहयोग से आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में समाजों के प्रतिनिधियों ने भी अपना वक्तव्य दिया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी भारती प्रधान, बीईओ एम भारद्वाज सहित शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित थे। ज्ञात हो कि छत्तीसगढ़ के स्कूलों में प्रधानमंत्री पोषण शक्ति योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों को दिए जाने वाले गर्म भोजन को सामुदायिक भागीदारी की बदौलत और अधिक पोषक बनाने की अभिनव पहल की गई है। शाला अवधि में विद्यार्थियों को भोजन प्रदाय करने के लिए संचालित प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना गाईडलाईन में सामुदायिक आधार पर तिथि भोजन के प्रावधान के अनुसार छत्तीसगढ़ राज्य में इसे 'न्योता भोजन' के नाम से लागू करने का निर्णय लिया गया है। न्योता भोजन का उद्देश्य समुदाय के बीच अपनेपन की भावना का विकास, भोजन के पोषक मूल्य में वृद्धि तथा सभी समुदाय वर्ग के बच्चों में समानता की भावना विकसित करना है। न्योता भोजन की अवधारणा सामुदायिक भागीदारी पर आधारित है। यह पूरी तरह से स्वैच्छिक है और समुदाय के लोग अथवा कोई भी सामाजिक संगठन, स्कूलों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को पूर्ण भोजन का योगदान कर सकते हैं अथवा अतिरिक्त पूरक पोषण के रूप में खाद्य सामग्री का योगदान कर सकेंगे। न्योता भोजन, स्कूल में दिए जाने वाले भोजन का विकल्प नहीं होगा, बल्कि यह विद्यार्थियों को दिए जा रहे भोजन का पूरक होगा।

भाजपा महिला मोर्चा ने प्रतिज्ञा विकास संस्थान बाल गृह में पहुंचकर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का जन्मदिन मनाया

युवा शक्ति, राष्ट्र शक्ति का नारा बुलंद करने वाले मुख्यमंत्री साय शतायु रहें : खिलेश्वरी किरण

पायनियर संवाददाता ◂ धमतरी
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के जन्मदिन के अवसर पर भाजपा महिला मोर्चा धमतरी ने धमतरी स्थित प्रतिज्ञा विकास संस्थान बालगृह में पहुंच कर बच्चो के बीच मनाया जन्मदिवस। कार्यक्रम में उपस्थित खिलेश्वरी किरण ने उनको बधाई देते हुए कहा कि युवा शक्ति, राष्ट्र शक्ति का नारा बुलंद करने वाले मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय शतायु हों। खिलेश्वरी किरण ने कहा कि छत्तीसगढ़ में जब कांग्रेस की सरकार थी तो लोक सेवा आयोग में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किया गया था। प्रदेश के 10 लाख से ज्यादा युवाओं ने इसके खिलाफ आंदोलन किया था और भारतीय जनता पार्टी ने युवाओं से वादा किया था कि सरकार बनते ही इस मामले की उच्चस्तरीय जांच की जाएगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इसे गंभीरता पूर्वक लेते हुए लोक सेवा आयोग में हुए भ्रष्टाचार की जांच सीबीआई से कराने की घोषणा कर दी। मुख्यमंत्री द्वारा युवा शक्ति के भविष्य को संवारने की दिशा में उठाया गया क्रांत्रिकारी क़दम हैं साथ उन्होंने बात का भी आश्वासन दिया कि संघ लोक सेवा आयोग की तरह ही लोक सेवा आयोग को पारदर्शी बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को जन्मदिन की हार्दिक बधाई देते हुए भाजपा महिला मोर्चा की जिला अध्यक्ष चंद्रकला पटेल ने कहा कि देश की आधी आबादी महिलाओं के मान-सम्मान का ध्यान रखते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सरकार ने छत्तीसगढ़ राज्य की बागड़ोर सम्हालते ही महतारी वंदन योजना लागू कर दी है इस योजना के अनुसार प्रदेश की सभी विवाहित, तलाकशुदा एवं विधवा महिला को प्रतिमाह 1 हज़ार रुपए याने साल में 12 हज़ार की सहायता दी जाएगी। इस योजना को लेकर महिलाओं में उत्साह का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता हैं कि अब तक 70 लाख से अधिक महिलाओं ने आवेदन पत्र जमा किया है। उन्होंने कहा कि निश्चित तौर पर यह मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं भारतीय जनता पार्टी की दूरदर्शी सोच को दर्शाता हैं कि महिलाएं आत्म सम्मान से अपना जीवन यापन कर सकें। महिलाओं के प्रति ऐसी सोच रखने वाले मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी को भाजपा महिला मोर्चा छत्तीसगढ़ की समस्त मातृशक्ति की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं देती हैं साथ ही उनके दीर्घायु जीवन की कामना करती हैं। महिला मोर्चा जिला महामंत्री मोनिका देवांगन ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को जन्मदिन पर बधाई दी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने शपथ लेते ही सबसे पहले 18 लाख लोगों के लिए प्रधानमंत्री आवास बनाने कि स्वीकृति देकर प्रदेश के 18 लोगों की जीवन में खुशिया लाने का काम किया है। ऐसे गरीबों के हितचिंतक मुख्यमंत्री के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उनको भाजपा महिला मोर्चा द्वारा जन्मदिन शुभकामनाएं देते है। यह हमारा सौभाग्य है कि ऐसे सरलए सहज व्यक्तित्व वाले विष्णुदेव साय के हाथो में छत्तीसगढ़ प्रदेश की बागडोर हैं। साय खुद जनजातीय वर्ग से आते हैं और छत्तीसगढ़ के पहले मुख्यमंत्री जो जनजातीय समाज से हैं और सौम्य स्वभाव के हैं। विष्णुदेव साय सरकार ने अपने पहले ही बजट में सरगुजा और बस्तर क्षेत्र को विशेष फोकस करते हुए योजनाएं चलाने की घोषणा की।

शिक्षिकाएं स्कूल की बालिकाओं को माह में दो दिन विशेष कक्षा लगाकर प्रशिक्षित एवं जागरूक करेंगी

पायनियर संवाददाता ◂ धमतरी
www.dailypioneer.com

कलेक्टर नम्रता गांधी के निर्देश पर जिले के स्कूलों में अध्ययनरत किशोरी बालिकाओं को सक्षम, स्वस्थ, सुरक्षा के साथ शिक्षा के मूल मंत्र को सार्थक करने के लिये 'नोनी उत्थान' कार्यक्रम चलाया जा रहा है। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन के लिये जिले के 168 संकुलों में बायो विषय के व्याख्याता का चयन कर उन्हें संबंधित संकुल का नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है, जो कि अपने संकुल के सभी शिक्षिकाओं को प्रशिक्षण देंगे। उक्त शिक्षिकाएं स्कूल की बालिकाओं को माह में दो दिन विशेष कक्षा लगाकर प्रशिक्षित एवं जागरूक करेंगी। डीईओ ने यह भी बताया कि इसके तहत दो भागों में प्रशिक्षण दिया गया। इनमें नगरी और मगरलोड विकासखण्ड का 21 फरवरी का आयोजित प्रशिक्षण में 82 शिक्षिका और धमतरी एवं कुरूद विकासखण्ड का 22 फरवरी को आयोजित प्रशिक्षण में 90 शिक्षिकाओं ने हिस्सा लिया। प्रशिक्षण में जिला चिकित्सालय धमतरी की डॉ. पूजा जैन ने किशोरी बालिकाओं के स्वास्थ्य, खान-पान, पोषण एवं मासिक धर्म के दौरान स्वच्छता संबंधी जानकारी दी। साथ ही स्कूलों में फर्स्ट एड बॉक्स की उपयोगिता एवं आवश्यक सामग्री के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। वहीं पुलिस विभाग से डीएसपी बिदेश्वरी ने अपने शक्ति टीम के साथ उपस्थित होकर बालिकाओं की सुरक्षा, गुड टच, बैड टच, पॉक्सो एक्ट अभिव्यक्ति एप, महिलाओं एवं किशोरियों के लिये जारी हेल्पलाईन नंबर 112, 1018 आदि की जानकारी दी। इस दौरान जिला कार्यक्रम अधिकारी जगरानी एक्का और काउंसलर रानी गजेन्द्र ने बाल संरक्षण अधिनियम, सुकन्या समृद्धि योजना, नोनी सुरक्षा योजना, मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के साथ ही किशोरियों के पोषण, स्वास्थ्य एवं शिक्षा मासिक धर्म, स्वच्छता प्रबंधन, आयरन, फोलिक एसिड टेबलेट के उपयोग और महत्व के बारे में बताया। साथ ही काउंसलर मीनाक्षी गुप्ता ने कौशल विकास केन्द्र में प्रशिक्षण की पात्रता एवं विश्वकर्मा योजना की बारिकी से जानकारी दी। सहायक संचालक, शिक्षा लक्ष्मण राव मगर ने बताया कि स्कूल केवल अध्ययन-अध्यापन के केन्द्र के रूप में न जाना जाए, बल्कि बच्चों के सर्वांगीण विकास एवं समाज जागरण के रूप में विकसित हो, इस उद्देश्य से नोनी-उत्थान कार्यक्रम चलाया जा रहा है। अंत में उन्होंने प्रशिक्षण को सफल बनाने के लिये उपस्थितों का आभार भी व्यक्त किया।

आईटीआई में कार्यरत नियमित प्रशिक्षण अधिकारियो को न्यायसंगत अधिकार दिलाने कर्मचारियों ने सौंपा ज्ञापन

पायनियर संवाददाता ◂ धमतरी
www.dailypioneer.com

वर्ष 2013 में भाजपा शासन में आईटीआई विभाग में नियमित प्रशिक्षण अधिकारियो की भर्ती हुई थी। प्रशिक्षण अधिकारी 11 वर्षो से अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे है। परन्तु विभाग में कार्यरत अराजक तत्वों द्वारा समय समय पर भर्ती को रदद् करने के प्रयास किया गया। विभागीय शिकायत उसके पश्चात लोकायोग, उसके पश्चात माननीय उच्च न्यायलय में याचिका दायर किया गया। उच्च न्यायलय के हस्तक्षेप के पश्चात 8 वर्षो बाद परीविक्षा अवधि समाप्त किया गया। परन्तु शासन बदलते ही अधिकारियो द्वारा पुनः कर्मचारियों को नोटिस थमाया गया और सभी लाभ जैसे ट्रेनिंग, परीवीक्षा अवधि, समयमान, प्रमोशन आदि से वंचित कर दिया गया है। उक्त नोटिस से जवाब में 50 प्रशिक्षण अधिकारियो द्वारा न्यायलय में याचिका दायर किया गया। जिसमे विभाग द्वारा जारी नोटिस को खारिज कर माननीय नयायलय द्वारा प्रशिक्षण अधिकारियो के पक्ष में 3/03/2022 और 4/04/2022 आदेश पारित किया गया। जिसमे यह स्पष्ट किया गया कि आरक्षण रोस्टर का कार्य अधिकारियो का है न कि अभ्यर्थियों का पुनः विभाग द्वारा डबल बेंच में अपील क्रमांक 08/2023 दायर किया गया जिसमे न्यायलय द्वारा अपील खारिज कर एकल पीठ के निर्णय को उचित ठहराया गया। न्यायलय के निर्णय से स्पष्ट है कि सेवारत प्रशिक्षण अधिकारियो को भारतीय संविधान के अनुच्छेद 311 (2) के तहत संरक्षण प्राप्त है। केवल कारण बताओ नोटिस से सेवा समाप्त नहीं किया जा सकता है। स्पष्ट है कि इस प्रकरण का प्रशिक्षण अधिकारियो से कोई सम्बन्ध नहीं है। किसी भी भर्ती में प्रदर्शित पदों की संख्या विभाग में उपलब्ध पूर्व के आरक्षण रजिस्टर के आधार पर होती है। पुनः अधिकारियो द्वारा 6 माह से प्रकरण को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने की बात कही जा रही है जो कि कर्मचारियों के लिए पीड़ादायक है। वहीं इन पीडित कर्मचारियों ने शिक्षा मंत्री से निवेदन कर कहा है कि वर्षो की इस पीड़ा से हमें वंचित लाभ कर्मचारियों को करने अधिकारियो को निर्देशित करें ताकि हमारे कर्मठ साथीगण स्किल इंडिया के अमृत काल में अपना सम्पूर्ण ध्यान आईटीआई में प्रशिक्षण कार्यो पर ध्यान केन्द्रित कर सके।

जिला स्तरीय कोर कमेटी की बैठक में बनायी गई कार्ययोजना

पायनियर संवाददाता ◂ धमतरी
www.dailypioneer.com

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी नम्रता गांधी के निर्देश पर लोकसभा निर्वाचन 2024 के मद्देनजर आज मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत रोमा श्रीवास्तव ने जिला स्तरीय कोर कमेटी की बैठक लेकर मतदाता जागरूकता कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की। इस दौरान उन्होंने शैक्षणिक संस्थाओं, शहरों, ग्रामों, चौक-चौराहों इत्यादि में विद्यार्थियों, शिक्षक, शिक्षिकाओं, नेहरू युवा केन्द्र सदस्यों, एनसीसी, एनएसएस के वॉलिंटियर्स द्वारा मतदाता जागरूकता संबंधी रैली, नुक्कड, नाटक, निबंध, चित्रकला प्रतियोगिता, नारा लेखन, लघु नाटिका सहित विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जायेंगी। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास, उप संचालक समाज कल्याण, श्रम पदाधिकारी, नेहरू युवा केन्द्र के पदाधिकारी, स्वयं सेवी संस्था के सदस्य उपस्थित थे। समाज कल्याण विभाग के अधीनस्थ जिला दिव्यांग आईकॉन के द्वारा दिव्यांग स्कूलों सहित वृद्धाश्रम, तृतीय लिंग मतदाताओं के बीच पहुंचकर मतदाता जागरूकता कार्यक्रम चलाया जायेगा। इस दौरान दिव्यांगजनों की ट्रायसिकल रैली भी निकाली जायेगी। महिला एवं बाल विकास, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, एनआरएलएम, स्वास्थ्य विभाग, निजी शहरी महिला संस्था द्वारा मतदाता जागरूकता संबंधी विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जायेंगी। इनमें आंगनबाडी कार्यकर्ता एवं सहायिकाओं की मतदाता जागरूकता को दर्शाता हुआ रंगोली, मेहंदी, रैली, सलाद सजावट इत्यादि प्रतियोगितायें आयोजित की जायेंगी। वहीं मनरेगा मजदूरों को भी मतदान की शपथ दिलायी जायेगी। इसके अलावा स्वास्थ्य कार्यकर्ता, मितानिन सहित स्व सहायता समूह की महिलायें भी मतदाता जागरूकता संबंधी कार्यक्रम बूथ स्तर पर चलायेंगी। सीईओ रोमा श्रीवास्तव ने मतदाता जागरूकता कार्यक्रम में विशेष जनजाति कमार लोगों के बीच पहुंचकर मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक करने के निर्देश सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास विभाग को दिये हैं।

25 फरवरी तक किया जाएगा राशनकार्डों का नवीनीकरण

पायनियर संवाददाता ◂ धमतरी
www.dailypioneer.com

सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत जिले में 451 शासकीय उचित मूल्य की दुकानें संचालित हैं, जिसमें दो लाख 42 हजार 319 राशनकार्ड संचालित है। इसमें बीपीएल राशनकार्ड दो लाख 16 हजार 229 और 26 हजार 90 एपीएल राशनकार्ड शामिल है। खाद्य अधिकारी ने बताया कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत प्रचलित राशनकार्डों का नवीनीकरण आगामी 25 फरवरी तक किया जाना है। अब तक कुल दो लाख 26 हजार 915 राशनकार्डों का नवीनीकरण किया जा चुका है और 15 हजार 404 राशनकार्डों का नवीनीकरण शेष है। उन्होंने बताया कि तकनीकी कारणों से जिन राशनकार्डों का नवीनीकरण नहीं हो पा रहा है, ऐसे राशनकार्डधारियों को परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। ऐसे राशनकार्डधारियों को प्रतिमाह खाद्यान्न का वितरण किया जायेगा। उचित प्रावधान उपलब्ध होने पर ऐसे राशनकार्डों के नवीनीकरण की कार्यवाही की जायेगी।

अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा का 61 वें राष्ट्रीय महाअधिवेशन सम्पन्न

पायनियर संवाददाता ◂ सरायपाली
www.dailypioneer.com

अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा की राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक एवं महासभा के 61वें राष्ट्रीय महा अधिवेशन भोपाल में राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कोलकाता के पूर्व शैरीफ डॉ स्वपन कुमार घोष की अध्यक्षता में सम्पन्न हुये। इस राष्ट्रीय कार्यकारिणी एवं भव्य राष्ट्रीय महाअधिवेशन में सेंचुरी सेलिब्रेशनस के राष्ट्रीय अध्यक्ष सत्यप्रकाश सिंह यादव, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व सांसद डॉ करण सिंह यादव, महासभा की राष्ट्रीय महिला अध्यक्ष(कार्यकारी) साध्वी पुष्पा शास्त्री, सभा के राष्ट्रीय सेक्रेटरी जनरल ब्रिगेडियर प्रदीप यदु, श्रीकृष्ण ट्रस्ट के अध्यक्ष रणबीर यादव, पूर्व सांसद लक्ष्मी नारायण यादव, राष्ट्रीय कन्वेनर डिफेंस सेल कर्नल एमएल यादव, दादा जगदीश यादव प्रेसिडेंट एमपी तथा सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्षगण डॉ सोम प्रकाश,, श्रीवासुदेवालू, गोरेलाल यादव पूर्व आईएएस,गोविंद भाई कांगड़ गुजरात, चौधरी जगराम सिंह यादव उत्तर प्रदेश, पीतांबर दास झारखंड, मंजू यदु छत्तीसगढ़, युवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप बहेड़ा ने अपने अपने विचार एवं नई सदी के लिए कार्य योजना रखी। राष्ट्रीय महासचिव तथा एमपी के कार्य कारी अध्यक्ष बलबीर सिंह यादव ने कार्यक्रम का सफल संचालन किया। मुख्यमंत्री मध्य प्रदेश डॉ मोहन यादव के बड़े भाई नारायण सिंह यादव एवम बड़ी बहन व सभापति उज्जैन इस महा अधिवेशन में मौजूद थे। इस भव्य महाअधिवेशन में सभा के राष्ट्रीय महासचिवगण दिनेश यादव, आनंद सिंह यादव,राव रमेश पायलट, आर लक्ष्मण यादव,मनोज सिंह यादव,एडवोकेट के पी यादव,प्रफुल्ल कुमार दास एवम विधायक ललिता यादव एमपी, हर सहाय यादव कार्यकारी अध्यक्ष राजस्थान तथा महासभा के राष्ट्रीय सचिवगण श्रीनिवास यादव, डी आर यादव राजस्थान, डॉ दुर्गेश यादव, राकेश यादव जर्नलिस्ट, रमेश यादव तेलंगाना, भास्कर यादव एवम बस्ती राम यादव प्रधान,डॉ मदन यादव , एस डी यादव छत्तीसगढ़,प्रताप सिंह यादव,विजय भाई बंक गुजरात, चंचल यादव राजस्थान,गीता यादव दिल्ली, निर्मला यादव,हिरन यादव और उनकी टीम की महिलाएं गुजरात आदि तथा राष्ट्रीय कार्यकारणी सदस्यगण आदि आदि समाज के कई गणमान्य लोग देश के कोने कोने से इस यादव महाकुंभ में पधार कर अपने विचार व अमूल्य सुझाव दिए।

थाना प्रभारी केसर पराग का कोचियों पर कहर जारी

पायनियर संवाददाता ◂ लवन
www.dailypioneer.com

अभियान सृजन÷ के तहत उप पुलिस महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सदानंद कुमार द्वारा जिले में सभी प्रकार के नशे के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही* करने हेतु निर्देशित किया गया है, उक्त निर्देशों के परिपालन मे, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बलौदाबाजार के मार्गदर्शन में एवं थाना प्रभारी केसर पराग के निर्देशन में *थाना लवन पुलिस द्वारा शराब कोचियों की धरपकड़ कार्यवाही* लगातार जारी है।केसर पराग थाना प्रभारी के कहर से क्षेत्र के अवैध कारोबारियों में सन्नाटा पसरा हुआ है। इसी क्रम में *दिनांक 22/02/2024 को थाना लवन से प्र.आर. धनंजय यादव, आर. रूपेश साहू, अजय बंजारे की पुलिस टीम द्वारा ग्राम सरखोर में अवैध रूप से शराब बिक्री करने वाले एक शराब कोचिया को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी से 07 लीटर कच्ची महुआ शराब कीमत 1400 ?. किया गया जप्त किया गया है। आरोपी के विरुद्ध थाना लवन में अपराध क्र. 115/2024 धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर आरोपी को जेल भेजने की प्रक्रिया की जा रही है।

विश्व चिंतन दिवस स्काउट गाइड व स्थानीय संघ द्वारा आयोजित

पायनियर संवाददाता ◂ सरायपाली
www.dailypioneer.com

भारत स्काउट्स एवं गाइड्स व स्थानीय संघ सरायपाली द्वारा विश्व चिंतन दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्थानीय संघ अध्यक्ष अमृतलाल पटेल, अध्यक्षता स्थानीय संघ संरक्षक प्रदीप गुप्ता ,विशिष्ट अतिथि के रुप में स्थानीय संघ उपाध्यक्ष महेन्द्र बाघ तथा बीईओ एवं पदेन सहायक जिला आयुक्त (स्काउट) प्रकाशचंद्र मांझी ने कार्यक्रम को गौरांवित किया। इस ख़ास अवसर पर स्थानीय संघ सचिव हेमन्त कुमार चौधरी,सहसचिव यशवंत कुमार चौधरी,संयुक्त सचिव सविता साहू,जिला प्रतिनिधि गाइडर विलास बाघ एवं जिला प्रतिनिधि स्काउटर किशोर कुमार पटेल,वरिष्ठ स्काउटर चक्रधर प्रसाद डडसेना,स्काउट/गाइड कक्ष प्रभारी/ सहायक ग्रेड दो निरंजन कुमार कोसरिया,रोवर लीडर सुरेन्द्र प्रधान,रेंजर लीडर फैमिदा तबस्सुम,रोवर दुष्यंत कुमार साहू, रेंजर द्वय तनीषा नायक,सबिना बानो आदि के साथ स्काउटर/ गाइडर, स्काउट/ गाइड, रोवर्स/ रेंजर्स की सक्रिय भागीदारी रही।कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत वर्दीधारी स्काउटर/ गाइडर द्वारा स्कार्फ लगाकर बारी बारी से किया गया। विश्व चिंतन दिवस के अवसर पर लार्ड बेडेन पॉवेल एवं लेडी बेडेन पॉवेल के तैल्य छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर पूजन - अर्चन, पुष्प,श्रीफल अर्पित कर स्काउट मास्टर चक्रधर प्रसाद डडसेना की अगुवाई में सर्वधर्म प्रार्थना सभा आयोजित करते हुए किया गया। सभी ने उत्साह के साथ सर्वधर्म सभा में सस्वर गीत गाते हुए भाग लिया। सभी ने विश्व चिंतन दिवस (वर्ल्ड थिंकिंग डे) की थीम ÷हमारी दुनिया,हमारा समृद्ध भविष्य, पर्यावरण और वैश्विक गरीबी ÷ के माध्यम से इस दिवस विशेष का आयोजन किया गया।

महानदी के पवित्र तट पर सिरपुर महोत्सव का विशेष महत्व

माघी पूर्णिमा के दिन पुण्य स्नान और गंधेश्वर महादेव के अलौकिक

पायनियर संवाददाता ◂ महासमुंद
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ के विभिन्न स्थानों में महोत्सव व मड़ई-मेला का आयोजन ख़ास पर्व व तिथियों में किया जाता है। वहीं सिरपुर महोत्सव का भी विशेष महत्व है। प्रतिवर्ष यह महोत्सव महानदी तट पर माघ पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित होता है। तीन दिवसीय सिरपुर महोत्सव इस वर्ष 24 से 26 फ़रवरी 2024 तक आयोजित होगा। आस-पास गांव के लोग भोर के समय महानदी में स्नान कर गंधेश्वर नाथ मंदिर में पूजा अर्चना करते है। महोत्सव के तीनों दिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अलावा विभिन्न विभागों द्वारा विकास गतिविधियों और विभागीय योजनाओं पर आधारित प्रदर्शनी, स्व-सहायता समूहों द्वारा स्टॉल में बिक्री हेतु सजेंगे। वहीं बच्चों के लिए झूले-सर्कस अन्य रोमांचक गतिविधियां देखने मिलती है। बच्चे, युवा व सभी उम्र के लोग मेले में घूम-फिर कर रोमांचित होते है और अपनी खुशियों का इजहार करते हैं। सिरपुर को राष्ट्रीय, अंतर्राष्ट्रीय हेरिटेज के रूप में विकसित करने और ज्यादा पहचान दिलाने शासन कटिबद्ध है। जो भी जरूरी कार्य है किए जा रहे है। सिरपुर बहुत ही विस्तृत है। जो लगभग 10 वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है और इस तरह अन्य जगह विस्तारित बौद्ध केन्द्र नहीं हैं। सिरपुर, डोंगरगढ़ और मैनपाट को टूरिज्म सर्किट से जोडऩे की तैयारी की जा रही है। पर्यटन सर्किट से जुड़ जाने से इस ओर सैलानियों का रूझान बढ़ेगा। जल्दी ही सिरपुर पूरे

विश्व मानचित्र पर अंकित होगा। छत्तीसगढ़ का प्राचीनकाल से ही सभी क्षेत्रों में बढ़-चढ़कर योगदान रहा है। छत्तीसगढ़ हमेशा से देवभूमि रहा है। सिरपुर शिव, वैष्णव, बौद्ध धर्मों के प्रमुख केन्द्र भी है। सिरपुर अपनी ऐतिहासिक व पुरातात्विक महत्ता के कारण आकर्षण का केंद्र हैं। यह पांचवी से आठवीं शताब्दी के मध्य दक्षिण कोसल की राजधानी थी। यह स्थल पवित्र महानदी के किनारे पर बसा हुआ हैं। सिरपुर में सांस्कृतिक व वास्तु कौशल की कला का अनुपम संग्रह हैं। सिरपुर के विकास के लिए नित नए प्रयास किए जा रहें हैं। जिनमें भव्य स्वागत गेट का निर्माण, सिरपुर मार्ग पर तालाबों का सौंदर्यीकरण, सिरपुर मार्ग पर सुंदर सुगंधित कौशल्या उपवन निर्माण, कोडार-पर्यटन (टैटिंग व बोटिंग), कोडार जलाशय तट पर वृक्षारोपण और सिरपुर के रायकेरा तालाब आदि शामिल है। सैलानियों के लिए रायकेरा तालाब में बोटिंग पिछले साल से शुरू हो गयी है। वही नज़दीक कोडार जलाशय में नौका विहार के लिए बोटिंग की सुविधा सैलानियों को उपलब्ध है। वहीं कम दाम पर टेंटिंग में ठहरने के इंतजाम भी किए गए हैं। फिलहाल चार टेंटिंग लगाए गए है। जिसमें एक टेंटिंग में दो व्यक्तियों के सोने और आराम करने के लिए पर्याप्त जगह है। टूरिस्ट और बच्चों के लिए क्रिकेट, वॉलीबॉल, कैरम, शतरंज के साथ ही निशानेबाजी की सुविधा भी इस इको पर्यटन केंद्र में उपलब्ध है। सिरपुर पहले से ही प्राकृतिक दृश्यों से भरपूर है। वृक्षारोपण के ज़रिए इसे और भी हरा-भरा किया जा रहा है। पर्यटकों के विश्राम सुविधा के लिए सुंदर कौशल्या उपवन वाटिकाएं तैयार हो गई है। इन उपवनों में प्रतिदिन रामचरित मानस का पाठ, भजन-कीर्तन स्थानीय मंडलियों द्वारा किया जा रहा है। वृक्षारोपण में बेर, जामुन, पीपल, बरगद, नीम, करंज, आंवला आदि के पौधे शामिल किए गए है। ताकि ऐतिहासिक महत्व के साथ-साथ लोगों को जैव विविधता का एहसास भी हो। इस इलाके में राम वन गमन पथ में छह ग्राम पंचायतों को मुख्य केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। जिसमें अमलोर, लहंगर, पीढ़ी, गढ़सिवनी, जोबा व अछोला शामिल है। सड़क के दोनों किनारों पर फलदार, छायादार पौधें लगाए जायेंगे।

प्रस्ताव 27 फरवरी तक आमंत्रित

धमतरी। जिला कोषालय धमतरी में उपयोगी, अनुपयोगी, अपलेखित सामग्री सह उपकरण, जहां जिस हालत में है के आधार पर विक्रय के लिये आगामी 27 फरवरी तक प्रस्ताव आमंत्रित किये गये हैं। इस संबंध में अधिक जानकारी के लिये जिला कोषालय कार्यालय के सूचना पटल अथवा धमतरी जिले के वेबसाईट ीजजचेरूध्धकींउजंतपण्हवअण्पद का अवलोकन किया जा सकता है।

नाबालिग रेप पीड़िता एवं नवजात शिशु को अपनाने से मना करने वाले आरोपी लोमस कैवर्त डेढ़ माह से फरार

पायनियर संवाददाता ◂ लवन
www.dailypioneer.com

गिरौदपुरी चौकी अंतर्गत की एक साढ़े17 वर्षीय नाबालिग लड़की को शादी का झांसा देकर गिधौरी निवासी लोमस कैवर्त ने लगातार नाबालिग लड़की का दैहिक शोषण करते रहा ,नाबालिग के गर्भवती होने के बाद अपनाने की बात आरोपी के द्वारा लड़की से किये गए ,लेकिन बाद में शादी करने से इंकार कर दिये जिससे लड़की क्षुब्ध होकर लड़के के खिलाफ गिरौदपुरी चौकी में शिकायत कर अपराध पंजीबद्ध कराए जाने की मामला सामने आया है। गौरतलब हो कि पुलिस चौकी गिरौदपुरी में आरोपी के विरुद्ध अपराध दर्ज होने के पूर्व नाबालिग लड़की ने गर्भवती के बाद एक शिशु को जन्म दिया जिसे उक्त आरोपी ने लड़की एवं नवजात शिशु को स्वीकार करने से इंकार किया गया है जिसकी शिकायत आरोपी के विरुद्ध गिरौदपुरी पुलिस ने 376 सहित पास्को एक्ट का मामला जनवरी माह दर्ज कर विवेचना एवं आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार तलाश करने की बात सामने आया है।इस मामले पर थाना प्रभारी के सी दास ने बताया कि आरोपी युवक के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध गिरौदपुरी चौकी में हो चुका है आरोपी की जल्दी गिरफ्तारी के लिए पुलिस चौकी प्रभारी निर्देश किये जाने की बात भी बताया गया है।

प्रधानमंत्री आवास के लिए महापौर की मौजूदगी में हितग्राहियों ने खुद निकाली अपनी लॉटरी, 41 हितग्राहियों को मिला खुद का अपना आवास

पायनियर संवाददाता ∢ दुर्ग
www.dailypioneer.com

नगर पालिक निगम दुर्ग के क्षेत्र में निर्मित प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी (एएचपी) मकान को किराएदारी में निवास करने वाले लोगों को शुक्रवार को आवास आबंटन के लिए महापौर धीरज बाकलीवाल, उपआयुक्त मोहेंद्र साहू,वित्त विभाग प्रभारी दीपक साहू,भोला महोविया, जयश्री जोशी, अनूपचंदनिया, कार्यपालन अभियंता दिनेश नेताम एवं सूडा द्वारा पदस्थ प्रीतेश वर्मा, आशुतोष ताम्रकार, दीपक की उपस्थिति में लॉटरी निकाली गई। इसमें आज निगम के डाटा सेंटर में 41 हितग्राहियों को आवास आबंटित किया गया, जिससे उनका खुद के आवास का सपना पूरा हुआ। बता दे कि कुल 1502 निर्मित आवासों में से 485 आवासों का आबंटन हो चुका है। जिसमे मोर मकान मोर चिनहारी से 296, मोर मकान मोर आस से 189, सर्वाधिक आवास आबंटन, पोटियाकाला 57 द्वितीय स्थान पर है गणपति विहार 47, और आज 41 हितग्राहियों ने अपने जीवन का सबसे बड़े सपने को पूर्ण करते हुए खुद ही पर्ची के माध्यम से लॉटरी निकाली, जिसमे 1-पोटियाला से 29, 2-गणपति विहार से 8, 3-मां कर्मा बोरसी 1, 4-गोकुल नगर 1,5-सरस्वती नगर 2, शामिल है।इस प्रकार कुल 189+41 = 230 आवासों का आबंटन आज तक 06 भिन्न चरणों में किया जा चुका है।अब सिर्फ1-पोटिया 30, 2-गणपति 53,3-गोकुल 70, 4-मां कर्मा 100, 5-सरस्वती नगर 494, आवास रिक्त हैं। महापौर धीरज बाकलीवाल ने 41 हितग्राहियों को लॉटरी के माध्यम से आवास आबंटन किया गया। हितग्राही अपने स्वंय का मकान पाकर खुशी से झूम उठे और उन्होंने शासन प्रशासन के प्रति आभार जताया। प्रधानमंत्री आवास योजना के लॉटरी में शामिल होने के लिए सुबह 11 बजे से ही हितग्राही आवास पाने के इंतजार में निगम में उपस्थित हो गए थे। जिन्होंने अंशदान की राशि जमा की थी, उन्हें ही लॉटरी में शामिल किया गया था। महापौर धीरज बाकलीवाल व आयुक्त लोकेश चन्द्राकर ने आवास आबंटन की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश अधिकारियों को दिए है प्रधानमंत्री आवास योजना के नोडल अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि भूतल में आवास पाने के लिए दिव्यांग आवेदक एवं वरिष्ठजन को प्रमाण पत्र लॉटरी में शामिल होने के लिए अनिवार्य दस्तावेज के रूप में चिन्हित था। जिन्हे प्राथमिकता के आधार पर भूतल की लॉटरी में शामिल किया गया।आवास आबंटन के दौरान गणेशी यादव,रामदास साहू एवं नंदिनी यादव सहित लॉटरी में शामिल होने आये हितग्राही शामिल थे।

प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना में समुदाय की भागीदारी को प्रोत्साहित करने छत्तीसगढ़ राज्य में रखी गई न्यौता भोजन की अवधारणा

शालाओं में विशेष अवसरों पर न्यौता भोजन

पायनियर संवाददाता ∢ दुर्ग
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ में भोजन हेतु आमंत्रित करने को न्यौता कहा जाता है। यह विभिन्न त्यौहारों या अवसरों जैसे वर्षगांठ, जन्मदिन, विवाह और राष्ट्रीय पर्व आदि पर बड़ी संख्या में लोगों को भोजन प्रदान करने की भारतीय परम्परा पर आधारित है। समुदाय के सदस्य ऐसे अवसरों त्यौहारों पर अतिरिक्त खाद्य पदार्थ या पूर्ण भोजन के रूप में बच्चों को पौष्टिक और स्वादिष्ट भोजन प्रदान कर सकते हैं।यह पूरी तरह स्वैच्छिक है और समुदाय के लोग अथवा कोई भी सामाजिक संगठन या तो पूर्ण भोजन का आयोजन कर सकते हैं या अतिरिक्त पूरक पोषण के रूप में मिठाई, नमकीन, फल या अंकुरित अनाज आदि के रूप में खाद्य सामग्री का योगदान कर सकते हैं। न्यौता भोजन शाला में दिए जाने वाले भोजन का विकल्प नही है, बल्कि यह केवल शाला में प्रदान किए जाने वाले भोजन का पूरक है। प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना में समुदाय की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए छत्तीसगढ़ राज्य में भी न्यौता भोजन की अवधारणा रखी गई है, जिसमें प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना से लाभान्वित हो रहे बच्चों को अतिरिक्त खाद्य पदार्थ या पूर्ण भोजन के रूप में पौष्टिक और स्वादिष्ट भोजन प्रदान किया जा सकेगा। इस कार्यक्रम के तहत समुदाय के सदस्य विशेष अवसरों पर मिठाई, नमकीन, फल आदि के रूप में अतिरिक्त वस्तु या पूर्ण भोजन प्रदान कर सकते हैं। इसके तहत समुदाय के सदस्य किचन के बर्तन भी उपलब्ध करा सकते हैं। न्यौता भोजन समुदाय के बीच अपनेपन की भावना विकसित करने में मदद करेगा। यह प्रधानमंत्री पोषण के अंतर्गत प्रदान किए जाने वाले भोजन के पोषण मूल्य में वृद्धि करने में मदद करेगा। यह शाला और स्थानीय समुदाय के मध्य आपसी तालमेल के विकास में सहायक होगा।

ट्रक ट्रेलर ट्रांसपोर्ट्स एसोशियेशन के द्वारा बहन बेटी की शादी के लिए 3 परिवारों को दी गई 25-25 हज़ार की

पायनियर संवाददाता ∢ भिलाई
www.dailypioneer.com

भिलाई ट्रक ट्रेलर ट्रांसपोर्ट्स एसोसिएशन के द्वारा अपनी समाजिक जिम्मेदारी का लगातार निर्वहन करते हुए अपने खुर्सीपार स्थित कार्यालय में संस्था से जुड़े ड्राइवर की एक बेटी एवं दो बहनों की शादी के लिए प्रत्येक परिवार को 25-25 हज़ार रुपए के सम्मान सहयोग राशि दी गई। शिवाजी नगर खुर्सीपार निवासी भीम सोना की बहन दिव्या, जी केबिन चरोदा निवासी सर्वादो बाग की बहन भारती एवं गदा चौक सुपेला निवासी रघुनाथ चौहान की सुपत्री नीतू की शादी तय हो गई है। जिन बहन बेटियों की शादी हो रही है उनके भाई और पिता ड्राइवर के रुप में भिलाई ट्रक ट्रेलर ट्रांसपोर्टर्स एसोसिएशन के सदस्य हैं। एसोसिएशन के अध्यक्ष इन्द्रजीत सिंह छोटू सहित सभी पदाधिकारियों ने काफी पहले ही सदस्य के रूप में जुड़े ड्राइवर, हेल्पर व मैकेनिक आदि के परिवार में बहन बेटियों की शादी में 25 हजार रुपए आर्थिक सहायता प्रदान करने का निर्णय लिया है। उसी निर्णय के तहत परिवार वालों को सहयोग राशि प्रदान की गई। इस अवसर पर एसोसिएशन के अध्यक्ष इन्द्रजीत सिंह छोटू, महासचिव मलकित सिंग लल्लू, कार्यकारी अध्यक्ष अनिल चौधरी, जोगा राव, महेंद्र सिंग पप्पी, सुधीर सिंह, दिलीप खटवानी, बलजिंदर सिंग बिल्ला, सोनू सुधीर सिंह, सुनील यादव, निर्मल सिंग, अमित सिंह, चलपत राव, आंनद सिंह, रमन राव, गुरप्रीत सिंग, गुरमीत सिंग मोनी, अंजय आत्मा राम, उमेश सहित सभी सदस्य उपस्थित थे।

बेमेतरा स्थित कबीर कुटी, नगर पालिका परिषद और नवागढ़ के बस स्टैंड रामलीला मंच कार्यक्रम में पहुंची संकल्प यात्रा रथ

विकसित भारत संकल्प यात्रा के द्वितीय चरण का हुआ आगाज

■ मेरी कहानी मेरी जुबानी के अंतर्गत लाभार्थियों ने दी प्रतिक्रिया

पायनियर संवाददाता ∢ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

जिले में विकसित भारत संकल्प यात्रा के द्वितीय चरण की शुरुवात आज से हो गई है 7 जिसके परिपेक्ष्य में संकल्प यात्रा रथ जिले के वार्ड क्रमांक 14 स्थित कबीर कुटी और नगर पालिका परिषद और नवागढ़ के बस स्टैंड रामलीला मंच कार्यक्रम पहुंची, जहां की बड़ी संख्या में पहुंचे जनप्रतिनिधियों ने आमजनों की भीड़ के साथ भव्य स्वागत किया 7 इस दौरान सभी नागरिकों क़ो विकसित भारत का संकल्प भी दिलाया गया। इस दौरान स्कूली बच्चों तथा आम नागरिकों के साथ क्विज़ प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान सरकार की योजनाओं का नागरिकों को अधिक से अधिक लाभ पहुँचाने शिविर भी लगाया गया था । जिस हेतु निकाय द्वारा लगातार मुनादी भी कराया गया था। शिविर में पीएम आवास, आयुष्मान स्वास्थ्य कार्ड, उज्वला योजना, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, आधार अपडेशन, जेनेरिक दवाई आदि की जानकारी देने के साथ योजनाओं से वंचित हितग्राहियों से आवेदन लिए गए।

नर्सिंग होम एक्ट का उल्लंघन करने पर अस्पताल का संचालन बंद

पायनियर संवाददाता ∢ दुर्ग
www.dailypioneer.com

जिलाधीश एवं पर्यवेक्षी प्राधिकारी ऋचा प्रकाश चौधरी ने निजी अस्पताल व्ही. वाई हॉस्पिटल पद्मनाभपुर दुर्ग को नर्सिंग होम एक्ट नियम 2013 के बार-बार उल्लंघन करने के कारण नर्सिंग होम एक्ट अध्याय-दो की धारा 9 अनुज्ञा पत्र का निरस्तीकरण अथवा निलंबन की कण्डिका (3) के तहत संबधित अस्पताल का संचालन बंद रखने एवं अनुज्ञा-पत्र निरस्त करने की कार्यवाही की है। ज्ञात हो कि व्ही.वाई. हॉस्पिटल संचालक को पूर्व में मातृत्व मृत्यु के संबंध में शासन के नियमानुसार निर्धारित समय पर नर्सिंग होम एक्ट नियम 2013 के उल्लंघन करने के कारण एन.एच.ए. के प्रावधानों के तहत 20 हजार से दण्डित कर संस्था का संचालन बंद रखने हेतु आदेश जारी किया गया था। अस्पताल प्रबंधन द्वारा नर्सिंग होम एक्ट के तहत दण्डित अर्थदण्ड की राशि 20 हजार रूपए कार्यालय में जमा नहीं किया गया और साथ ही संस्था का संचालन भी किया जा रहा था जो कि आदेश का उल्लंघन है। इस पर संस्था का संचालन बंद रखने हेतु आदेश जारी किया गया है एवं उपचार हेतु भर्ती मरीजों को 03 दिवस के भीतर जिला चिकित्सालय में रिफर करने कहा गया है।

विकासखण्ड पाटन में न्योता भोजन का हुआ आयोजन

दुर्ग। विकास खंड पाटन अंर्तगत शासकीय प्राथमिक एवं पूर्व माध्यमिक शाला तेलीगुंडारा में छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार न्योता भोजन अंतर्गत आज एक साहू परिवार के नव दंपति प्रतीक साहू और भूमिका साहू ने अपने जीवन साथी के साथ इस याद गार पल को और सुनहरा बनाने के लिए स्कूल में न्योता भोजन का आयोजन किया। कार्यक्रम के अध्यक्षता स्कूल के प्रधान पाठक ने किया। न्योता भोजन के इस कार्यक्रम में साहू परिवार के द्वारा बच्चों को दाल चावल, केला, मिठाई परोसा गया सभी बच्चों ने खुशी-खुशी भोजन ग्रहण किया वही अतिथियों सहित स्कूल के स्टाप ने भी पोषण आहार ग्रहण किया। इस अवसर पर स्कूल समन्वयक जैनेंद्र गंजीर, प्रधान पाठक मन्नू वर्मा, विकास खंड शिक्षा अधिकारी टी आर जगदल्ले सहित बच्चे उपस्थित रहे।

श्रीरामलला दर्शन योजना के क्रियान्वयन के लिए प्रक्रिया शुरू अयोध्या धाम यात्रा के लिए पहली स्पेशल ट्रेन शीघ्र प्रारंभ होगी

पायनियर संवाददाता ∢ दुर्ग
www.dailypioneer.com

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशन में श्रीरामलला दर्शन योजना के क्रियान्वयन के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। योजना के संबंध में पर्यटन विभाग ने कलेक्टरों को विस्तृत दिशा निर्देश जारी कर दिये हैं। इसमें श्रीरामलला दर्शन (अयोध्या धाम) यात्रा के लिए यात्रियों की समुचित व्यवस्था के संबंध में विस्तार से बताया गया है। कलेक्टरों से कहा गया है कि यात्रा के लिए पहली स्पेशल ट्रेन शीघ्र प्रारंभ होगी, अतः नियमानुसार यात्रियों का चयन कर सूची और प्रतीक्षा सूची यथाशीघ्र भेजना सुनिश्चित करें। यात्रा के लिए हितग्राहियों के चुनाव एवं अन्य कार्य संपादन का काम कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित जिला स्तरीय समिति द्वारा किया जाएगा। योजना के लिए श्रीरामलला दर्शन (अयोध्या धाम) यात्रा कोष भी स्थापित किया जाएगा। आवेदन की प्रक्रिया-श्री रामलला दर्शन योजना के तहत अयोध्या धाम यात्रा के लिए निर्धारित प्रारूप में आवेदन ग्राम पंचायत या शहरी क्षेत्रों में नगरीय निकाय (नगर पंचायत, नगर पालिका, नगर निगम) में देना होगा। आवेदन के साथ नवीनतम रंगीन फोटो के साथ ही पहचान और निवास के साक्ष्य के लिए राशनकार्ड, ड्राईविंग लाईसेंस, बिजली बिल, मतदाता पहचान पत्र, आधार कार्ड या राज्य सरकार द्वारा स्वीकार्य अन्य दस्तावेज प्रस्तुत करना होगा। आवेदक को किन्ही दो व्यक्तियों के नाम और जानकारी देना होगा, जिनसे आपात स्थिति में सम्पर्क किया जा सके। इनमें से एक नाम निर्देशित व्यक्ति का मोबाईल नंबर देना होगा। ग्राम पंचायत और नगरीय निकाय योजना के लिए इच्छुक आवेदकों की सूची कलेक्टर की ओर प्रेषित करेंगे। श्री रामलला दर्शन योजना अंतर्गत 65 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्ति को जिसने अकेले यात्रा करने हेतु आवेदन किया है, को अपने साथ एक सहायक को यात्रा पर ले जाने की पात्रता होगी। व्यक्तियों के समूह द्वारा आवेदन करने पर 3 से 5 व्यक्तियों के समूह को एक सहायक ले जाने की पात्रता होगी, बशर्ते कि इस समूह का प्रत्येक व्यक्ति 65 वर्ष से अधिक आयु का हो। बड़े समूह में प्रति 05 यात्रियों पर 01 के मान से सहायक मान्य किये जाएंगे।

फाइनल मैच जीतकर बीएमवाय ने किया लोटस ट्राफी पर कब्जा भिलाई-3 में फ्लड लाइट नाइन ए साइड फुटबॉल प्रतियोगिता संपन्न

पायनियर संवाददाता ∢ भिलाई
www.dailypioneer.com

न्यू मशाल क्लब द्वारा मिनी स्टेडियम भिलाई-3 में आयोजित नाइन ए साइड फुटबॉल प्रतियोगिता का फाइनल मैच जीतकर बीएमवाय चरोदा ने लोटस ट्रॉफी पर कब्जा जमाया है। संघर्षपूर्ण फाइनल मुकाबले में बीएमवाय चरोदा ने नारायणपुर को 2 - 1 गोल से पराजित किया। मुख्य अतिथि दुर्ग शहर विधायक गजेंद्र यादव ने विजेता व उपविजेता टीम को नगद पुरस्कार सहित ट्राफी दी। रात्रि कालीन फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन न्यू मशाल क्लब भिलाई 3 के तत्वाधान में मिनी स्टेडियम भिलाई 3 में 15 से 21 फरवरी तक स्वर्गीय इंदर चंद्र एवं प्रभावती देवी की स्मृति में आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में भिलाई दुर्ग व रायपुर सहित बालाघाट, नारायणपुर, रीवा, रायगढ़, कोरबा की टीमों ने हिस्सा लिया। फाइनल मुकाबले में बीएमवाय चरोदा और नारायणपुर की टीम के बीच जोरदार खेल देखने को मिला। अंततः बीएमवाय चरोदा ने एक के मुकाबले दो गोल दागकर जीत दर्ज कर ली। समापन समारोह के मुख्य अतिथि दुर्ग शहर विधायक गजेंद्र यादव थे। उन्होंने विजेता टीम को 51 हजार रुपए नगद और लोटस ट्राफी भेंट की। वहीं उप विजेता नारायणपुर को 21 हजार रुपए नगद व रनर ट्राफी प्रदान की गई। विधायक गजेंद्र यादव ने खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त कर कहा कि यहां के खिलाड़ी राज्य ही नहीं देश भर में अपना नाम रोशन करेंगे। उन्होंने भिलाई-3 के अधूरे मिनी स्टेडियम को पूर्णता के लिए शासन स्तर पर पहल करने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम का संचालन गुलाब सिंह सीरिया ने किया। पुरुस्कार वितरण समारोह में भाजपा जिलाध्यक्ष महेश वर्मा, जिला भाजपा कोषाध्यक्ष संदीप अग्रवाल, भाजपा नेता राजू श्रीवास्तव, आयोजन समिति के संयोजक एवं जिला भाजपा महामंत्री प्रेम लाल साहू, बिजेंद्र सिंह, गुलशन ढिंढे आदि उपस्थित थे। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में दीपक थापा, संजय सिंह, सुरेश राउत, पार्षद डे साहब वर्मा, भाजपा चरोदा मंडल सुषमा जेठानी आदि का विशेष योगदान रहा।

संपादकीय

महिला अधिकार असंवैधानिक नियम

सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला दिया है कि विवाह या पारिवारिक जिम्मेदारी के कारण महिलाओं को रोजगार से हटाने के नियम असंवैधानिक हैं। एक उल्लेखनीय फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने विवाह करने पर महिलाओं को रोजगारों से अनिवार्य रूप से हटाने वाले नियमों को 'आदिमकालीन, भेदभावपूर्ण तथा संवैधानिक सिद्धान्तों का उल्लंघन करने वाला' बताया है। यह निर्णय जेंडर समानता तथा महिला अधिकार संरक्षण की दिशा में मील का एक पत्थर है। दशकों से अनेक रोजगार क्षेत्रों में महिलाओं को अपने वैवाहिक स्तर या पारिवारिक जिम्मेदारियों के कारण नौकरी से बाहर कर दिया जाता था। ऐसे भेदभावपूर्ण व्यवहार के कारण न केवल जेंडर असमानता को बढ़ावा मिलता है, बल्कि महिला की आर्थिक स्वतंत्रता तथा पेशेवर प्रगति भी बाधित होती है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा ऐसे नियम खारिज करना जेंडर न्याय तथा कार्यस्थल समानता के दृष्टिकोण से महिलाओं की विजय है। इसके साथ ही कानून के समक्ष समानता तथा जेंडर के आधार पर भेदभाव-निषेध की संवैधानिक गारंटी भी पूरी हुई है। यह समाज को ऐसी बुराइयों से मुक्त करने का प्रयास है जो महिलाओं को अविश्वसनीय व धोखेबाज मानता है क्योंकि वे अपने परिवारों के लिए बीच में रोजगार छोड़ देती हैं। ऐसे प्रतिगामी नियमों का विस्तार व्यक्तिगत रूप से महिलाओं से आगे जाता है और वे असमानता की संस्कृति बढ़ाने तथा हानिकारक पूर्वाग्रह मजबूत करने में सहायक सिद्ध होते हैं। इन बाधाओं को तोड़ कर न्यायपालिका ने व्यवस्थागत जेंडर भेदभाव को समाप्त करने तथा ज्यादा समावेशी व समतापूर्ण समाज बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। निश्चित रूप से समय की कसौटी पर खरे उतरने वाले परिवर्तन समाज के भीतर से आने चाहिए, पर एक प्रगतिशील समाज सुनिश्चित करने के लिए उनका विधिक संरक्षण जरूरी है।

यह निर्णय बिना किसी प्रकार की मनमानी बाधाओं के महिलाओं के काम करने तथा कॅरियर अवसरों का लाभ उठाने के अधिकारों का महत्व रेखांकित करता है। महिलाओं को व्यक्तिगत जीवन तथा पेशेवर महत्वाकांक्षाओं के बीच चयन के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए क्योंकि उनको अपनी शर्तों पर दोनों क्षेत्रों में आगे बढ़ने की स्वतंत्रता प्राप्त है। इसके साथ ही महिलाओं को रोजगार अवसरों से वंचित करने के अनेक आर्थिक दुष्प्रभाव होते हैं। कार्यस्थल पर जेंडर समानता न केवल सिद्धान्त का मामला है, बल्कि यह आर्थिक वृद्धि तथा सामाजिक विकास के लिए भी महत्वपूर्ण है। जेंडर को अनदेखा कर सभी व्यक्तियों की प्रतिभा और क्षमता का लाभ उठाना खोज, उत्पादकता तथा समृद्धि की तलाश करने वाले समाजों के लिए जरूरी है। इसके साथ ही जेंडर-आधारित भेदभाव का मुकाबला करने के प्रयासों का विस्तार विधिक ढांचे से आगे निकल कर व्यापक सामाजिक दृष्टिकोण व मानकों तक विस्तारित है। गहराई तक जड़ें जमाए पूर्वाग्रहों को चुनौती देने तथा जेंडर समानता प्रोत्साहित करने के लिए शिक्षा, जागरूकता अभियान व एडवोकेसी अनिवार्य उपकरण हैं। हालांकि, सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय महिला अधिकारों के लिए संघर्ष में मील का एक पत्थर है, पर यह अभी जेंडर समानता के व्यापक आंदोलन की दिशा में शुरुआत है। सभी पक्षों की ओर से सकारात्मक प्रयास सचमुच समावेशी और समान समाज बनाने के लिए लगातार प्रयास जरूरी हैं जिनमें सरकारें, सेवायोजक, सिविल सोसाइटी और व्यक्ति शामिल हैं। हम प्रसन्न हो सकते हैं कि महिलाओं के समक्ष मौजूद एक और बाधा टूटी है तथा अदालत को इस उल्लेखनीय फैसले के लिए धन्यवाद दिया जाना चाहिए।

भाषाओं का संरक्षण महत्वपूर्ण

हमें भाषाओं का संरक्षण करना चाहिए। किसी भाषा के नष्ट होने का अर्थ केवल शब्दों का नुकसान होने के बजाय संस्कृति एवं परंपरा का क्षरण भी है।

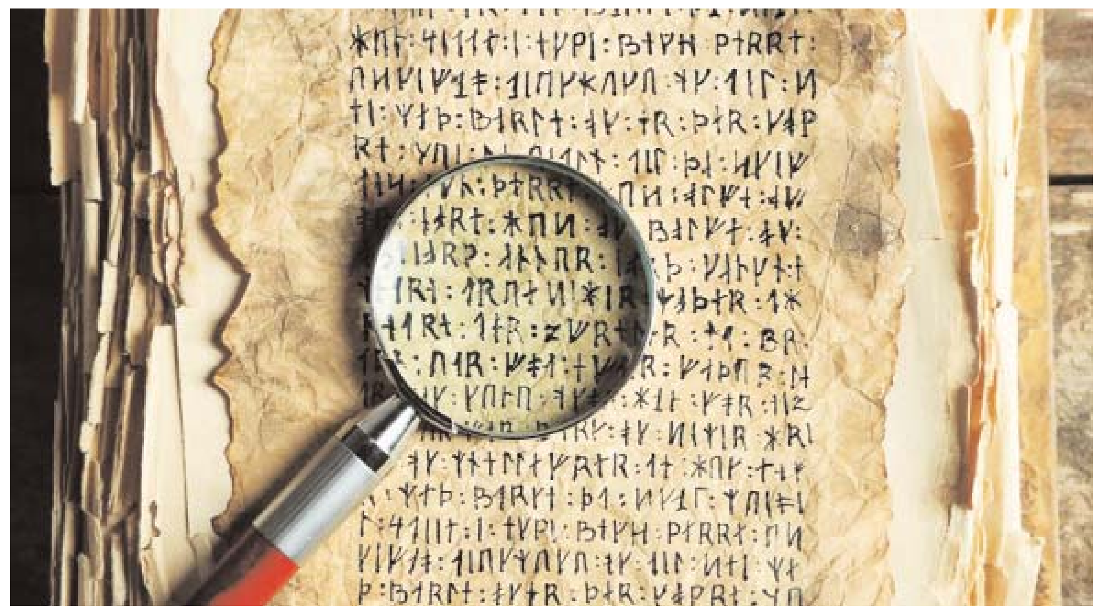

संतोष मैथ्यू
(लेखक, असोसियेट प्रोफेसर हैं)

यूनेस्को के तत्वावधान में हर साल 21 फरवरी को 'अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस' मनाया जाता है। इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन की घोषणा पहले 1999 में युनाइटेड नेशन्स एजुकेशनल, साइंटिफिक एंड कल्चरल आर्गेनाइजेशन-यूनेस्को ने भाषाई व सांस्कृतिक विविधता को प्रोत्साहन देने के लिए की थी। वर्ष 2000 से इसे हर साल मनाया जाता है। 2024 में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस की थीम 'पीढ़ीगत शिक्षण के लिए बहुभाषी शिक्षा स्तंभ' है। इस तिथि का ऐतिहासिक महत्व है। इस दिन तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान व वर्तमान बांग्लादेश के छात्रों ने 1952 से जारी भाषा आंदोलन में अनेक बलिदान दिए थे। वे अपनी भाषा-बांग्ला को पाकिस्तान की एक आधिकारिक भाषा के रूप में मान्यता दिलाना चाहते थे। तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान की 54.1 प्रतिशत जनसंख्या बांग्ला बोलती थी। इस्लामी पहचान के बावजूद पश्चिमी पाकिस्तान और पूर्वी पाकिस्तान के बीच अनेक भाषाई, सांस्कृतिक, नस्ली और भौगोलिक विरोधाभास थे। इस सांस्कृतिक टकराव के दौरान इस्लामाबाद के शासकों ने उर्दू को आधिकारिक भाषा घोषित कर दिया था।

इस प्रकार उन्होंने बांग्ला भाषा को पूरी तरह अनदेखा किया था जिसे जनता अपने दिल के निकट मानती थी। उस समय पूर्वी बंगाल की राजधानी ढाका में हजारों छात्र एकत्र हुए थे और उन्होंने आंदोलन शुरू किया था। पश्चिमी पाकिस्तान ढाका विश्वविद्यालय तथा ढाका मेडिकल कालेज के छात्रों का प्रदर्शन बलपूर्वक कुचल देना चाहता था। भाषा आंदोलन के खिलाफ फौजी कार्रवाई में अनेक अन्य लोगों के साथ छात्र नेता अब्दुल सलमान, रफीकुद्दीन अहमद, अब्दुल बलखाद और अब्दुल जब्बार शहीद हुए थे। 21 फरवरी, 1952 से शुरू हुए इस भाषा आंदोलन को अंततः सफलता मिली थी और उर्दू के साथ बांग्ला को अविभाजित पाकिस्तान की मातृभाषा माना गया था। मातृभाषा केवल संचार का माध्यम नहीं है, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक पहचान, हमारी विरासत की संरक्षक तथा एक ऐसा सेतु है जो हमें अपनी पुरानी पीढ़ियों के विवेक से जोड़ता है। लेकिन आज समय बीतने के साथ अनेक भाषायें गायब हो रही हैं। अनुमान है कि हर दो सप्ताह में दुनिया से एक भाषा गायब हो जाती है। भविष्य में लगभग 43 प्रतिशत बोली जाने वाली भाषायें गायब हो जाएंगी। यूनेस्को द्वारा इस दिवस की घोषणा का उद्देश्य भाषाओं के संरक्षण की आवश्यकता पर जोर देना है। दुनिया में लगभग 6000 भाषायें हैं जिनमें से कुछ के पास लिपि है और कुछ के पास नहीं। दुनिया में चीनी या मंडारिन सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है जिसे विश्व जनसंख्या का 16 प्रतिशत अपनी मातृभाषा के रूप में बोलता है। इस दृष्टिकोण से अंग्रेजी और हिन्दी का दूसरा और तीसरा स्थान है। अनेक भाषायें बोलने में सक्षम लोगों को 'बहुभाषी' कहा जाता है।

वर्तमान वैश्वीकृत समाज में अधिकाधिक भाषाओं में दक्षता को बहुत बड़ा कौशल माना जाता है। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव 17 भाषायें धाराप्रवाह बोल सकते थे और इस प्रकार वे 'बहुभाषी' लोगों का अच्छा उदाहरण थे। वर्तमान समय में 3000 से अधिक भाषायें संकटग्रस्त हैं। 1950 के बाद से दुनिया से 230 भाषायें गायब हो गई हैं। यूनेस्को की पूर्व महानिदेशक इरिना बोकोवा के नेतृत्व में संकटग्रस्त भाषाओं के संरक्षण की अनेक परियोजनायें चलाई गई थीं। इनमें से एक बांग्लादेश की राजधानी ढाका में स्थापित 'इंटरनेशनल मदर लैंग्वेज इंस्टीट्यूट' है।

संयुक्त राष्ट्रसंघ की सहायता से मातृभाषाओं के प्रोत्साहन की अनेक योजनायें शुरू की गई हैं। 2008 को 'अंतरराष्ट्रीय भाषा दिवस' के रूप में मनाया गया था और गायब होती भाषाओं को संरक्षण देने के प्रयास किए गए थे। संयुक्त राष्ट्र नीत सहस्राब्दी विकास लक्ष्यों में चौथा स्थान मातृभाषा के माध्यम से बेहतर और ज्यादा समावेशी शिक्षा को दिया गया है। संरा. अनुमानों के अनुसार दुनिया में बोली जाने वाली लगभग 7000 भाषाओं के अगली पीढ़ी में बने रहने की कोई गारंटी नहीं है। इनमें से 98 प्रतिशत भाषाओं का प्रयोग दुनिया की केवल 4 प्रतिशत जनसंख्या करती है। भाषाविदों ने पता लगाया है कि एशिया और अफ्रीका के कुछ समाजों में कुछ भाषायें केवल महिलायें बोलती हैं। कर्नाटक के गुलबर्गा व महाराष्ट्र के शोलापुर में अब भी लोकप्रिय 'दखिनी' ऐसी ही एक भाषा है। 2011 की जनगणना के अनुसार, संविधान की आठवीं अनुसूची में 22 भाषायें दर्ज हैं जिनमें 121 मातृभाषायें शामिल हैं। भारत की जनसंख्या का 43.6 प्रतिशत, यानी 52.8 करोड़ लोग हिन्दी बोलते हैं। इसके बाद सबसे ज्यादा 8 प्रतिशत लोगों की भाषा बांग्ला है। मातृभाषा के रूप में अंग्रेजी बोलने वाले 2.6 लाख लोगों में से एक लाख से अधिक महाराष्ट्र में हैं। दूसरी भाषा के रूप में पूर्वोत्तर राज्यों में हिन्दी के बजाय अंग्रेजी को पसंद किया जाता है। 2011 में मणिपुरी मातृभाषा वाले 17.6 लाख लोगों में से 4.8 लाख लोगों ने अंग्रेजी को अपनी दूसरी भाषा माना था। हालांकि, हिन्दी के साथ अंग्रेजी को केन्द्र सरकार की दो आधिकारिक भाषाओं में शामिल किया गया है, पर यह आठवीं अनुसूची की 22 भाषाओं में शामिल नहीं है। इसे उन 99 भाषाओं में स्थान दिया गया है जो इस अनुसूची में नहीं हैं। मातृभाषा के दृष्टिकोण से भारत में अग्रेजी बोलने वाले केवल 2.6 लाख लोग थे जो जनगणना में शामिल 121 करोड़ लोगों का बहुत छोटा हिस्सा है। फिजी में हिन्दी आधिकारिक भाषा है जिसे 44 प्रतिशत जनसंख्या बोलती है। इस प्रकार प्रतिशत के दृष्टिकोण से फिजी में हिन्दी बोलने वालों की संख्या भारत से अधिक है।

भारत भाषाई विविधता से भरा देश है। यहां हिन्दी और अंग्रेजी के साथ 22 क्षेत्रीय भाषाओं को संविधान की आठवीं अनुसूची के अनुसार आधिकारिक दर्जा दिया गया है। लेकिन हमारी पैतृक भाषा संस्कृत का प्रभाव समाज में घट रहा है। 15,000 से कम लोग बोलने वाली भाषा के रूप में संस्कृत का प्रयोग करते हैं। हालांकि, केन्द्र और राज्य सरकारों ने संस्कृत को प्रोत्साहन देने की अनेक योजनायें बनाई हैं, पर संस्कृत में केवल एक दैनिक 'सुधर्म' प्रकाशित होता है। उत्तराखंड एकमात्र ऐसा राज्य है जिसने संस्कृत को अपनी आधिकारिक भाषाओं में शामिल किया है। 1961 की जनगणना के अनुसार भारत में 1,662 भाषाओं को 'मातृभाषा' माना गया था। लेकिन 2011 की जनगणना में केवल 234 भाषाओं को मातृभाषा माना गया है। पचास साल से कम समय में 800 से अधिक मातृभाषायें विलुप्त हो गई हैं। निहाली को अब भी मातृभाषा माना जाता है जिसे मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के 15 गांवों में लगभग 15,000 लोग बोलते हैं। इसी प्रकार महाराष्ट्र के एक गांव में लगभग 1,000 पुर्तगाली बोलने वाले लोग हैं। यूनेस्को ने ऐसी 197 भारतीय भाषाओं की सूची बनाई है जो विलुप्त हो सकती हैं। अंग्रेजी, स्पैनिश और फ्रेंच भाषाओं ने अपनी लिपि विकसित नहीं की, बल्कि उन्होंने लिखने के लिए लैटिन लिपि स्वीकार कर ली। हिन्दी भाषा की भी अपनी लिपि नहीं है और वह देवनागरी लिपि का प्रयोग करती है। बांग्लादेश के राष्ट्रगान 'आमार सोनार बांग्ला' को रवीन्द्रनाथ टैगोर ने 1905 में बंगाल के पहले विभाजन के समय लिखा था। विश्व भारती में रवीन्द्रनाथ टैगोर के शिष्य आनन्द समरकून ने श्रीलंका का राष्ट्रगान 'नमो नमो माथा' लिखा था। 2009 में समाप्त होने वाले श्रीलंका के गृहयुद्ध के दस दशक पहले सिंहली के साथ तमिल को श्रीलंका की आधिकारिक भाषा माना गया था। केन्द्र सरकार के अनुसार, 1961 से 200 से अधिक भारतीय भाषायें विलुप्त हो गई हैं। इनमें से अधिकांश भाषाओं का प्रयोग आदिवासी समुदाय करते थे। 1961 की जनगणना के बाद सरकार ने 10,000 से कम लोगों द्वारा बोली जाने वाली भाषाओं का राष्ट्रीय दर्जा समाप्त कर दिया। हमें स्वीकार करना चाहिए कि भाषाओं का गायब होना केवल शब्दों का गायब होना नहीं, बल्कि संस्कृति व परंपराओं का गायब होना भी है। नोम चॉमस्की के अनुसार, 'भाषा केवल शब्द नहीं हैं। यह संस्कृति, परंपरा, एक समुदाय का एकीकरण और समुदाय का पूरा इतिहास है। ये सारी चीजें भाषा में अंतर्निहित हैं।' इसे देखते हुए भाषाओं को गायब होने देना ऐसा पाप है जिसे हम अपने पूर्वजों के साथ अपनी भावी पीढ़ियों के प्रति भी करते हैं।

आम चुनावों में कृत्रिम बुद्धि व डिजिटल मीडिया

"यह देखते हुए कि एआई संभवतः हमारे चुनावों को कैसे प्रभावित करेगा, हमें कई मोर्चों पर तत्काल कार्रवाई करने की आवश्यकता है।"

पूजा कपूर
(लेखिका, सह प्रोफेसर हैं)

आजकल, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय हित कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), ब्लॉकचेन और नैनोटेक्नोलॉजी जैसी प्रौद्योगिकियों से जुड़े हुए हैं। जैसे-जैसे यह आगे बढ़ता है, यह आर्थिक, राजनीतिक और सांस्कृतिक मुद्दों के अलावा कई निर्भरताएँ, शक्ति संघर्ष, प्रतिद्वंद्विता, जोखिम और अवसर पैदा करता है। इसमें चुनावी माहौल को पूरी तरह से बदलने की शक्ति है, जो भारतीय लोकतंत्र के लिए लाभ और कठिनाइयाँ दोनों प्रदान करता है।

उपयोगकर्ता अनुभव को बेहतर बनाने के लिए एआई द्वारा संचालित एल्गोरिदम का उपयोग सभी सोशल मीडिया साइटों द्वारा किया जाता है। राजनीतिक रणनीति निर्धारित करने के लिए इन एल्गोरिदम का उपयोग महत्व बढ़ रहा है। परिणामस्वरूप, मतदाता खुद को अलग-थलग सूचनात्मक बुलबुले में पा सकते हैं जो विरोधी विचारों के प्रति उनके जोखिम को सीमित करते हैं और उनके मतदान निर्णयों और प्राथमिकताओं को प्रभावित कर सकते हैं। डीपफेक, या ऐसे वीडियो जिन्हें प्रामाणिक दिखने के लिए बदल दिया गया है, का उपयोग झूठी कहानियां फैलाने और विरोधियों को बदनाम करने के लिए किया जा सकता है। सोशल मीडिया बॉट संदेशों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर सकते हैं और नकली रुझान बना सकते हैं, जिसका उपयोग उन लोगों को प्रभावित करने के लिए किया जा सकता है जो निश्चित नहीं हैं कि किसे वोट देना है। एआई-संचालित दुष्प्रचार की जटिलता से तथ्य को कल्पना से अलग करना कठिन हो जाता है, जो चुनावों के दौरान अच्छी तरह से सूचित निर्णय लेने के लिए एक गंभीर खतरा पैदा करता है।

चूंकि प्रौद्योगिकियां अधिक परिष्कृत होती जा रही हैं, इसलिए अवैध गतिविधियों को विदेशी अभिनेताओं (आतंकवादी संगठनों या स्लीपर सेल) से जोड़ना और पहचानना अधिक चुनौतीपूर्ण होता जा रहा है। इससे उन्हें ज़िम्मेदार ठहराना और भविष्य में हस्तक्षेप रोकना अधिक कठिन हो सकता है। एआई-संचालित बॉट्स को विदेशी सरकारों और ट्रोल फार्मों द्वारा तैनात किया गया था, जिनके साथ वे सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर फर्जी पहचान और भ्रामक जानकारी के नेटवर्क के साथ जुड़े हुए थे, जिसका उद्देश्य जनता की राय को प्रभावित करना था। इन बॉट्स ने अन्य उम्मीदवारों के खिलाफ नकारात्मक रूढ़िवादिता और साजिशों का प्रचार किया, कुछ संचार को बढ़ाया, और यह धारणा दी कि एक विशेष उम्मीदवार को व्यापक समर्थन मिल रहा था। कुछ महीने पहले जब भारतीय प्रधानमंत्री का डीपफेक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो हमें इसकी एक झलक मिली। यह लोकतंत्र के लिए गंभीर ख़तरा है क्योंकि इसका उपयोग मतदाताओं के निर्णयों और कार्यों को प्रभावित करने के लिए किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, राजनीतिक परामर्श फर्म कैम्ब्रिज एनालिटिका ने अरबों फेसबुक खातों से एकत्रित जानकारी का उपयोग करके मतदाताओं के व्यापक मनोदैहिक प्रोफाइल बनाए। इस डेटा का उपयोग करके, वे इन व्यक्तियों को अनुकूलित सोशल मीडिया संदेशों और विज्ञापनों के साथ लक्षित करने में सक्षम थे, जिसका प्रभाव 2016 और 2020 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों के साथ-साथ फिलीपीन मध्यावधि चुनावों में उनके मतदान करने के तरीके पर पड़ सकता है। सकारात्मक पक्ष पर, सोशल मीडिया और कृत्रिम बुद्धिमत्ता लोकतंत्र का समर्थन और संवर्धन कर सकते हैं। सूक्ष्म-लक्षित मतदाताओं के लिए एआई की क्षमता इसके सबसे महत्वपूर्ण प्रभावों में से एक है। इसमें जनसांख्यिकी, सोशल मीडिया गतिविधि और इंटरनेट आचरण सहित ढेर सारे डेटा का उपयोग करके प्रत्येक मतदाता की व्यापक प्रोफ़ाइल बनाना शामिल है। एआई-संचालित एप्लिकेशन अनुकूलित रणनीति प्रदान करते हैं जो पारंपरिक जन अभियानों की तुलना में मतदाताओं को प्रभावित करने की अधिक संभावना रखते हैं। उदाहरण के लिए, भावना विश्लेषण तकनीक उभरते मुद्दों का पता लगा सकती है और जनता की राय को माप सकती है, जिससे अभियानों को अपने संदेश को संशोधित करने और उन मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने में मदद मिलती है जो मतदाताओं के लिए सबसे ज्यादा मायने रखते हैं। एआई-संचालित चैटबॉट सामान्य प्रश्नों का उत्तर दे सकते हैं और मतदाताओं को चौबीसों घंटे सूचित कर सकते हैं, जिससे अधिक महत्वपूर्ण कार्यों के लिए मानव संसाधन मुक्त हो सकते हैं। डेटा-संचालित मॉडल मतदाता मतदान का पूर्वानुमान लगाकर और संसाधनों का इष्टतम आवंटन करके अभियान की प्रभावकारिता और सामर्थ्य में सुधार करते हैं। एआई और सोशल मीडिया का उपयोग जागरूकता बढ़ाने, बड़े दर्शकों तक पहुंचने और शिकायतों का समाधान करने के लिए किया जा सकता है। चुनाव आयोग प्रासंगिक जानकारी सोशल मीडिया पर साझा कर सकता है। शिकायतों का जवाब देने के लिए चुनाव आयोग की वेबसाइट एआई-आधारित चैटबॉट तैनात कर सकती है। एआई एल्गोरिदम तथ्य-जाँच उपकरणों के उपयोग से सच्ची खबर को झूठी खबर से अलग कर सकता है। भारत जैसे बड़े देश में, सोशल मीडिया के उपयोग को नियंत्रित और विनियमित करना लगभग कठिन है। इसलिए, यदि हम समस्या को हल करने में असमर्थ हैं, तो हमें समाधान खोजना चाहिए। यह देखते हुए कि एआई संभवतः हमारे चुनावों को कैसे प्रभावित करेगा, हमें कई मोर्चों पर तत्काल कार्रवाई करने की आवश्यकता है। चुनावी बुनियादी ढांचे और मतदाता डेटा पर हमलों को रोकने के लिए सबसे पहले मजबूत साइबर सुरक्षा उपायों की आवश्यकता है। दूसरा, दुष्प्रचार और प्रचार को पहचानने और अस्वीकार करने के लिए, मतदाताओं को अपनी मीडिया साक्षरता और आलोचनात्मक सोच क्षमताओं को सुधारने की आवश्यकता है। तीसरा, चुनावों में विदेशी हस्तक्षेप को रोकने के लिए, हमें लोकतंत्रों के बीच सूचना के आदान-प्रदान और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग में सुधार करने की आवश्यकता है।

आप की बात

इस कॉलम में अपने विचार या प्रतिक्रिया भेजने के लिए हमारे ई-मेल
pioneer.editorial@gmail.com
पर भी भेज सकते है।
www.dailypioneer.com

असांजे का प्रत्यर्पण

अमेरिका वर्तमान समय में विकीलीक्स संस्थापक जूलियन असांजे को अपने देश में प्रत्यर्पण कराने के प्रयास कर रहा है। दूसरी ओर असांजे के वकील एवं ब्रिटेन में उनके समर्थक प्रदर्शन कर मांग कर रहे हैं कि उन्हें किसी कीमत पर अमेरिका प्रत्यर्पित नहीं किया जाना चाहिए। उम्मीद है कि इंग्लैंड की अदालत इस पर गंभीरता से गौर करेगी। अमेरिकन राजनय की सच्चाई का पर्दाफाश करने वाले जूलियन असांजे को अमेरिका में मृत्युदंड होने का खतरा है। असांजे पर जासूसी के 17 आरोपों के साथ लगभग 15 साल पहले उनकी वेबसाइट पर वर्गीकृत अमेरिकी दस्तावेजों के प्रकाशन पर कंप्यूटर के दुरुपयोग का आरोप लगाया है। अमेरिका का कहना है कि असांजे ने अमेरिकी सेना के खुफिया सूचना विश्लेषक चेल्सी मैनिंग को राजनयिक केबल और सैन्य फाइलें चुराने में मदद की, जिन्हें बाद में विकीलीक्स ने प्रकाशित किया। असांजे द्वारा किए खुलासों से पता चला था कि अमेरिकी सेना ने अफगानिस्तान और इराक में युद्ध के दौरान हज़ारों लोगों को अकारण मार डाला था। जूनियन असांजे ने अमेरिकी लोकतंत्र के पीछे छिपे असली साम्राज्यवादी तानाशाहों की तस्वीर सारी दुनिया के सामने उजागर की थी। उनका जीवन महत्वपूर्ण है।

– **जंग बहादुर सिंह,** जमशेदपुर

अलविदा अमीन सयानी

लगातार 50 वर्षों तक रेडियो सहित आवाज की दुनिया में अपना वर्चस्व कायम रखने वाले अमीन सयानी हमारे बीच नहीं हैं। मगर उनकी झरने सी खनकती आवाज और उनका सबसे निराला बोलने का अंदाज सुनने वालों के मन में एक कशिश पैदा करता था। बिनाका गीत माला से प्रसिद्ध हुए अमिन सयानी रेडियो सीलोन से लगातार 40 वर्ष तक यह कार्यक्रम को चलते रहे। उस वक्त जब टीवी नहीं था तब अमीन सयानी का बिनाका गीत माला कार्यक्रम सुनने के लिए लोग बेताब रहते थे और जिनके यहां रेडियो नहीं थे वह रेडियो वालों के यहां एकत्रित हो जाते थे। भारत के अनेक गायकों को रेडियो और आकाशवाणी से लोकप्रियता मिली थी, उसी प्रकार अमीन सयानी फिल्मी संगीत की दुनिया में प्रस्तुतकर्ता के रूप में एकमात्र विख्यात आवाज वाली शख्सियत थे। रेडियो के अलावा भी जहां भी कार्यक्रम में उनकी आवाज सुनने को मिलती वहां लोग झूमने लगते। अमीन सयानी की लोकप्रियता प्रकारान्तर से दृश्य माध्यम, यानी टीवी, फिल्म आदि की तुलना में श्रव्य माध्यम की विशिष्टता प्रदर्शित करती है। सुने हुए शब्दों व गीतों से बनने वाली छवि दृश्यमान छवि से कम प्रभावी नहीं होती है। इस खनकती आवाज के नायक को शत-शत नमन।

– **सुभाष बुड़ावन वाला,** रतलाम

संवरता कश्मीर

मोदी सरकार ने कश्मीर घाटी से धारा 370 हटा कर उसे संवारने की दिशा में अभूतपूर्व कदम उठाए हैं। अब यहां की हालत में भारी बदलाव आया है एवं जनता में भी बढ़ती खुशहाली की खबरें आने लगी हैं। पिछले दिनों जम्मू कश्मीर के लिए 32,000 करोड रुपए से भी अधिक की परियोजनायें और शुरू किए जाने से अब यहां की जनता और प्रसन्न है। परिवारवाद ने भी कश्मीर का काफी शोषण किया है। शिख अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती व कुछ अन्य परिवारों ने आम कश्मीरी जनता का हक मारने का काम ही अधिक किया है। नौजवानों को बहकाने वाले उग्रवादियों, अलगाववादियों व पाकिस्तान परस्त नेताओं के बच्चे तो विदेशों में ठाठ से रहते थे, पर कश्मीर का नौजवान अंधी गली में फंस गया था। आज परिस्थितियों में व्यापक बदलाव आया है। केंद्र सरकार की सभी योजनाओं तथा संविधान के सभी प्राविधान लागू होने से अब हर जाति और समाज के हर वर्ग का विकास हो रहा है। कश्मीर अब संवर रहा है, यूरोपीय पर्यटन स्थलों से मुकाबला कर रहा है तथा फिल्म निर्माण व सांस्कृतिक गतिविधियां बढ़ी हैं।

– **मनमोहन राजावत,** शाजापुर

कामरेड शंकर गुहा नियोगी की स्मृति में क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन

पायनियर संवाददाता ∢ दल्लीराजहरा
www.dailypioneer.com

कामरेड शंकर गुहा नियोगी स्मृति में जन मुक्ति मोर्चा के द्वारा आयोजित क्रिकेट मैच के फाइनल में अतिथि श्याम जायसवाल ने मैदान में उपस्थित विजेता और उपविजेता टीम को संबोधित करते हुए कहा इस क्रिकेट मैच में ग्राम बिटाल ने अपना वर्चस्व कायम रखा। दल्ली राजहरा व आस पास ग्रामीणों के खेल प्रतिभा को निखारने के लिए जन मुक्तिमोर्चा दल्ली राजहरा के नेतृत्व में कॉमरेड शंकर गुहा नियोगी की स्मृति में ज़न मुक्तिमोर्चा के दशहरा मैदान पर टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा था। जन मुक्ति मोर्चा के द्वारा टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता के आयोजन का यह दूसरा वर्ष है। पिछले वर्ष ग्राम बिटाल ने यह मैच जीता था। इस वर्ष

कुल 32 टीमों ने मैदान पर अपना प्रदर्शन किया। फाइनल मैच के विशेष अतिथि डॉ. शैवाल जाना मुख्य चिकित्सक शहीद अस्पताल, मुख्य अतिथि डॉक्टर अमित तिवारी संचालक आरोग्य हॉस्पिटल दल्ली राजहरा एवं श्याम जायसवाल समाजसेवी व भारतीय जनता पार्टी के नेता तथा संजय सिंह थे। जन मुक्ति मोर्चा के दशहरा मैदान में ग्राम बिटाल और जन मुक्ति मोर्चा टीम के द्वारा फाइनल मैच खेला गया द्य इस मैच में ग्राम बिटाल के द्वारा प्रथम बैटिंग करते हुए 114 रन बनाये जीतने के लिए जन मुक्ति मोर्चा की टीम को जीतने के लिए 115 रन का लक्ष्य दिया गया द्य सर्वाधिक 37 रन लेखन के द्वारा बनाया गया। जन मुक्ति मोर्चा के द्वारा बेहतर खेल का प्रदर्शन किया गया। लेकिन पूरी टीम लक्ष्य का पीछा करते हुए। 86 रन पर आउट हो गई। इस तरह ग्राम बिटाल की टीम विजयी रही। उन्हें प्रथम पुरस्कार के रूप में 15001 रुपए तथा विनर ट्रॉफी से नवाजा गया। दोनों टीमों ने बेहतर खेल भावना का प्रदर्शन किया। पुरस्कार वितरण में बेस्ट बॉलर का ईनाम ग्राम बिटाल की इस्तू को, बेस्ट बैट्समैन ग्राम बिटाल के कमल तथा मैन ऑफ द मैच लेखन और मैन ऑफद सीरीज का पुरस्कार शिलाजीत को मिला। तृतीय पुरस्कार के रूप में वार्ड नंबर 14 के शहीद सुदामा की टीम को पुरस्कृत किया गया। उन्हें 5000 नगद एवं रनर ट्रॉफी से पुरस्कृत किया गया। द्वितीय पुरस्कार के लिए जन मुक्ति मोर्चा की टीम को ?10000 एवं रनर ट्रॉफी मिला। समिति की ओर से अंपायर को भी सम्मानित किया गया खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए डॉक्टर जाना ने कहा कि जन मुक्ति मोर्चा के द्वारा समय-समय पर विभिन्न आयोजन किया जाता है। यह प्रशंसनीय बात है। युवाओं में इस तरह के खेल होने से शारीरिक विकास होता है तथा शरीर स्वस्थ दुरुस्त बना रहता है। डॉ.अमित तिवारी ने अपने कहा कि खेल में हार और जीत तो लगी रहती है। यह एक सिक्के के दो पहलू है यदि एक टीम जीतती है तो दूसरी टीम हारती है। दोनों टीमों ने बेहतर प्रदर्शन किया दोनों ने भरपूर टीम भावना का परिचय दिया। युवा नेता श्याम जायसवाल ने अपने ओज पूर्ण संबोधन में दोनों टीमों को बधाई दिया। कार्यक्रम में स्वागत भाषण ईश्वर लाल निर्मलकर ने दिया। उन्होंने कहा कि शंकर गुहा नियोगी के बताए हुए रास्ते पर चलकर जन मुक्ति मोर्चा के द्वारा विभिन्न आयोजन किया जाता है। उनका कहना था कि स्वस्थ शरीर स्वस्थ मन के लिए खेल जीवन मैं अति आवश्यक है। युवाओं को नशापान से दूर रहकर अपने भविष्य के प्रति लालायित रहना जरूरी है।

एसपी ने अवैध गतिविधियों नशा पर अंकुश लगाने दवा विक्रेताओं की ली बैठक

पायनियर संवाददाता ∢ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

पुलिस अधीक्षक बेमेतरा रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) के द्वारा अवैध गतिविधियों नशा पर अंकुश लगाने हेतु जिले के दवा विक्रेताओं एवं मेडिकल स्टोर संचालकों की ली अहम बैठक लिया गया। पुलिस अधीक्षक कार्यालय के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित बैठक में जिले के दवा विक्रेताओं एवं मेडिकल स्टोर संचालकों से चर्चा किया गया। जिसमें उनसे अपील की गई की ऐसी दवाईयां, जो नशे के लिए उपयोग में लाई जाती हैं उन्हे डाक्टर पर्ची के बिना न बेची जाये। साथ ही ऐसे लोग जो इन दवाओं को प्रदान करें। उनके बारे में पता लगाया जा सकेगा और यह सुनिश्चित किया जा सकेगा कि कही वे इन दवाओं का गलत उपयोग तो नहीं हो रहे हो। नशे के अवैध इस्तेमाल के लिए उन दवाओं की बिक्री बिना डाँक्टर पर्ची के बिल्कुल न हो, जिन्हे प्रतिबंधित श्रेणी में रखा गया है, ताकि समाज में फैले नशे की बुराई को जड से समाप्त किया जा सके। दवाई दुकान संचालक (मेडिकल स्टोर) में सीसीटीवी कैमरा लगाने एवं दवा विक्रेताओं एवं मेडिकल स्टोर संचालकों (मेडिकल स्टोर) को अवैध नशीली प्रतिबंधित दवा की बिक्री न करने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिया गया। बेमेतरा पुलिस की आमजन से अपील की है की अवैध शराब, जुआ, सट्टा, गांजा, नशीली दवा एवं अन्य अवैध कार्यो में लिप्त लोगो की जानकारी हाने पर पुलिस कंट्रोल रूम बेमेतरा के नंबर 94791-92013 में सूचना देने तथा अवैध कारोबारियों की सूचना देने वालों को किया जायेगा पुरस्कृत और नाम रखी जायेगी गोपनीय। नशाखोरी एवं नशे का अवैध कारोबार करने वाले बक्से नहीं जायेंगें। तथा दवा विक्रेता संघ अध्यक्ष दिनेश दुबे ने पुलिस प्रशासन को आश्वस्त किया कि जिले की कोई भी दवाई दुकान से नशे की दवाई नहीं बेची जाएगी एवं सभी केमिस्ट को सीसी कैमरा लगाने की बात कहीं एवं कोई संदिग्ध व्यक्ति कोई नशे की दवाई लेने आता है तो फोटो खींचकर इसकी सूचना पुलिस को देने की बात कही। उक्तबैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पंकज पटेल, एसडीओपी बेमेतरा मनोज तिर्की, ड्रग इंस्पेक्टर भास्कर राठौर साजा क्षेत्र, धनीराम पटेल बेमेतरा ग्रामीण व बेरला क्षेत्र, आरती नागदेव बेमेतरा शहर व नवागढ एवं जिला दवा विक्रेता संघ बेमेतरा अध्यक्ष दिनेश दुबे, उपाध्यक्ष शत्रुहन साहू, सचिव नवीन अग्रवाल, कोषाध्यक्ष शरद शर्मा, अनिल चौबे, विजय पांडेय, सौरभ बिंदल, राधेश्याम अग्रवाल, गणेश अग्रवाल व साजा, बेरला, देवकर, देवरबीजा एवं अन्य सभी जगह के दवा विक्रेताओं एवं मेडिकल स्टोर संचालकगण सहित अन्य स्टाफ उपस्थित रहे।

ठेका श्रमिकों की बहु प्रतीक्षित मांग पूरी की गई, मिलेगी मेडिकल सुविधा

पायनियर संवाददाता ∢ दल्लीराजहरा
www.dailypioneer.com

राजहरा खदान समूह के ठेका श्रमिकों की बहु प्रतीक्षित मांग 22 फरवरी को मुख्य महाप्रबंधक के सभागार में मुख्य महाप्रबंधक दल्लीराजहरा खदान समूह आर बी गहरवाल के द्वारा यूनियन प्रतिनिधियों पुरुषोत्तम सीमैया, प्रकाश सिह क्षत्रीय, राजेंद्र बेहरा, लखन लाल चौधरी, कमलजीत सिंह मान, अनिल यादव, अभय सिंह, एवं शहीद अस्पताल के मुख्य चिकित्सा डॉ. शैवाल जाना, ज्योति हॉस्पिटल के इंचार्ज डाक्टर अशोक कुमार ठाकुर उपस्थित थे। उनकी उपस्थिति में ठेका श्रमिकों को मेडिकल चिकित्सा हेतु मेडिकल बुक प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ठेका श्रमिकों को चिकित्सा सुविधा प्रदान करना था पिछले कई वर्षों से यूनियन एवं प्रबंधन के तालमेल से यह कार्य सफल हो सका है । इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक आर बी गहरवाल एवं कार्यक्रम में उपस्थित बीएससी के महाप्रबंधक अरुण कुमार, मयाराम ठाकुर, विपिन कुमार कार्मिक विभाग से सहायक महाप्रबंधक एमडी रेड्डी, श्रम कल्याण अधिकारी संध्या रानी वर्मा, सेवाराम साहू उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन कार्मिक विभाग की ओर से सहायक महाप्रबंधक एमडी रेड्डी ने किया। श्रम कल्याण अधिकारी संध्या रानी वर्मा ने कार्यक्रम को गति प्रदान की कार्यक्रम के अंत में श्रम कल्याण अधिकारी एमडी चंद्राकर ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।

पहली बार ई-बॉयोटोरियम बायो मैग्नेटिक प्राकृतिक चिकित्सा का डेमो प्रदर्शन दिखाकर दी गई जानकारी

पायनियर संवाददाता ∢ दल्लीराजहरा
www.dailypioneer.com

दिनों डौण्डी ब्लाक के पुलिस मैदान में उत्तम कुमार कोठारी क्षेत्रीय संचालक के नेतृत्व में पहली बार ई-बॉयोटोरियम बायो मैग्नेटिक प्राकृतिक चिकित्सा का डेमो प्रदर्शन दिखाकर जानकारी दी गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सोमेश सोरी अध्यक्ष डौंडी नगर पंचायत थे। कार्यक्रम में डौंडी नगर पंचायत के आसपास के विभिन्न ग्रामों के ग्रामीण तथा ई-बायोटिरियम बायोमैग्नेटिक प्राकृतिक चिकित्सा के सभी कार्यकर्ता उपस्थित हुए। उन्होंने ई-बायोटेरियम बायोमैग्नेटिक प्राकृतिक चिकित्सा के संबंध में जानकारी प्राप्त की। डौण्डी नगर के ई-बायोटोरियम बांयो मैग्नेटिक प्राकृतिक चिकित्सा परिवार के संचालक उत्तम कुमार कोठारी व रामेश्वरी कोठारी ने बताया कि इस सिस्टम का उपयोग करने पर मात्र सोने और पानी पीने और ब्रेसलेट लगाने से शरीर पर अद्भूत सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। बच्चे-बड़े-बुजुर्ग, स्वस्थ और बीमार सबके लिये फायदेमंद है। बीमार को स्वस्थ होने और स्वस्थ को स्वस्थ बने रहने के लिये फायेदमंद है। यह सिस्टम बिना दवाई, बिना गोली, बिना इंजेक्शन, बिना ऑपरेशन से रोग प्रतिरोधक क्षमता (यूमनिटी पावर) को बढ़ाने, शरीर में ब्लड सर्कुलेशन को सही करके और ऑक्सीजन लेबल को बढ़ाकर स्वस्थ रहने का आसान तरीका है। किसी भी तरह के दवाई को यह सिस्टम पूरी तरह सपोर्ट करता है। यह सिस्टम पूरी तरह से प्राकृतिक है। इसलिए इसे सिर्फ1 ही बार घर में लाना पड़ता है, दुबारा खरीदने या रीनिवल करने की जरूरत नहीं पड़ती, 25 साल, फुर्सत रहता है। ई-बॉयोटोरियम बायोमैग्नेटिक प्राकृतिक चिकित्सा के संबंध में अधिक जानकारी के लिए उत्तम कुमार कोठारी-9406067866 एवं रामेश्वरी कोठारी 9406067865 से संपर्क कर सकते है।

भावना बोहरा ने पंडरिया विधानसभा के रणवीरपुर कुण्डा और कुकदुर में अस्पताल निर्माण की मांग की

पायनियर संवाददाता ∢ कवर्धा
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ विधानसभा में पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने विधानसभा के अंतर्गत विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों में व्याप्त समस्याओं, भवनों के निर्माण, मरम्मत एवं आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग की। इस दौरान भावना बोहरा ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार हेतु छत्तीसगढ़ की भाजपा सरकार निरन्तर कार्य कर रही है। बजट में भी स्वास्थ्य सेवाओं को प्रमुखता से ध्यान में रखते हुए लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण हेतु 7552 करोड़ का प्रावधान किया है जो पूर्व की कांग्रेस सरकार द्वारा किये गए प्रावधान से लगभग 2000 करोड़ रुपये अधिक है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन योजना से लेकर शहिद वीर नारायण सिंह आयुष्मान स्वास्थ्य योजना, सहित अस्पतालों के उन्नयन, उपकरणों के अपग्रेडेशन से लेकर मूलभूत व आवश्यक सुविधाओं का विस्तार भी कर रही है, जिससे आमजनों को लाभ मिलेगा। भावना बोहरा ने पंडरिया विधानसभा क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण के विषय मे भी सदन के समक्ष अपनी बात रखते हुए रणवीरपुर, कुण्डा और वनांचनल क्षेत्र कुकदुर में 50 बिस्तरों वाले अस्पताल की मांग की है। उन्होंने पंडरिया विधानसभा के अंतर्गत आने वाले सभी प्राथमिक व उप स्वास्थ्य केंद्रों के निरक्षण की मांग करते हुए वहां चिकित्सकों, स्वास्थ्यकर्मियों तथा दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की बात कही। इसके साथ ही विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों में सोलर पैनल, सेनेटरी पैड वेंडिंग मशीन, सोनोग्राफी मशीन, एक्स रे मशीन, ईसीजी मशीन जैसे आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता की कमी को देखते हुए जल्द से जल्द इसकी स्थापना करने की भी मांग की है ।

पोड़ी हनुमान गार्डन मे स्थित हनुमान जी का मूर्ति का रंग रोपन का कार्य शुरू

पायनियर संवाददाता ∢ पोड़ी
www.dailypioneer.com

ग्राम पंचायत पोंडी के हृदय में विराजित विशालकाय बजरंगबली जी की मूर्ति का रंगरोगन का कार्य गुरुवार के प्रारंभ किया गया। हनुमान जी का विशालकाय मूर्ति हनुमंत गार्डन पर स्थित है। यह पोंडी साहित आस पास ग्रामीणजनों का आस्था का बहोत बडा केंद्र है कुछ ही दिनों बाद हिंदू नववर्ष एवं हनुमान जयंती आने वाला है ऐसे में बजरंगबली जी का रंगरोगन का कार्य भी करना था जिसे लेकर सांसद प्रतिनिधि जयराम साहू ने कुछ दिन पहले विधानसभा अध्यक्ष बनने पर डॉ रमन सिंह को बधाई देने के लिए उनके निवास रायपुर पहुंचे विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह जी से चर्चा करते हुए उनके ही कार्यकाल 11 मई 2012 में हनुमान जी की मूर्ति एवं गार्डन बनाने का कार्य म संपन्न हुआ था। हनुमान जी का रंगरोगन के लिए सांसद प्रतिनिधि जयराम साहू ने अवगत कराते हुए मांग किया, जिसको सहजता से स्वीकार करते हुए विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने तत्काल स्वीकार किया और तत्काल हनुमान जी का रंगरोगन का कार्य प्रारंभ करने के लिए कहा। डॉ रमन सिंह का आदेश के बाद गुरुवार को हनुमान जी का रंगरोगन का कार्य प्रारंभ हो गया जिस पर सांसद प्रतिनिधि जयराम साहू ने विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह के प्रति आभार व्यक्त किया है।

पेंड्रीकला में सरपंच चुनाव का आदेश असामाजिकता से प्रेरित

पायनियर संवाददाता ∢ कवर्धा
www.dailypioneer.com

समीपस्थ ग्राम पंचायत पेंड्रीकला में विगत 4 वर्षों से आरक्षित कोटे का सरपंच नहीं होने के कारण उप सरपंच के द्वारा केंद्र एवं राज्य शासन के मनसा अनुरूप सदैव जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए कार्य कराया जा रहा जा रहा है एवं 12 में से 9 पंचों तथा आम जनता को किसी भी प्रकार की शिकायत नहीं है इसके बावजूद यहां चुनाव का आदेश जारी किया गया सरपंच ने आरोप लगाया है कि कुछ चापलूस एवं असामाजिक प्रकार के व्यक्तियो के द्वारा उन्हें परेशान करने की दृष्टिकोण से जनपद सीईओ के द्वारा पेंड्रीकला में चुनाव हेतु आदेश निकला गया है जबकि पंडरिया जनपद में ही ग्राम पंचायत कुम्हीं एवं ग्राम पंचायत कूल्ही डोंगरी में भी इसी तरह आरक्षित कोटा का सरपंच नहीं होने से उसे सरपंच के द्वारा पंचायती कार्यकाल बखूबी से निर्वहन किया जा रहा है जिसके लिए इसी जनपद सीईओ के द्वारा किसी भी प्रकार का आदेश जारी नहीं किया गया है यहां यह बताना लाजिमी होगा कि 12 में से 9 पंचों के द्वारा विधायक पंडरिया एवं कलेक्टर तथा रिटर्निंग ऑफिसर जिला कबीरधाम को लिखित में ज्ञापन सौंपा गया है कि वहा सभी पंच एवं आम जनता सरपंच के कार्यकाल से संतुष्ट एवं खुश है उन्हें किसी भी प्रकार की चुनाव की आवश्यकता नहीं है यह बात समझ से परे है कि जब पंडरिया विधायक एवं कलेक्टर को पंचों के द्वारा सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर चुनाव का बहिष्कार किया गया है तो जनपद पंचायत पंडरिया सीईओ के द्वारा इस तरह का आदेश निकलना स्वार्थ से प्रेरित साबित हो रहा है।

एकदिवसीय जिला स्तरीय बहुभाषा शिक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम सम्पन्न

पायनियर संवाददाता ∢ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता वर्ष 2026-27 तक कक्षा 3 के बच्चों के लिये सार्वभौमिक साक्षरता और संख्यात्मकता सुनिश्चित करने के दृष्टिकोण से निपुण-भारत कार्यक्रम शुरू किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत एकदिवसीय जिला स्तरीय बहुभाषा शिक्षण प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम जिला परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा बेमेतरा में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण मास्टर ट्रेनर्स सुसावित्री साहू बेरला एवं शीतल बैस नवागढ़ के द्वारा दिया गया। कमल नारायण शर्मा एवं पीएमयू प्रवीण सोनकर के दिशा निर्देश में एक दिवसीय प्रशिक्षण में बहुभाषी शिक्षण की आवश्यकता है, चुनौती पर बिंदु विचार विस्तार से चर्चा किया गया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 स्पष्ट रूप से कहती हैं कि वर्तमान में प्रारंभिक कक्षाओं में बच्चों की घर की भाषा और स्कूल की भाषा में जो अंतर है, उनके एक सेतु बनाने के प्रयास किये जाने चाहिए। निपुण भारत में भी यह सटीक रुप से कहा गया है की बच्चों की मातृभाषा का प्रयोग एफएलएन के उद्देश्य प्राप्त करने के लिए एक बुनियादी शर्त है। स्कूली शिक्षा में सीखने का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम है भाषा सभी कुछ सीखने का आधार है। किसी की बात को ध्यानपूर्वक सुनते हैं, कहानी कविता पढ़ते हैं और समझने के लिए तर्क और निष्कर्ष निकालने, तो ये सभी काम भाषा के माध्यम से होते है। जो भाषा भाषाएं बच्चे घर से समझते और बोलते हुए स्कूल आते हैं, उन भाषाओं को सीखने सिखाने की प्रक्रिया में स्थान न देकर, हम इन बच्चों को सीखने के मौलिक अधिकार से वंचित करते थे है तो हम उनकी भाषा को नहीं उन बच्चों को सीखने से वंचित कर रहे होते हैं। बतादें कि एफएलएन का अर्थ है कि बच्चों को वो योग्यता हासिल हो जिसके जरिये छात्र पढ़ने-लिखने, बोलने और व्याख्या करने में सक्षम हो सके. इसके साथ ही दिन-प्रतिदिन की समस्याओं को हल करने के लिए मूलभूत संख्यात्मक विधियों और विश्लेषण का उपयोग करने की क्षमता ग्रहण कर सके।

नालियों का पानी सड़क पर बहने से नागरिक परेशान

पायनियर संवाददाता ∢ थान खमरिया
www.dailypioneer.com

केंद्र सरकार द्वारा जहां एक ओर स्वच्छ भारत अभियान जैसे महती योजनाएं व स्वच्छता मिशन चलाया जा रहा है वहीं नगर के मेंन रोड एवं अंदर गलियों में नालियों के सफाई कार्य में आई शिथिलता, सफाई कर्मचारी भी बेलगाम हैं, नगर पंचायत क्षेत्र अंतर्गत वार्ड नंबर 9 दाऊ चौरा के अंदर गली में मसाला व दाल के व्यापारी राजा सिन्हा ने बतलाया कि उनके घर के आगे नाली का गंदा पानी पूरे सड़क पर बह रहा है, बदबुदार एवं प्रदूषित पानी का इस प्रकार मार्ग में बहने से वार्डवासियों को भारी दिक्कतो का सामना करना पड़ रहा है, हैजा- पीलिया जैसे संक्रामक बीमारी फैलने का खतरा बना रहता है, जुगेश सिन्हा ने बताया की सफाई कर्मचारियों द्वारा नालियों का नियमित सफाई कार्य नहीं होता है, कचरा प्रबंधन भी ठीक से नही हो पा रहा है, खुले में कचरा अस्त व्यस्त फैला रहता है, सी. एम. ओ. द्वारा भी वार्ड की साफसफाई व्यवस्था का संज्ञान नही लिया जा रहा है जिससे अव्यवस्था का आलम हैं।

सीएचसी खंडसरा में 25 महिलाओ का हुआ सफल नसबंदी ऑपरेशन

पायनियर संवाददाता ∢ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र खंडसरा को जिला चिकित्सालय में नसबंदी ऑपरेशन हेतु अधिक पंजीयन होने के कारण ब्लॉक स्तर पर नसबंदी ऑपरेशन शिविर आयोजित करने हेतु बेमेतरा कलेक्टर रणबीर शर्मा के आदेश पर नसबंदी ऑपरेशन के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ संत राम चुरेंद्र के दिशानिर्देश और सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र खंडसारा बीएमओ डॉ शरद कोहाडे के मार्गदर्शन में 23 फरवरी 2025 शुक्रवार को महिला नसबंदी ऑपरेशन शिविर का आयोजन किया गया। जो कि पूर्णतः निःशुल्क और सफल रहा । इस महिला नसबंदी ऑपरेशन शिविर में डॉ सतीश चंद्रवंशी के द्वारा 25 महिलाओ हितग्राहियों का सफल नसबंदी ऑपरेशन किया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र खंडसरा बीपीएम पंकज आडिल ने जानकारी देते हुए कहा कि इसी प्रकार प्रत्येक शुक्रवार को विकासखंड बेमेतरा के अंतर्गत आने वाले 02 सेक्टर से लगभग 26 महिलाओ का आपरेशन आगामी माह के शुक्रवार को किया जायेगा। इस महिला नसबंदी ऑपरेशन शिविर के आयोजन में बीएमओ डॉ शरद कोहाडे,डॉ टिकेश्वर ध्रुव, आरएमए महेंद्र ठाकुर, स्टाफ नर्स सीएचसी खंडसरा, बीपीएम पंकज आडिल, बीईटीओ प्रकाश भारती, के साथ अन्य खंडसरा सीएचसी स्टाफ का विशेष सहयोग रहा ।

आयुर्वेद विभाग की नई पहल ,ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित हुए पांच दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर

पायनियर संवाददाता ∢ बेमेतरा
www.dailypioneer.com

केन्द्र और राज्य शासन की महती योजनाओं से अब बेमेतरा जिला भी लाभान्वित होने लगा है। इसी क्रम में विगत दिनों आयुर्वेद विभाग के द्वारा बेमेतरा जिला में पांच दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन किया गया। योग प्रशिक्षण की ये योजना केंद्र और राज्य सरकार की एक सम्मिलित योजना है। जो आमजनों को योग का प्रशिक्षण देने के लिए और उनके दैनिक जीवन में योग को एक अनिवार्य अंग बनाने के लिए प्रारंभ की गयी है। इस योजना के माध्यम से शासन का उद्देश्य लोगों की जीवन शैली में बदलाव लाना है और उन्हें योग और आयुर्वेद के माध्यम से हितकर और स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। ताकि जीवन शैली जन्य रोगों जैसे मधुमेह, ब्लड प्रेशर इत्यादि रोगों के फैलाव को रोका जा सके। इन रोगों का प्रसार रोकने का एकमात्र तरीका लोगों की दिनचर्या और जीवन शैली में बदलाव लाना है। औषधियों से या टीके लगाकर इनका फैलाव नहीं रोका जा सकता। जनता में जागरूकता लाकर और उन्हें स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित कर इन रोगों से लोगों को बचाया जा सकता है। यह कार्य योग के माध्यम से बहुत अच्छी तरह से हो रहा है। इसी तारतम्य में आयुष विभाग के द्वारा लगातार गांवों में शुगर और ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियों की स्क्रीनिंग की जा रही है और उनको आयुर्वेद की दवाएं अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इन दोनों ही कार्यो से धीरे धीरे लोग आयुष चिकित्सा पद्धतियों की ओर आते जा रहे हैं। कोरोना काल में आयुर्वेद और योग की महत्ता को समाज के हर व्यक्ति ने अनुभव किया है। शासन का भी यही उद्देश्य है कि अधिकाधिक संख्या में जनता इनका लाभ उठाए। विगत दिनों बेमेतरा जिला में मौजूद 14 आयुर्वेद आयुष्मान आरोग्य मंदिरो एवं एक आयुष योगा एन्ड वैलनेस सेंटर बेमेतरा में पांच दिवसीय योग शिविर आयोजित किये गए। ये शिविर 22 जनवरी 2024 से 20 फरवरी 2024 के बीच आयोजित किये गए। बेमेतरा जिला में संचालित आयुर्वेद आयुष्मान आरोग्य मंदिरों और आयुष योगा एंड वैलनेस सेंटर बेमेतरा की जानकारी देते हुए जिला आयुर्वेद अधिकारी बेमेतरा डॉ वीणा मिश्रा ने बताया कि बेमेतरा जिला में कुल 57 ग्रामों में ये शिविर आयोजित किए गए थे। इनमें 24650 ग्रामवासियों ने योग प्रशिक्षण का लाभ लिया।वर्तमान में बेमेतरा जिले में कुल 21 आयुर्वेद आयुष्मान आरोग्य मंदिर और बेमेतरा जिला मुख्यालय में एक आयुष योगा एन्ड वैलनेस सेंटर संचालित हैं। संचालक आयुष के मार्गदर्शन में इनमें से 14 केन्द्रों में वर्तमान में योग प्रशिक्षक उपलब्ध हैं जो प्रतिदिन सुबह दो घंटे निःशुल्क योग की प्रशिक्षण कक्षाएँ संचालित कर रहे हैं और लोगों को अपनी दिनचर्या में योग को अपनाने के लिए निरंतर प्रेरित कर रहे हैं।

संत समागम समारोह में सीएम विष्णुदेव साय ने की बड़ी घोषणा, बदला जाएगा दामाखेड़ा का नाम, 10 किमी रेडियस में नहीं लगाए जाएंगे उद्योग

पायनियर संवाददाता ◄ तिल्दा नेवरा
www.dailypioneer.com

सिमगा विकासखंड के अंतर्गत दामाखेड़ा में माघपूर्णिमा के अवसर पर आयोजित होने वाले विश्व प्रसिद्ध सतगुरू कबीर संत समागम, दामाखेड़ा मेला में शामिल होने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय पहुंचे. वहीं कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा, सांसद सुनील सोनी, खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल, विधायक प्रमोद मिंज पूर्व विधायक शिवरतन शर्मा सहित सहित अन्य लोगों की उपस्थिती थी । इस दौरान मुख्यमंत्री साय ने मंच में बड़ी घोषणा की उन्होंने कहा कि दामाखेड़ा का नाम कबीर धर्म नगर दामाखेड़ा किया जाएगा । इसके साथ ही दामाखेड़ा के 10 किमी रेडियस के अंदर उद्योग नहीं लगाने को लेकर भी आश्वस्त किया । माघ मेला में प्रकाश मुनि साहेब ने मुख्यमंत्री को शाल और स्मृतिचिन्ह देकर सम्मान किया । साथ ही डिप्टी सीएम विजय शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधियों का सम्मान किया । इस दौरान पंथ मुनि साहेब ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से दामाखेड़ा के सामने कबीर पंथ धर्मनगरी जोड़ने और शासकीय दस्तावेजों में सुधार करने की मांग की वहीं रायपुर के करीब उद्योग उरला और सिलतरा औधोगिक क्षेत्र में लोगों का रहना दुभर हो गया है । पर्यावरण प्रदूषण बढ़ गया है । इसको लेकर मुख्यमंत्री से दामाखेड़ा के 10 किमी के अंदर किसी भी उद्योग नहीं लगाने देने की मांग की । कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रकाश मुनि साहेब को प्रणाम करते हुए अपना उद्बोधन शुरू किया उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार आया हूं । छोटे से किसान का बेटा आज आपके सामने मुख्यमंत्री के रूप में खड़ा हूंऔर आशीर्वाद लेने आया हूं ताकि छत्तीसगढ़ राज्य की जनता सुख समृद्धि से भरपूर हो वहीं मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बड़ी घोषणा करते हुए कहा कि दामाखेड़ा का नाम कबीर धर्म नगर दामाखेड़ा किया जाएगा. वहीं दामाखेड़ा के 10 किमी रेडियस के अंदर उघोग नहीं लगाने को लेकर भी आश्वस्त किया ।

श्रध्दालु भगवान शिवरीनारायण की दर्शन करने जमीन पर लोट मारते पहुंच रहे हैं मंदिर

पायनियर संवाददाता ◄ शिवरीनारायण
www.dailypioneer.com

धर्म, आस्था और आध्यात्म की पावन नगरीय तीर्थ धाम शिवरीनारायण मे देवी देवताओं की अनेको मंदिर है लेकिन नगर के मुख्य मंदिर श्री शिवरीनारायण भगवान मंदिर श्रद्धालुओ की आस्था का केंद्र बिंदु है मुख्य मंदिर के गर्भगृह मे जमीन से निकली हुई स्वयंभू श्री शिवरीनारायण भगवान जी विराजमान है भगवान श्री के श्री चरणों मे अनादिकाल से गंगा जल प्रवाहित हो रहा है जिसे रोहणी कुड कहा जाता है इस कुंड का जल कभी भी घटता बढ़ता नहीं है और ना ही कभी गंदा होता है समस्त विकारो के निदान के लिए रोहणी कुंड का जल लाभप्रद माना जाता है भगवान जगन्नाथ स्वामी जी का मूल स्थान शिवरीनारायण के मुख्य मंदिर को माना जाता है इसी मंदिर के गर्भगृह से भगवान जगन्नाथ जी के तीनो विग्रह को उड़ीसा के राजा द्वारा उड़ीसा के जगन्नाथपुरी ले जाया गया है और पुरी के जगन्नाथ मंदिर मे स्थापित किया गया है धार्मिक मान्यता है माघ पूर्णिमा को एक दिन के लिए भगवान जगन्नाथ स्वामी जी शिवरीनारायण के मुख्य मंदिर श्री शिवरीनारायण भगवान मंदिर मे विराजमान होते है और भक्तो को दर्शन देते है. श्री यंत्र से मंदिर का गर्भगृह सुशोभित है विशेष तंत्र शक्ति से बने हुए मंदिर मे सभी श्रद्धालुओं की मनोकामना पुरी होती है दूर दूर से श्रद्धालुओं की टोली अपने हाथो मे श्रीफल नारियल लेकर जमीन पर लोट मारते हुए मंदिर तक आते है और मंदिर का 7बार 11बार परिक्रमा करते है! श्री शिवरीनारायण भगवान मंदिर के स्वर्ण कलश के पास भी श्री यंत्र बना हुआ है आज माघ पूर्णिमा के दिन आप सब भी दर्शन कर पुण्य लाभ उठावे-श्री शिवरीनारायण भगवान की जय,जय शबरीनारायण,जय शबरीधाम, जय जगन्नाथ!!!

निर्बाध विद्युत आपूर्ति तथा उपभोक्ताओं की शिकायतों का तत्काल समाधान करने के निर्देश दिए

पायनियर संवाददाता ◄ मुंगेली
www.dailypioneer.com

कलेक्टर ने जिला कलेक्टोरेट स्थित मनियारी सभा कक्ष में विद्युत विभाग के अधिकारियों की बैठक ली। उन्होने जिले में बेहतर विद्युत व्यवस्था सुनिश्चित करने, निर्बाध विद्युत आपूर्ति तथा उपभोक्ताओं की शिकायतों का तत्काल समाधान करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बिजली आमजनों से जुड़ी महत्वपूर्ण आवश्यकता है इसलिए संबंधित अधिकारियों को विद्युत से जुड़ी आम उपभोक्ताओं की समस्याओं का संवेदनशीलता से समाधान करना चाहिए। उन्होंने गर्मी के मौसम में विद्युत लोडिंग बढ़ने के मद्देनजर ट्रांसफार्मर सहित सभी आवश्यक तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि अघोषित बिजली की कटौती से लोगों को काफी परेशानी होती है, जिसे ध्यान में रखते हुए कार्य करें। बैठक में कलेक्टर ने झूलती हुई तार को बदलने, ट्रांसफार्मर, शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सब स्टेशनों में अधिकारियों-कर्मचारियों की उपस्थिति, निर्बाध विद्युत आपूर्ति, लाइन एवं पोल शिफ्टिंग, लो वोल्टेज की समस्या, सहित अन्य विषयों पर विस्तार से चर्चा की और बेहतर कार्ययोजना के साथ उपभोक्ताओं की समस्या का समाधान करने के निर्देश दिए। बैठक में अपर कलेक्टर विजेन्द्र सिंह पाटले सहित विद्युत विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

माघ पूर्णिमा पर्व पर लाखों श्रद्धालु पवित्र चित्रोत्पला-संगम में पुन्नी स्नान कर भगवान नर-नारायण का करेंगे दर्शन

पवित्र-संगम में पुन्नी स्नान के लिए पूरे देश भर के काफी संख्या में श्रद्धालु, साधु संत विश्व विधाता स्वामी जगन्नाथ जी के मूल भूमि शबरी धाम पहुंच रहे हैं

पायनियर संवाददाता ◄ शिवरीनारायण
www.dailypioneer.com

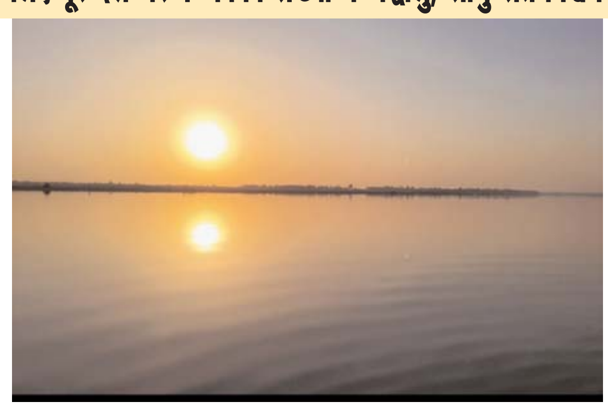

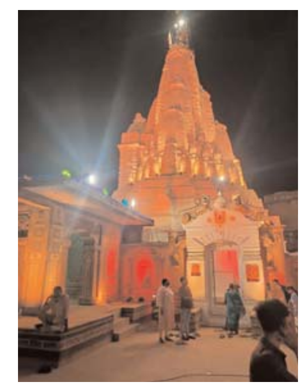

गुप्त तीर्थ धाम,माता शबरी की पुण्य जन्मभूमि व मंदिरो की नगरी शिवरीनारायण में माघ पूर्णिमा से महाशिवरात्रि पर्व तक पंद्रह दिवसीय माघ पूर्णिमा मेले का विधिवत शुभारंभ 24 फरवरी से होगा। छत्तीसगढ़ के सबसे बड़ा ऐतिहासिक धार्मिक मेले में शिरकत करने एवं पवित्र-संगम में पुन्नी स्नान के लिए पूरे देश भर के काफी संख्या में श्रद्धालु, साधु संत विश्व विधाता स्वामी जगन्नाथ जी के मूल भूमि शबरी धाम पहुंच रहे हैं।जहां पावन धाम के चित्रोत्पला गंगा जिसे पुराणों में निलोत्पल ,महानदी के नाम से अभिहित महानदी में माघ पूर्णिमा में आस्था की माघी पुन्नी का डुबकी लगाकर पुण्य स्नान करेंगे और भगवान जगन्नाथ स्वामी स्वरूप भगवान नर-नारायण का दर्शन कर मेला का आनंद उठायेंगे। श्रद्धालुओं के स्नान हेतु नगर पंचायत द्वारा पवित्र- संगम के सभी घाटों की साफ सफाई व प्रकाश व्यवस्था की आवश्यक व्यवस्था की गई है। ताकि किसी को असुविधा का सामना करना ना पड़े। महिलाओं के स्नान के समय कपड़ा बदलने घाटों में अस्थाई चेजिंग रूम की व्यवस्था की गई है। स्नान के समय कोई अप्रिय घटना न हो इस हेतु घाटों पर पुलिस बल एवं गोताखोरों की व्यवस्था पुलिस प्रशासन द्वारा की गई है। पवित्र संगम स्थल में नौका विहार की विशेष व्यवस्था है इस हेतु लगभग 25 नौकाएं उपलब्ध है। जिसकी संचालन शाम 6:00 बजे तक किया जाना है। नौका विहार करने वाले पर्यटकों व नौका चालकों को आवश्यक सावधानी बरतने विशेष दिशा निर्देश दिया गया है। नगर के मुख्य मंदिर श्री शिवरीनारायण भगवान मंदिर सहित धर्म नगरी के सभी मंदिरों को आकर्षक सजाया गया है जो देखते ही बन रहा है मंदिर में श्रध्दालुओं के भीड़ को नियंत्रित करने हेतु लोक निर्माण विभाग व्दारा मंदिर परिसर में बेरिकेटस लगाये गये हैं । मुख्य मंदिर के पुजारी घराने की ओर से माघ पूर्णिमा के इस महती पावन अवसर पर श्री शिवरीनारायण भगवान की मुख्य मंदिर में भगवान श्री शिवरीनारायण जी की प्रातः और संध्या बेला पर महाआरती की भव्य व्यवस्था की गई है। प्रातः शुभ मुहूर्त में भगवान श्री शिवरीनारायण जी की महाआरती ढोल, नगाड़े और शंख की सुमधुर स्वर लहरियों के मध्य किया जाएगा। इस मौके पर श्री शिवरीनारायण भगवान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं को प्रसाद भी वितरण किया जाएगा । श्रद्धालुओं को अधिक से अधिक संख्या में मंदिर मैं भगवान की महाआरती में शामिल होकर पुण्य लाभ प्राप्त करने की अपील की गई है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत 16 पदों पर होगी संविदा भर्ती

आवेदन 29 फरवरी तक

पायनियर संवाददाता ◄ मुंगेली
www.dailypioneer.com

जिले में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अंतर्गत 16 पदों पर संविदा भर्ती की जाएगी। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने बताया कि ब्लॉक डाटा मैनेजर के 01 पद तथा कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर के 15 पदों पर भर्ती की जाएगी। इसके लिए 29 फरवरी शाम 05.30 बजे तक आवेदन मंगाए गए हैं। इच्छुक अभ्यर्थी अपना आवेदन रामगढ़ स्थित जिला चिकित्सालय में स्वयं उपस्थित होकर या पंजीकृत डाक के माध्यम से जमा कर सकते हैं।

आवेदन प्रक्रिया एवं भर्ती के संबंध में नियम, शर्तें एवं अन्य विस्तृत जानकारी जिले के वेबसाईट पर प्राप्त की जा सकती है। भारतीय वायु सेना में अग्निवीर भर्ती के लिए मॉक टेस्ट 24 फरवरी को-मुंगेली - भारतीय वायु सेना में अग्निवीर भर्ती के लिए आनलाईन पंजीकृत आवदेकों के लिए कम्प्यूटर आधारित मॉक टेस्ट का आयोजन 24 फरवरी को दोपहर 02 बजे से किया जाएगा।

यह परीक्षा जिला परियोजना लाईवलीहुड कॉलेज जमकोर, स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल दाउपारा, बी. आर. साव स्वामी आत्मानंद हिन्दी स्कूल तथा सेंट जेवियर्स हायर सेकेण्डरी स्कूल में आयोजित की जाएगी। गौरतलब है कि वायु सेना में अग्निवीर भर्ती के लिए 11 फरवरी तक आनलाईन आवेदन मंगाए गए थे, भर्ती के लिए 17 मार्च 2024 को कम्प्यूटर आधारित आनलाईन परीक्षा आयोजित की जाएगी। जिले से लगभग 159 आवेदकों ने भर्ती के आनलाईन पंजीयन कराया है। विस्तृत जानकारी के लिए जिला रोजगार कार्यालय मुंगेली के मोबाईल नम्बर 9977230975, 9165078401 एवं 8959934712 से सम्पर्क किया जा सकता है।

प्रेरणा विद्यापीठ हायर सेकेंडरी स्कूल में वार्षिक उत्सव एवं सम्मान समारोह कार्यक्रम सम्पन्न

पायनियर संवाददाता ◄ कुण्डा
www.dailypioneer.com

कुण्डा में संचालित प्रेरणा विद्यापीठ हायर सेकेन्डरी स्कूल के स्थापना के चार वर्ष के उपलक्ष्य में विद्यालय प्रबंधन के द्वारा वार्षिकोत्सव का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मती समुद्र सेवा राम कुर्रे जनपद अध्यक्ष पंडरिया अध्यक्षता भूपेश चंद्राकर तहसीलदार कुण्ड़ा एवं साथ में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित हुए ज. स. क्षेत्र क्रं.-12 के सदस्य बिशोक चंद्राकर एवं महका भुवालपुर पं. के सरपंच गणेश यादव, जलेश्वर चंद्राकर सरपंच पेन्ड्रीकला, सोहन सारथी सरपंच कोलेगांव, मनोज, जांगडे सरपंच घोरपेंड्री कुण्डा डी. डी. ओ. कमलू साय पैकरा सर एवं संस्था के डायरेक्टर रोहित चंद्राकार, जितेश सिंह राजपूत डायरेक्टर गुरुकुल पब्लिक स्कूल बमईपुर, अश्वनी चंद्राकर डायरेक्टर आदर्श पब्लिक स्कूल-गुझेंटा के गरिमामयी उपस्थिति में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य आकर्षण का केन्द्र अलग-अलग विद्यालयों से आऐं हुए नन्हे-मुन्हे छात्रों के द्वारा अलग-अलग विधाओं पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया । कार्यक्रम में प्रेरणा विद्यापीठ हायर सेकेण्डरी स्कूल अलावा आदर्श पब्लिक स्कूल गुंझेटा, गुरुकुल पब्लिक स्कूल बमईपुर शा.प्रा. शाला कुंडा एवं कन्या छात्रावास मे निवासरत छात्रों के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम पर प्रस्तुति दी गई. कार्यक्रम के प्रत्येक प्रतिभागी को प्रशस्ति पत्र एवम पुरुस्कार प्रदान कर छात्रों का मनोबल आए हुए अतिथियों के द्वारा प्रदान कर उत्साह बढ़ाया गयाद्ध.

कार्यक्रम के अंत में कक्षा 12वी में अध्ययनरत भैया/बहनों का विदाई समारोह आयोजित कर परीक्षा पर विशेष चर्चा संस्था के प्राचार्य सागर चंद्राकर के उद्बोधन से कार्यक्रम समापन किया गया और संस्था में अध्ययनरत सभी छात्रों को सफल कार्यक्रम में सहयोग प्रदान करने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

विभिन्न निर्माण कार्यो के लिए विधायक मद से 97 लाख 44 हजार 400 रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति

पायनियर संवाददाता ◄ कवर्धा
www.dailypioneer.com

पंडरिया विधायक भावना बोहरा की अनुशंसा पर कलेक्टर जनमेजय महोबे द्वारा पंडरिया विधानसभा के अलग-अलग ग्रामों के 12 विभिन्न निर्माण कार्यो के लिए विधायक मद से 97 लाख 44 हजार 400 रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई है। निर्माण कार्य के लिए संबंधित ग्राम पंचायत द्वारा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपंचायत सहसपुर लोहारा, पंडरिया और कवर्धा को क्रियान्वयन एजेंसी बनाया गया है। विधायक मद से पंडरिया विधानसभा क्षेत्र के विकासखंड सहसपुर लोहारा अंतर्गत ग्राम पंचायत रणवीरपुर में डुमरिया रोड़ से मुक्तिधाम तक सीसी रोड़ निर्माण कार्य के लिए 13 लाख 86 हजार 600 रूपए, संजू तिवारी के घर से छिन्दीछोरी मार्ग तक सीसी रोड़ निर्माण कार्य के लिए 12 लाख रूपए, शीतला मंदिर से नवागांव मार्ग तक सीसी रोड़ निर्माण कार्य के लिए 06 लाख 15 हजार 600 रूपए, ग्राम मगरवाहा ग्राम पंचायत कोसमंदा में खेमसिंह वर्मा के घर से नारद वर्मा के घर तक सीसी रोड़ निर्माण कार्य के लिए 9 लाख 99 हजार 900 रूपए, ग्राम पंचायत बीरेन्द्र नगर में पीपरपारा से मेन रोड तक, खेलू डेहरे के घर से मेन रोड तक, मेन रोड से इंदल धुर्वे के घर तक सीसी रोड़ निर्माण कार्य के लिए 11 लाख 17 हजार 500 रूपए, ग्राम पंचायत धरमगढ़ में सीसी रोड़ निर्माण कार्य के लिए 3 लाख रूपए, ग्राम पंचायत गांगीबहरा में सीसी रोड़ निर्माण कार्य के लिए 03 लाख रूपए।

वन विभाग छत्तीसगढ़
बस्तर (सामान्य) वनमंडल, जगदलपुर
नीलाम विज्ञापन

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि, बस्तर सामान्य वनमंडल जगदलपुर के सरगीपाल काष्ठागार में दिनांक 06.03.2024 को इमारती काष्ठ का नीलाम रखा गया है। इच्छुक व्यापारियों से अनुरोध है कि, नीलाम में भाग लेकर डिपो में रखी वनोपज की भली-भांति अवलोकन कर नीलाम से संबंधित जानकारी वनमंडल कार्यालय जगदलपुर अथवा काष्ठागार सरगीपाल से कार्यालयीन दिवसों में प्राप्त किया जा सकता है। प्रस्तावित मात्रा में कमी या अधिकता हो सकती है, कृपया बोली लगाने के पूर्व वनोपज का निरीक्षण करने के बाद बोली लगावें। नीलाम में लॉट पर बोली लगाने के पूर्व सत्यंकार राशि 10 प्रतिशत के बराबर या 1000/- रूपये, इनमें से जो भी अधिक हो बयाने की राशि जमा करना अनिवार्य है। वर्ष 2024 का पंजीयन एवं फर्म का पेन नम्बर एवं जी.एस.टी. नम्बर की प्रति सत्यंकार कक्ष में जमा करें। **काष्ठागार सरगीपाल नीलाम समय 9.00 बजे प्रातः दिनांक 06.03.2024**

काष्ठागार सरगीपाल नीलाम में रखे गये वनोपज की मात्रा

प्रजाति	वनोपज की मात्रा					
	नया काष्ठ			पुराना काष्ठ		
	घनमीटर (अनुमानित)	बल्ली	डेंगरी	घनमीटर	बल्ली	डेंगरी
1	2	3	4	5	6	7
सागौन	100.00	500	300	81.579	1470	868
साल	1301.000	0	300	575.569	67	18
बीजा	13.000	0	0	128.334	124	16
साजा	50.000	0	0	9.319	23	0
हल्दु	15.000	0	0	19.814	0	0
शीशम	0.000	0	0	0.000	0	0
सिवना	0.000	0	0	0.516	11	0
तिसा	2.000	0	0	0.103	0	0
नीलगिरी	0.000	0	0	8.567	0	0
धावड़ा	2.000	0	0	2.666	0	8
अन्य	12.000	0	0	24.770	28	0
पाईन	0.000	0	0	0.000	0	0
अकेशिया	0.000	0	0	0.000	0	0
मुलायम काष्ठ	5.000	0	0	0.369	0	0
योग :-	1500.000	500	600	851.606	172.3	910

पुराना सागौन चट्टा - 05 चट्टा

वन मंडलाधिकारी
बस्तर वन मंडल, जगदलपुर

G-08046/5

पंजीकृत कार्यालय : 601 एवं 602, पेनिन्सुला बिजनेस पार्क, छठा तल, टावर ए, सेनापति बापट मार्ग, लोअर परेल, मुंबई–400013

DCB BANK

सार्वजनिक सूचना
आभूषणों की नीलामी सह आमंत्रण सूचना

निम्नवर्णित कर्जदारों को डीसीबी बैंक लिमिटेड (डीसीबी बैंक) के पास आभूषणों के बंधक रखकर उनके द्वारा डीसीबी बैंक लिमिटेड से प्राप्त की गई सुविधाओं की पूरी बकाया राशि चुकाने हेतु सूचनाएं जारी की गई हैं। हम बंधक रखे आभूषणों की नीलामी करने हेतु बाध्य हैं क्योंकि वे पूरी बकाया राशि चुकाने में असफल रहे हैं। डीसीबी बैंक लिमिटेड को बिना कोई पूर्व सूचना दिए खाता (खाते) हटाने/नीलामी की तिथि (तिथियां) परिवर्तित करने का अधिकार है। नीलामी https://gold.Samil.in पर 06–03–2024 एवं 07–03–2024 को दोपहर 12.00 बजे से अप. 03.00 बजे तक ऑनलाइन संचालित की जाएगी।

क्र. सं.	ग्राहक आईडी/सं.	ग्राहक का नाम
	बालोदा बाजार अवस्थिति	
1	102803430	अर्पिता वाधवानी
	बेमेतारा अवस्थिति	
2	102806700	ओंकार दास मस्ताके
3	102777110	राहुल सोनी
	बेरला अवस्थिति	
4	101840556	अजीत सिंह
5	101137015	उषा यदु
	डोंगरगांव अवस्थिति	
6	102320276	अकबीर कचलामे
7	103015369	देवसिंह सोनवानी
8	102792573	मोहम्मद रिजवान
9	102283221	सरोज लेजहरे
10	104362442	योगेन्द्र पटेल
	कावर्धा अवस्थिति	
11	102136519	भास्कर अग्रवाल
12	102063955	मुकेश चंद्रवंशी
	खरोरा अवस्थिति	
13	102796320	ललित निषाद
14	102887646	महेन्द्र कुमार साहू
	खोखसा अवस्थिति	
15	101818022	चंद्रिका प्रसाद रजक

क्र. सं.	ग्राहक आईडी/सं.	ग्राहक का नाम
16	101728795	ज्वाला सिंह बनाफर
17	103021714	लक्ष्मी दास महंत
18	104265368	प्रदीप सिंह
	कुम्हारी अवस्थिति	
19	104291334	अनीश पंडित
20	104297372	आराधना साहू
21	102879119	धीरज पतले
22	103483560	हेमांतो
23	103490782	खुशबू जायसवाल
24	102811380	मो. गुलाम गौस
25	101292654	मोहम्मद सुल्तान अहमद
26	103835168	प्रवीण साहू
27	102815237	रानी गुप्ता
28	102806063	वीरेन्द्र कुमार योगराज
	कुर्रा अवस्थिति	
29	105204860	प्रिंस परख
	रायपुर अवस्थिति	
30	104421327	अनिल कुमार वर्मा
31	102915121	देवा साहू
	रत्नबंधा अवस्थिति	
32	101832045	राजेश तिवारी

इस प्रकाशन द्वारा संबंधित कर्जदारों/बंधकदाताओं को एतद्द्वारा रद्द सुविधा की पूरी राशि ब्याज और अन्य प्रभारों सहित तत्काल अथवा किसी भी हाल में नीलामी की नियत तिथि से पहले चुकाने हेतु अंतिम अवसर दिया जाता है, जिसमें असफल रहने पर आभूषण नीलाम कर दिए जाएंगे। यदि नीलामी निर्दिष्ट तिथियों को पूरी नहीं होती है, तो नीलामी आगे कोई सूचना दिए बिना किसी अन्य दिन की जाएगी। नीलामी में भाग लेने और बोलियां स्वीकार करने के संबंध में डीसीबी बैंक का एकमात्र विवेकाधिकार होगा।

कृपया नोट करें कि नीलामी "जैसा है जहां है" "जो है जैसा है" "जो भी है वहां है आधार" तथा "अन्य कोई उपाय नहीं" आधार पर की जाएगी तथा बैंक आभूषणों अथवा उनकी नीलामी के संबंध में किसी दावे, विवाद आपत्ति के लिए जिम्मेदार नहीं होगा। बोलीदाता कृपया नीलामियों में भाग लेने के लिए विस्तृत नियमों एवं शर्तों के लिए https://gold.Samil.in देखें।

हस्ता./–
प्राधिकृत अधिकारी
डीसीबी बैंक लिमिटेड

तिथि : 24–02–2024

घर के बाहर सो रही महिला पर तेंदुए ने किया हमला गोमर्डा अभ्यारण्य से लगे गांव मल्दा ब का मामला

पायनियर संवाददाता ◄ रायगढ
www.dailypioneer.com

सारंगढ़-बिलाईगढ़ जिले के गोमर्डा अभ्यारण से लगे हुए मल्दा ब गांव में बुधवार की रात घर के सामने सो रही बुजुर्ग महिला पर तेंदुआ ने हमला करते हुए उसे घायल कर दिया है। घायल महिला को सारंगढ़ अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उसका उपचार जारी है। इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार सारंगढ़ के गोमर्डा अभ्यारण्य में कई प्रकार के वन्य प्राणी विचरण करते हैं। इनमें पिछले कुछ सालों के दौरान यहां के जंगलो में तेंदुआ की भी मौजूदगी देखी जाती रही है। साथ ही साथ तेंदुआ के द्वारा कई मवेशियों को अपना शिकार भी बनाया जा चुका है। इसी क्रम में बुधवार की देर रात बरमकेला-सारंगढ़ के बीच मुख्य मार्ग में स्थित मल्दा ब गांव में एक तेंदुआ ने दस्तक दी और घर के बाहर सो रही बुजुर्ग महिला दुखदाई चैहान पिता स्व. सीताराम चैहान 72 पर अचानक हमला कर दिया। तेंदुए के हमले से बुजुर्ग महिला के चिखने चिल्लाने की आवाज सुनकर परिजन जागे जिसके बाद हो हल्ला सुनकर तेंदुआ वापस जंगल की ओर भाग गया है। घायल महिला को परिजनों के द्वारा सारंगढ़ अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उसका उपचार जारी है।

परिजनों को दी गई सहायता राशि-बीती रात मल्दा ब गांव में तेंदुआ के हमले से महिला के घायल होनें की जानकारी मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर घायल महिला के परिजनों को उपचार हेतु 5 हजार रूपये की सहायता राशि दी गई है।

तेंदुओं की संख्या में हुआ इजाफा-एक अन्य जानकारी के अनुसार सारंगढ़ के गोमर्डा अभ्यारण्य के जंगलों में पूर्व की अपेक्षा तेंदुआ की संख्या बढ़ी है। अनुमान लगाया जा रहा है कि गोमर्डा अभ्यारण के जंगलों से 15 से 20 की संख्या में तेंदुआ विचरण कर रहे हैं। वन विभाग के अधिकारी जंगलों में लगाये गए टैप्र कैमरों के जरिये तेंदुआ पर निगरानी रखी जा रही है।

मवेशियों को भी बना चुका है शिकार-पिछले साल तेंदुआ के द्वारा जंगल से सटे हुए कुछ गांव के ग्रामीणों के मवेशियों को भी अपना शिकार बनाया गया था। जिसके बाद वन विभाग के द्वारा गांव-गांव में मुनादी कराकर ग्रामीणों को जंगल की तरफ नही जाने की सलाह दी गई थी। इसके बाद भी गोमर्डा अभ्यारण्य में लगातार तेंदुआ और उनके शावकों के पदचिन्ह मिलते रहे हैं।

इस मार्ग से गुजरने वालों में दहशत-मल्दा (ब) गांव बरमकेला और सारंगढ़ के बीच मुख्य मार्ग पर स्थित है। गर्मी लगते ही गोमर्डा क्षेत्र के जंगलों में पानी सूखते ही भोजन और पानी की तलाश में अक्सर वन्य प्राणी गांव तक आ पहुंचते हैं।

मजबूत महामाया, तेवर तीखे विष्णु और श्रीराम के, दलहन में गर्मी बरकरार

पायनियर संवाददाता ∢ भाटापारा
www.dailypioneer.com

महामाया 2500 रुपए क्विंटल। रबी फसल की आवक तक यह मजबूती बने रहने की संभावना है लेकिन बारीक किस्मों में गर्मी दीर्घकाल तक बनी रहेगी। पोहा मिलें हलाकान हैं, महामाया में बनी मजबूती से। दूसरी वजह, पोहा में अपेक्षित मांग का नहीं निकलना माना जा रहा है। अलबत्ता चावल मिलें राहत की सांस ले रही हैं क्योंकि मांग का दबाव पूर्ववत स्तर पर बरकरार है। आगे के दिन भी संतोष देते रहेंगे।

रबी फसल तक करना होगा इंतजार

पोहा क्वालिटी का महामाया धान 2500 से 2550 रुपए क्विंटल। थोड़ा टूटा है भाव लेकिन यह कीमत भी ज्यादा ही मानी जा रही है। रबी फसल की आवक तक पोहा मिलों को भाव का यह दबाव स्वीकार करना होगा क्योंकि धान में अपेक्षित मात्रा में आवक कमजोर है, तो पोहा में डिमांड भी संतोषजनक नहीं मानी जा रही है। ऐसे में नियमित संचालन कठिन माना जा रहा है। सरना में भी भाव 2100 से 2200 रुपए क्विंटल पर बोला जा रहा है।

बारीक में मजबूती दीर्घकाल तक

बारीक धान की सभी प्रजातियां गर्मी दिखा रहीं हैं। विष्णु भोग अभी भी 3300 रुपए क्विंटल पर जमा हुआ है, तो पुराना में 3500 से 3600 रुपए क्विंटल पर लिवाली हो रही है। एचएमटी नया 2800, तो पुराना 3000 रुपए क्विंटल पर चल रहा है। सियाराम भी पीछे नहीं है। इसमें नीचे में 2800 रुपए, तो ऊपर में सौदे 3100 रुपए क्विंटल पर होने की खबर है। बारीक में यह मजबूती दीर्घकाल तक इसलिए भी बनी रहने की संभावना है क्योंकि रकबा लगातार घट रहा है।

अरहर 10000 रुपए क्विंटल

प्रदेश में दलहन की खेती का रकबा, जिस अनुपात में कम हो रहा है उससे कर्नाटक, महाराष्ट्र जैसे दलहन उत्पादक प्रांतों को बेहतर मौका मिला है। इसलिए दलहन मिलें अरहर की खरीदी रिकॉर्ड 10000 रुपए क्विंटल की दर पर कर रही हैं। बटरी में 5000 रुपए क्विंटल, तिवरा 4800 रूपये क्विंटल, चना 5000 से 5500 रुपए और मसूर में भाव 5400 से 5500 रुपए क्विंटल के भाव बोले जा रहें हैं। धारणा आगे भी तेजी की ही व्यक्त की जा रही है।

सामाजिक संस्था ने स्कूल के छात्रों पाठ्य सामग्री और महिला सफाई कर्मियों

पायनियर संवाददाता ∢ रायपुर
www.dailypioneer.com

आवासीय छात्रावास के पास, राठौड़ चौक के पीछे स्थित गंज स्कूल ने एक अत्यंत महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें स्वराज जनकल्याण सोसाइटी और ब्लू बर्ड ऑन द स्काई फाउंडेशन ने मिलकर स्कूल के बच्चों को कॉपी वितरित की। यह कार्यक्रम शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम है जो छात्रों को शिक्षा की सुविधा प्रदान करता है। ब्लू बर्ड ऑन द स्काई फाउंडेशन की अध्यक्ष शिवानी सिंह ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों को आवश्यक शिक्षा सामग्री प्रदान करना था। कॉपी वितरण के माध्यम से, यह संगठन ने स्कूल के हर छात्र को उनकी शिक्षा में सहायता प्रदान की। यह सामग्री उन्हें पढ़ाई के लिए आवश्यक उपकरण प्रदान करती है, जिससे वे अपनी शैक्षिक प्रतिभा को विकसित कर सकें। इस कार्यक्रम के माध्यम से, न केवल शिक्षा सामग्री की वितरण हुई, बल्कि एक सामाजिक संदेश भी दिया गया। यह उन छात्रों को प्रेरित करता है जो अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए शिक्षा को महत्वपूर्ण मानते हैं। इस प्रकार के कार्यक्रम छात्रों को आत्मविश्वास और सामाजिक सहयोग प्रदान करते हैं, जो उन्हें अपने लक्ष्यों की दिशा में आगे बढ़ने में मदद करता है। साथ ही, यह कार्यक्रम स्थानीय समुदाय के साथ सहयोग का एक उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करता है। स्थानीय संगठनों और स्कूलों के बीच इस प्रकार के साझेदारी ने शिक्षा के क्षेत्र में सुधार को बढ़ावा दिया है।

टाटा हिताची ने ईएक्स 210 एलसी प्राइम लॉन्च किया, कम्पनी माइनिंग का भविष्य निर्माण करेगी

पायनियर संवाददाता ∢ रायपुर
www.dailypioneer.com

माइनिंग का भविष्य निर्माण, विश्वसनीयता और कार्य प्रदर्शन की विरासत के साथ पेश नए एडवांस्ड ईएक्स 210 एलसी प्राइम में इससे पूर्व के उत्पादों की महारत है। इस एडवांस मशीन के पीछे टिकाऊ और सक्षमता का प्रमाणिक इतिहास रहा है। यह उच्च गुणवत्ता की कंस्ट्रक्शन मशीनों को लेकर टाटा हिताची के वादों पर खरा उतरती है। ईएक्स 210 एलसी सीरीज़ ने कंस्ट्रक्शन के विभिन्न कार्यों के लिए भरोसेमंद और इनोवेटिव सॉल्यूशन के रूप में प्राइम की प्रतिष्ठा कायम की है। होटल सयाजी रायपुर में लॉन्च के अवसर पर सम्मानित ग्राहकों के साथ टाटा हिताची और सूर्यकिरण अर्थमूवर्स प्राइवेट लिमिटेड (अधिकृत डीलर पार्टनर) के वरिष्ठ प्रबंधन के लोग भी उपस्थित थे। नई ईएक्स 210 एलसी प्राइम ईंधन खपत में सबसे सक्षम, रखरखाव के खर्च में सबसे कम और रीसेल मूल्य में सबसे अधिक होने के साथ इस कैटेगरी के ग्राहकों से लागत पर बेहतरीन लाभ देने का वादा करती है।

टाटा हिताची के महाप्रबंधक विपणन, बीकेआर प्रसाद ने इस अवसर पर बताया - टाटा हिताची की उत्पाद शंखला में यह एक अभूतपूर्व नई पेशकश है। यह इनोवेशन के लिए समर्पण और माइनिंग के भविष्य निर्माण के लिए कम्पनी की अटूट प्रतिबद्धता की मिसाल है।

संभव स्पंज पॉवर प्रा.लि. ने शासकीय विद्यालयों के बीच संभव स्पोर्ट्स फेस्ट के नाम से अंतरविद्यालयीन खेलकुद प्रतियोगिता का किया आयोजन

पायनियर संवाददाता ∢ रायपुर
www.dailypioneer.com

बृजलाल गोयल के दृष्टिकोण को मूर्तरूप देने के लिए संभव स्पंज पॉवर प्रा.लि. के अंतर्गत आने वाले सारे ग्रामों के शासकीय विद्यालयों के बीच संभव स्पोर्ट्स फेस्ट के नाम से अंतरविद्यालयीन खेलकुद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें तिल्दा सिमगा तहसील के ग्राम सरोरा, ओटगन, परसदा, मूरसुदा, बिलाड़ी एवं बिनैका के 14 विद्यालयों में हिस्सा लिया एवं सरोरा विद्यालय ने सबसे अधिक पदक जीतकर संभव चक्र पर विजय प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों के अंदर खेलकुद के प्रति रुझान बढ़ाना था, इसी दिशा में प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए संभव स्पंज पावर प्रा.लि. ने अपने अंतर्गत आने वाले सभी ग्रामों को स्पोर्ट्स कीट भी उपलब्ध कराया गया। इस कार्यक्रम का सम्पूर्ण आयोजन संभव स्पंज पॉवर प्रा.लि. के द्वारा किया गया है। इस आयोजन में सम्मिलित होने वाले विशेष व्यक्तित्व है शीतल गोयल (मार्केटिंग डायरेक्टर, संभव), राकेश ठाकुर (उपसरपंच सरोरा), अनिल वर्मा (प्राचार्य, हाई स्कूल सरोरा), अनिल साहू (प्राचार्य, पूर्व माध्यमिक शाला सरोरा), संतोषी सोनवान (प्राचार्या, प्रा.शाला भाठापारा सरोरा), संतोष नेताम (प्राचार्य, प्रा.शाला गोसदन सरोरा), पीलाराम ध्रुव (प्राचार्य, प्रा.शाला बुंदेली सरोरा), टी.एस. बंछोर (व्याख्याता, हाई स्कूल सरोरा), पेमेश साहू (प्राचार्य, पूर्व माध्यमिक शाला ओटगन), उम्मेन अंसारी (प्राचार्या, पूर्व माध्यमिक शाला परसदा), विद्या मसीह (प्राचार्या, पूर्व माध्यमिक शाला भूरसुवा), राजकुमारी मात्रे (प्राचार्या, पूर्व माध्यमिक शाला बिलाड़ी), प्रणीता वर्मा (प्राचार्या, प्रा.शाला बिनैका)। संभव स्पंज पावर प्रा.लि. के ओर से उपस्थित होने वाले अधिकारी है एम.जी.के. मूर्ति, धर्मेश वैश्य, सुतनु गोस्वामी, चिरंजित रॉय, राजकुमार निषाद, विनोद शर्मा, अमित शर्मा, सुचिता जैन, हिमांचल वर्मा, जितेन्द्र वर्मा, मनोज साहू।

श्रद्धालुओ की आस्था का केंद्र बिंदु है शिवरीनारायण भगवान मंदिर

पायनियर संवाददाता ∢ शिवरीनारायण
www.dailypioneer.com

धर्म, आस्था और आध्यात्म की पावन नगरीय तीर्थ धाम शिवरीनारायण मे देवी देवताओं की अनेको मंदिर है लेकिन नगर के मुख्य मंदिर श्री शिवरीनारायण भगवान मंदिर श्रद्धालुओ की आस्था का केंद्र बिंदु है मुख्य मंदिर के गर्भगृह मे जमीन से निकली हुई स्वयंभू श्री शिवरीनारायण भगवान जी विराजमान है भगवान श्री के श्री चरणों मे अनादिकाल से गंगा जल प्रवाहित हो रहा है जिसे रोहणी कुंड कहा जाता है इस कुंड का जल कभी भी घटता बढ़ता नहीं है और ना ही कभी गंदा होता है समस्त विकारो के निदान के लिए रोहणी कुंड का जल लाभप्रद माना जाता है भगवान जगन्नाथ स्वामी जी का मूल स्थान शिवरीनारायण के मुख्य मंदिर को माना जाता है इसी मंदिर के गर्भगृह से भगवान जगन्नाथ जी के तीनो विग्रह को उड़ीसा के राजा द्वारा उड़ीसा के जगन्नाथपुरी ले जाया गया है और पुरी के जगन्नाथ मंदिर मे स्थापित किया गया है। धार्मिक मान्यता है कि माघ पूर्णिमा को एक दिन के लिए भगवान जगन्नाथ स्वामी जी शिवरीनारायण के मुख्य मंदिर श्री शिवरीनारायण भगवान मंदिर मे विराजमान होते है और भक्तो को दर्शन देते है। श्री यंत्र से मंदिर का गर्भगृह सुशोभित है विशेष तंत्र शक्ति से बने हुए मंदिर मे सभी श्रद्धालुओं की मनोकामना पूरी होती है। दूर दूर से श्रद्धालुओं की टोली अपने हाथो मे श्रीफल नारियल लेकर जमीन पर लोट मारते हुए मंदिर तक आते है, और मंदिर का 7 बार 11 बार परिक्रमा करते है। श्री शिवरीनारायण भगवान मंदिर के स्वर्ण कलश के पास भी श्री यंत्र बना हुआ है। माघ पूर्णिमा के दिन आप सब भी दर्शन कर पुण्य लाभ उठावे। श्री शिवरीनारायण भगवान की जय, जय शबरीनारायण, जय शबरीधाम, जय जगन्नाथ।

कला शिक्षा तथा कला समेकित की अवधारणा विद्यालय स्तर पर

पायनियर संवाददाता ∢ रायपुर
www.dailypioneer.com

कला समेकित शिक्षा का तात्पर्य विभिन्न प्रकार की कलाएं जैसे दृश्य कला प्रदर्शन कला, साहित्य कला, शिक्षण अधिगम या सिखाने की प्रक्रिया है जो पाठ्यक्रम को और मजेदार बनाती है, कला कक्षा कक्ष में सीखने का आधार बन जाती है। अगर पाठ्यक्रम में कला का समावेश हो तो इसमें विशेष रूप से अमूर्त अवधारणा को स्पष्ट करने में मदद मिलती है विषय वस्तु को तार्किक, विद्यार्थी केन्द्रित और अर्थ पूर्ण तरीके से जोड़ने का कार्य करती है। कला को केंद्र बिंदु में रखकर गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान तथा भाषाओं को तथा उनकी अमूर्त अवधारणाओं के बीच संबंध स्थापित कर प्रभावी ढंग से सिखाया जा सकता है और मजेदार भी बनाया जा सकता है। कला किसी भी कल्पना और विचारों की अभिव्यक्ति का स्वाभाविक माध्यम होती है। 2020 मे बनी नई शिक्षा नीति में कला समेकित शिक्षण द्वारा शिक्षण प्रक्रिया को प्रभावशाली बनाने के लिए कला को विभीन्न पाठ्यक्रम क्षेत्रो की विषय वस्तु से सीखने सिखाने के साथ जोड़ देना कला समेकित शिक्षा है। इसके माध्यम से हर विद्यार्थी को अलग पहचान रखने की स्वतंत्रता होती है। विद्यालय स्तर पर शिक्षा के रूप में कला समेकित शिक्षा बिना इस बात की चिंता किए कि उनका कार्य कैसा होगा और दूसरे उनके बारे में क्या सोचेंगे। हर विद्यार्थी को एक नई चीज के बारे में जानने अनुभव करने के लिए रचनात्मक स्थान प्रदान करती है। इस प्रक्रिया में, परिणाम की चिंता ना करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है जिससे बाल मन को विषय से जुड़े भय को दूर करने में मदद मिलती है, तथा करने और देखने की उनकी खुशी में बढ़ोतरी होती है। मूल्यांकन के नए तरीके तथा मनोविज्ञान के विकास के साथ-साथ बालकला शब्द का जन्म हुआ। कुछ दशक पहले से ही इस शब्द ने हमारा ध्यान आकर्षित किया है। भारतीय शिक्षा नीति में भी इस और कई बदलाव शामिल किए गए हैं और यह बदलाव नई शिक्षा नीति में भी दृष्टिगत होती है। 1903 में जेंम्ससली ने अपनी पुस्तक । स्टडी ऑफ चाइल्ड हुड, में सर्वप्रथम बालकला की चर्चा की थी। भारत में कई संस्थाएं हैं जो बाल कला के महत्व को समझते हुए कार्य कर रही हैं यहां ऐसी कई एनजीओ है जहां नित नए बातों को उजागर किया है। भारत सरकार द्वारा पहली शिक्षा नीति 1968 ई मे बनाई गई थी। वर्तमान शिक्षा नीति में कई बदलाओं के साथ 2020 में नई शिक्षा नीति बनाई गई है जिसे 2023 से लागू किया जाना तय किया गया तथा यह शिक्षा नीति 2040 तक पूर्णतया लागू हो सके यह लक्ष्य रखा गया है।

क्वांटम कंप्यूटिंग से रिसर्च के क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन संभव

पायनियर संवाददाता ∢ रायपुर
www.dailypioneer.com

शासकीय नागार्जुन स्नाकोत्तर विज्ञान महाविद्यालय रायपुर और विप्र महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में विकसित भारत ञ्च 2047 के अंतर्गत क्वांटम कंप्यूटिंग विषय पर तीन दिवसीय नेशनल सेमिनार के द्वितीय दिवस में डॉ. सुरेंद्र कुमार पटेल (सहायक प्राध्यापक सूचना प्रौद्योगिकी विभाग शासकीय एन.पी.जी. विज्ञान महाविद्यालय ने कहा कि क्वांटम कंप्यूटिंग, क्वांटम फिजिक्स के बेस पर आधारित है। क्वांटम कंप्यूटिंग की सहायता से जटिल डेटा को एल्गोरिदम बनाकर आसानी से हल किया जा सकता है। क्वांटम कंप्यूटिंग के विभिन्न टेक्नोलॉजी के बारे में बताते हुए उन्होंने बताया कि डिस्ट्रिब्यूटिंग कंप्यूटिंग से जटिल समस्या को आसानी से हल किया जा सकता है। ग्रिड कंप्यूटिंग से डिफरेंट डिफरेंट टास्क को परफॉर्म किया जा सकता है। रिसर्च के क्षेत्र में क्लाउड कंप्यूटिंग अत्यधिक महत्वपूर्ण विषय है। उन्होंने कहा क्लाउड कंप्यूटिंग के द्वारा रिसर्चर आवश्यक डाटा एक्सेस कर सकते हैं। आईओटी को अलग-अलग डिवाइस से कनेक्ट करके उन डिवाइस को नेट से कनेक्ट करके अलग-अलग कार्य आसानी से कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि क्वांटम कंप्यूटिंग का विकास 1900 दशक से लेकर अभी तक जारी है। जिसमें विभिन्न प्रकार के परिवर्तन हम स्वयं अपनी आंखों से देख रहे हैं जो हम अपने दैनिक जीवन में उपयोग कर रहे हैं। क्वांटम कंप्यूटिंग से इन बिट डाटा को वन स्टेप में परफॉर्म किया जा सकता है। क्वांटम कंप्यूटिंग रिसर्च के क्षेत्र में वैज्ञानिकों के लिए रुचि कर विषय है। द्वितीय दिन के दूसरे दिवस में कोलकाता से डॉ. भूषण कुमार दत्ता ने क्लाउड कंप्यूटिंग के माध्यम से क्वांटम कंप्यूटिंग का आधुनिक युग में योगदान के विषय में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि क्वांटम कंप्यूटिंग भविष्य में कंप्यूटर को एक अलग ही दिशा देगा। 24 फरवरी को सेमिनार के अंतिम दिवस प्रथम स्पीकर डॉ. अमित कुमार मिश्रा, भोपाल तथा डॉ. गोल्डी सोनी एमिटी यूनिवर्सिटी क्वांटम कंप्यूटिंग के बारे में जानकारी देंगे।

मोदी के नेतृत्व में देश विकसित भारत के रूप हो रहा अग्रसर : रमन अग्रवाल

पायनियर संवाददाता ∢ रामानुजगंज
www.dailypioneer.com

हमारा संकल्प विकसित भारत के द्वितीय चरण में नगर के गांधी मैदान में विकसित भारत संकल्प यात्रा के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि बतौर नगर पंचायत अध्यक्ष रमन अग्रवाल के द्वारा भारत माता एवं छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर माल्यार्पण सहित धूप दीप प्रज्वलित कर कार्य म का प्रारंभ किया गया। आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए रमन अग्रवाल ने कहा कि हमारे देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकसित भारत के रूप में अग्रसर हो रहा है वही उनके द्वारा जनहित की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य परीक्षण, पात्र हितग्राहियों को उज्जवला गैस कनेक्शन, आयुष्मान कार्ड, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना फार्म, प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना इत्यादि योजनाओं का लाभ दिलाने हेतु शिविर के माध्यम से लोगों को लाभान्वित किया जा रहा है। जिसका लाभ अंतिम छोर के देशवासियों को मिल रहा है। वही देश से लेकर विदेश तक धर्म ध्वज का झंडा लहराने में भी हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बहुत बड़ा योगदान दे रहे हैं। अग्रवाल ने कहा कि नरेंद्र मोदी का सपना है कि भारत देश को वर्ष 2047 तक आत्मनिर्भर भारत बने इस संकल्प को पूरा करने में हम सभी नागरिकों की महत्वपूर्ण सहभागिता होनी चाहिए। इस दौरान उपस्थित जनसमूह को विकसित भारत के रथ में लगे हुए एलईडी स्क्रीन के माध्यम से केंद्र सरकार की संचालित सभी योजनाओं लाइव का प्रसारण किया गया। वही कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय एवं एकलव्य विद्यालय के बच्चों के द्वारा मनमोहन संस्कृति कार्यक्रम का प्रस्तुति दी गई। उपस्थित अतिथियों एवं गणमानय नागरिकों के द्वारा तालियों कि गड़गड़ाहट से उनका उत्साह वर्धन किया गया। इस अवसर पर नगर पंचायत उपाध्यक्ष बजरंग गुप्ता पार्षदो में उमेश सिंह गहरवार ललिता कश्यप विजय रावत अशोक जायसवाल अनीता गुप्ता राजेश सोनी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

न्यू वन यूआई 6.1 अपडेट की मदद से अन्य गैलेक्सी डिवाइसेज भी गैलेक्सी एआई का कर पाएंगे इस्तेमाल

पायनियर संवाददाता ∢ रायपुर
www.dailypioneer.com

मोबाइल एआई के लोकतंत्रीकरण को और अधिक विस्तार देते हुए, सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स ने नए वन यूआई 6.1 अपडेट के माध्यम से और अधिक गैलेक्सी डिवाइसेस पर भी गैलेक्सी एआई फीचर्स उपलब्ध कराने की घोषणा की है। ये अपडेट गैलेक्सी एस-23 सीरीज, एस-23 एफई, फोल्ड-5, फिलिप्ज और टैब एस-9 सीरीज में उपलब्ध होंगे, जिसकी शुरुआत मार्च के अंत से होगी। हाल ही में लॉन्च की गई गैलेक्सी एस-24 सीरीज की तरह, यह अपडेट एक हाइब्रिड अप्रोच के माध्यम से यूजर्स के मोबाइल एआई अनुभव को नई ऊंचाई पर ले जाता है, जो ऑन-डिवाइस और क्लाउड-आधारित एआई को साथ जोड़ता है। सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक्स में मोबाइल ईएक्सपीरियंस बिजनेस के प्रेसिडेंट और प्रमुख टीएम रोह ने कहा, गैलेक्सी एआई के साथ हम न केवल मोबाइल एआई के एक नए युग की शुरुआत करना चाहते हैं, बल्कि एआई को और अधिक सुलभ बनाकर यूजर्स को सशक्त करेंगे। यह तो केवल गैलेक्सी एआई की शुरुआत है, क्योंकि हम 2024 के भीतर 100 मिलियन से अधिक गैलेक्सी यूजर्स तक इस अनुभव को पहुंचाना चाहते हैं और साथ ही हम मोबाइल एआई की असीमित संभावनाओं का लाभ उठाने के लिए नए तरीके अपनाते रहेंगे।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग कोण्डागांव जिला-कोण्डागांव (छत्तीसगढ़)
Email - ID:- ee-res.kondagaon@nic.in, Ph. No. - 07786-296017

// मैनुअल पद्धति वर्ष 2023-24 हेतु सूचना क्रमांक-35 (तृतीय दौर) निविदा आमंत्रण //

क्रमांक/35/व.ले.लि./नि.प्र./ग्रा.यां.सेवा/2023-24 कोण्डागांव, दिनांक 21/02/2024

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत 'डी' एवं उच्च श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु सामग्री प्रदाय हेतु मैनुअल के अपेंडिक्स 2.15 के अनुसार प्रपत्र ''सी'' में निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र स्पीड पोस्ट अथवा पंजीकृत डाक द्वारा कार्यालय में प्राप्त होने की अंतिम तिथि 28.02.2024 शाम 5.00 बजे तक :-

स. क्र.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत प्रति कार्य (रूपये लाख में)
1	2	3
1	मिनी स्टेडियम निर्माण कार्य राजागांव भाग-1, विकासखण्ड कोण्डागांव	33.13
2	मिनी स्टेडियम निर्माण कार्य राजागांव भाग-2, विकासखण्ड कोण्डागांव	7.53
3	मिनी स्टेडियम निर्माण कार्य बड़ेकनेरा भाग-1, विकासखण्ड कोण्डागांव	33.13
4	मिनी स्टेडियम निर्माण कार्य बड़ेकनेरा भाग-2, विकासखण्ड कोण्डागांव	7.53
5	मिनी स्टेडियम निर्माण कार्य मसोरा भाग-1, विकासखण्ड कोण्डागांव	33.13
6	मिनी स्टेडियम निर्माण कार्य मसोरा भाग-2, विकासखण्ड कोण्डागांव	7.53
7	मिनी स्टेडियम निर्माण कार्य मुलमुला भाग-1, विकासखण्ड कोण्डागांव	33.13
8	मिनी स्टेडियम निर्माण कार्य मुलमुला भाग-2, विकासखण्ड कोण्डागांव	7.53
9	मिनी स्टेडियम निर्माण कार्य विश्रामपुरी अ भाग-1, विकासखण्ड बड़ेराजपुर	33.13
10	मिनी स्टेडियम निर्माण कार्य विश्रामपुरी अ भाग-2, विकासखण्ड बड़ेराजपुर	7.53

2. उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। साथ ही यह जानकारी विभागीय वेबसाइट http://res.cg.gov.in दिनांक 23.02.2024 से देखी एवं डाऊनलोड की जा सकती है।
3. भुगतान मनरेगा प्रक्रिया के तहत् किया जावेगा।

कार्यपालन अभियंता
ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग
कोण्डागांव, जिला-कोण्डागांव

G-08012/3 खाद्यान्न सुरक्षा बाढ़ हो या सूखा, कोई न रहे भूखा Credible Chhattisgarh

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं हसीना पति रहीम मोहम्मद मुसलमान निवासी चांपा जिला जांजगीर चांपा छ.ग.का हूँ। मेरे पुत्री का जन्म दिनांक 29.07.2017 को चांपा में हुआ है। मेरे पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र में नाम जन्म के समय नुशरत फातिमा पिता रहीम मोहम्मद माता हसीना बेगम दर्ज करा कर कार्यालय नगरपालिका परिषद् चांपा से जारी कराया गया था। चूंकि पुत्री के माता पिता का सही नाम हसीना एवं रहीम मोहम्मद मुलसमान निवासी चांपा है अतः पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र में पुत्री का नाम नुशरत फातिमा पिता रहीम मोहम्मद मुलसमान माता हसीना दर्ज किये जाने हेतु यह सूचना प्रकाशन कराया जा रहा है तथा आज के पश्चात उसके शैक्षणित प्रमाण पत्रों, बैंकों एवं जहा कही भी आवश्यकता हो नुशरत फातिमा पिता रहीम मोहम्मद मुलसमान माता हसीना के नाम से जाना, माना, पढ़ा एवं पहचाना जावें। इससे जिस किसी भी व्यक्ति विशेष, संस्था, समुदाय अन्य किसी को भी आपत्ति हो तो संबंधित विभाग में उपस्थित हो कर 07 दिवस में अपना आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। 07 दिवस के पश्चात आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगा।

भवदीय
हसीना
चांपा, जिला- जांजगीर चांपा छ.ग

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) जशपुर, जिला-जशपुर (छ.ग.)

उद्घोषणा

क्रमांक/ /रीडर-1/2023 जशपुर, दिनांक -19/02/2024

एतद् द्वारा समस्त आम जनता **ग्राम-जशपुर, प.ह.नं. 07** तहसील, जशपुर, जिला जशपुर (छ.ग.) को सूचित किया जाता है कि **आवेदिका गीतांजली पति अनुज कुमार सिंह,** जाति राजपूत, ग्राम जशपुर, तहसील व जिला जशपुर (छ.ग.) के द्वारा सारणी में उल्लेखित ग्राम-जशपुर स्थित आवेदित भूमि को **आवासीय प्रयोजन** के लिए व्यपवर्तन कराये जाने हेतु मय आवेदित भूमि के नक्शा, खसरा, बी-1 एवं रजिस्ट्री की छायाप्रति सहित छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 172 के तहत् आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

आवेदित भूमि की सारिणी ग्राम-जशपुर, प.ह.न. 07, आवेदित भूमि का ख.न. 584/60,जिसका रकबा 0.0270 हे.,में से/वर्ग.मी. 0.0270 हे., प्रयाजनार्थ आवासीय प्रयोजन।

उपरोक्त मामले की सुनवाई दिनांकः- 04/03/2023 को स्थान अनुविभागीय अधिकारी (रा.) जशपुर के न्यायालय में न्यायालयीन **समय सुबह 11:00 बजे से सायं 05:00 बजे** तक में होना नियत किया गया है। इस संबंध में यदि किसी पक्षकार/व्यक्ति/संस्था को किसी प्रकार की आपत्ति हो तो वे नियत दिनांक/समय/स्थान को मेरे समक्ष न्यायालय में उपस्थित होकर स्वतः अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं, नियत तिथि एवं समय के पश्चात् किसी भी दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांकः- 19/02/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

मुहर
अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
जशपुर (छत्तीसगढ़)

कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) जशपुर, जिला-जशपुर (छ.ग.)

उद्घोषणा

क्रमांक/ /रीडर-1/2023 जशपुर, दिनांक -19/02/2024

एतद् द्वारा समस्त आम जनता **ग्राम-जशपुर, प.ह.नं. 06** तहसील, जशपुर, जिला जशपुर (छ.ग.) को सूचित किया जाता है कि **आवेदिका श्रीमती अम्बू ज्योतिमा प्रधान पति देवचरण** राम निवासी ग्राम केपसेला, पो. सोनक्यारी तहसील मनोरा जिला जशपुर (छ.ग.) के द्वारा सारणी में उल्लेखित ग्राम-जशपुर स्थित आवेदित भूमि को **आवासीय प्रयोजन** के लिए व्यपवर्तन कराये जाने हेतु मय आवेदित भूमि के नक्शा, खसरा, बी-1 एवं रजिस्ट्री की छायाप्रति सहित छ.ग. भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 172 के तहत् आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

आवेदित भूमि की सारिणी ग्राम-जशपुर, ग्राम-पुरानानगर, प.ह.न. 06, आवेदित भूमि का ख.न. 291/6, जिसका रकबा 0.050 हे.,में से/ वर्ग.मी. 12.5 डि., प्रयाजनार्थ आवासीय प्रयोजन।

उपरोक्त मामले की सुनवाई दिनांकः- 04/03/2023 को स्थान अनुविभागीय अधिकारी (रा.) जशपुर के न्यायालय में न्यायालयीन **समय सुबह 11:00 बजे से सायं 05:00 बजे** तक में होना नियत किया गया है। इस संबंध में यदि किसी पक्षकार/व्यक्ति/संस्था को किसी प्रकार की आपत्ति हो तो वे नियत दिनांक/समय/स्थान को मेरे समक्ष न्यायालय में उपस्थित होकर स्वतः अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से अपना दावा/आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं, नियत तिथि एवं समय के पश्चात् किसी भी दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांकः- 19/02/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

मुहर
अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
जशपुर (छत्तीसगढ़)

कार्यालय नगर पालिका परिषद बेमेतरा, जिला-बेमेतरा (छ.ग.)

क्रं./3024/न.पा./लो.नि.वि./2023-24 बेमेतरा, दिनांक 23/02/2024

// मैनुअल पद्धति से निविदा आमंत्रण सूचना //

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से लोक निर्माण विभाग सड़क/भवन एस.ओ.आर. 01.01.2015 पर कम/समान/अधिक दर पर नगर बेमेतरा में अध्यक्ष निधि से विभिन्न निर्माण कार्य स्वीकृत/लागत राशि 08.16 लाख रूपये हेतु दिनांक 12.03.2024 को कार्यालयीन अवधि समय 4:00 बजे तक पंजीकृत डाक/स्पीड पोस्ट के माध्यम से तीन लिफाफा पद्धति पर सीलबंद निविदा आमंत्रित की जाती है:-

1.	निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	07.03.2024 को शाम 5:00 बजे तक
2.	कोरा निविदा प्राप्त करने की अंतिम तिथि	08.03.2024 को शाम 5:00 बजे तक
3.	निविदा जमा करने की अंतिम तिथि	18.03.2024 को शाम 4:00 बजे तक
4.	निविदा खोलने की तिथि एवं समय	18.03.2024 को शाम 4:30 बजे से

टीप :- निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति व अन्य जानकारी विभागीय वेबसाईड http://uad.cg.gov.in पर डाउनोड की जा सकती है एवं लोक निर्माण शाखा से कार्यालयीन अवधि में प्राप्त की जा सकती है। निविदा आमंत्रण से संबंधित संशोधन विभाग के वेबसाईट में प्रसारित की जावेगी, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं की जावेगी।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद बेमेतरा

OFFICE OF THE EXECUTIVE DIRECTOR (CIVIL) AU & PC, CSPGCL,
Shed No. 2, Dangania, Raipur-492013 Phone No. 0771-2576320 & 0771-2576324, website :www.cspc.co.in E-mail:- cecivil.aupc@gmail.com

No.03-15/W/80 Raipur, date 22.02.2024

E-TENDER NOTICE

Online bids are invited through CSPCL e-bidding system (SAP SRM) from eligible bidders fulfilling the eligibility criteria as mentioned below and having experience in Govt./Public Sector Undertaking/Local bodies/Power Generating Companies in India only for the following work :-

Sl. No.	Tender Specification No.	Description	NIT value i/c GST (Rs.)	EMD (Rs.)	Completion period (incl. Rainy season)	Rfx No.
1	EDC/AU&PC/ ABVTPS-MRW/ W/2023/ 72	Annual general civil maintenance and pollution control work of Ash Dyke of 2x500MW, ABVTPS, CSPGCL, Marwa.	32.66 Lacs	32,700/-	12 Months	81000 36290

Cost of tender form is Rs. 885/- (Rs.750/- + 18% GST). The due date & time for submission of bids, Tender Cost & EMD is 18.03.2024 (up to 15:00 Hrs) and bid opening date (Techno commercial bids) is 20.03.2024 (up to 16:00) Hrs respectively. The tender document can be viewed and downloaded online from our e-bidding portal https://ebidding.cspcl.co.in: 50724/ irj /portal.

Note:- (i) In case, the rate quoted by the bidder is on abnormally lower side, a performance guarantee @5% of contract value i/c GST in addition to Security Deposit shall have to be deposited by the bidder.(ii) Maintenance period for the work shall be Nil.

//Save Electricity// Samvad-39794/2

Executive Director (Civil) AU & PC,
CSPGCL, Raipur

सभी वर्गों के समावेशी विकास की दिशा में कार्य कर रही छत्तीसगढ़ सरकार : मुख्यमंत्री साय

पायनियर संवाददाता ◀ रायपुर
www.dailypioneer.com

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज तीन दिवसीय मैनपाट महोत्सव के शुभारंभ में पहुंचे। समारोह में उन्होंने मैनपाट को पर्यटन की दिशा में और सुदृढ़ करने की बात कही, ताकि लोग सनातन और बौद्ध धर्म दोनों के समागम स्थल में सुकून की अनुभूति महसूस करें। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश के सभी वर्गों के समावेशी विकास की दिशा में कार्य कर रही है। साय ने माताओं एवं बहनों का भी अभिनंदन करते हुए कहा कि प्रदेश भर की महिला शक्ति को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महतारी वंदन योजना के तहत राशि मिलना शीघ्र प्रारंभ हो जाएगा। प्रदेश भर से 70 लाख महिलाओं ने इसका फॉर्म भरा है और फॉर्म भरने की प्रक्रिया आगे भी प्रारंभ रहेगी, ताकि हमारी पात्र माताओं एवं बहनों को इसका लाभ मिल सके। उन्होंने बताया कि हमारी सरकार हर छत्तीसगढ़िया के भांजे राम के दर्शन का सपना पूरा करेगी।

साथ ही चरण पादुका योजना को फिर से शुरू किया जाएगा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मैनपाट महोत्सव में नर्मदापुर में झंडा पार्क की स्थापना के लिए एक करोड़ की घोषणा की। साथ ही मैनपाट महोत्सव आयोजन के लिए प्रतिवर्ष 50 लाख रुपए की घोषणा की। इस अवसर पर सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो, लुण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज एवं अम्बिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री साय ने विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को बांटे सामग्री एवं प्रमाण पत्र

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा विभिन्न विभागों के हितग्राहियों को सामग्री एवं प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। इसमें कृषि विभाग द्वारा किसान क्रेडिट कार्ड, उद्यान विभाग द्वारा पावर स्प्रेयर, पशुधन चिकित्सा विभाग द्वारा बैकयार्ड कुक्कट इकाई, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जल जीवन मिशन, मत्स्य पालन विभाग द्वारा नाव जाल योजना और फुटकर मछली विक्रय योजना, स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयुष्मान कार्ड, शिक्षा विभाग द्वारा स्थाई कोरवा जाति प्रमाण पत्र, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, खाद्य विभाग द्वारा प्रधानमंत्री उज्जवला योजना, श्रम विभाग द्वारा असंगठित कर्मकार प्रसूति सहायता योजना, अंत्यवसाई विभाग द्वारा अनुसूचित जनजाति आदिवासी महिला सशक्तिकरण, स्मॉल बिजनेस योजना, अंत्योदय स्वरोजगार योजना और महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सुकन्या समृद्धि योजना के 05-05 हितग्राही शामिल रहे।

मुख्यमंत्री साय ने किया विभागीय स्टॉल का अवलोकन

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मैनपाट महोत्सव में विभिन्न विभागों के स्टॉल का निरीक्षण किया जहां विभागीय योजनाओं पर आधारित जीवंत मॉडल बनाए गए हैं। विभागों द्वारा स्टॉल में कृषि विभाग द्वारा प्रधानमंत्री जनमन योजना अंतर्गत कृषि विकास पर आधारित प्रदर्शनी लगाई गई। पशुपालन विभाग द्वारा हर घर कुक्कुट पालन, रेशम विभाग द्वारा टसर धागाकरण, वन विभाग द्वारा वन सम्पदा, जल संसाधन विभाग द्वारा घुनघुट्टा डेम, मत्स्य विभाग द्वारा मछली पालन से समृद्धि, आदिवासी विकास विभाग द्वारा देवगुड़ी पर आधारित, जीवंत मॉडल बनाया गया। इसी तरह लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा हर घर नल पर आधारित, शिक्षा विभाग द्वारा पीएम योजना, महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना एवं महिला सशक्तिकरण तथा अंत्याव्यवसायी विभाग, समाज कल्याण विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, स्वास्थ्य विभाग द्वारा, कृषि विज्ञान केंद्र, केंद्रीय जेल द्वारा कैदियों द्वारा बनाए गए विभिन्न काष्ठ शिल्पों, सीएसपीडीसीएल, हथकरघा के स्टॉल लगाए जाएंगे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का तिब्बती शरणार्थी बंधुओं द्वारा पारंपरिक वेशभूषा में तिब्बती परम्परा से आत्मीय स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री साय ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का अवलोकन किया। इस अवसर पर स्थानीय कलाकारों द्वारा साईक्लिंग सहित कई एडवेंचर स्पोर्ट्स का आयोजन किया गया। महोत्सव के दौरान नौकायन, जूमरिंग, आर्चरी, पतंग उत्सव, राज्य स्तरीय साइकिल रेस, पैरा सीलिंग, वैली क्रासिंग, हैंगिंग बॉल सहित अन्य रोमांचक खेलों का आयोजन होगा।

अर्थव्यवस्था को बढ़ाने की हमारी रणनीति का मूल आधार होगा तकनीकी रिफॉर्म और इनोवेशन : ओपी चौधरी

पायनियर संवाददाता ◀ रायपुर
www.dailypioneer.com

वित्त मंत्री ओपी चौधरी के विभागों से संबंधित अनुदान मांगे विधानसभा में चर्चा के बाद सर्मसम्मति से पारित कर दी गई। इसमें वित्त विभाग के अंतर्गत 7 हजार 956 करोड़ 87 लाख 39 हजार रूपए, आवास एवं पर्यावरण विभाग से संबंधित 1 हजार 174 करोड़ 3 लाख 90 हजार रूपए तथा योजना,आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग से संबंधित 428 करोड़ 71 लाख 44 हजार रूपए की अनुदान मांगे शामिल हैं। अनुदान मांगों पर चर्चा के दौरान विधानसभा सदस्यों ने अपने अपने क्षेत्र की मांगे रखीं और अपने सुझाव भी दिए। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने अनुदान मांगों पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जिस रणनीति के तहत भारत की अर्थव्यवस्था के लिए काम कर रहे हैं, वैसा ही प्रयास नवोदित राज्य छत्तीसगढ़ के लिए भी किया जा रहा है और ये बड़े सौभाग्य की बात है कि हम वर्ष 2047 तक भारत के साथ ही छत्तीसगढ़ को भी विकसित करेंगे। छत्तीसगढ़ 2047 तक कैसे विकासशील राज्य से विकसित राज्य बनेगा इसका विजन डाक्यूमेंट तैयार किया जाएगा जिसे छत्तीसगढ़ में राज्य स्थापना के दिन 1 नवंबर 2024 को जनता को समर्पित किया जाएगा जिसना नाम "अमृतकालः छत्तीसगढ़ विज @2047" होगा।

ओपी चौधरी ने कहा कि मिडटर्म टारगेट के दौर पर मोदी जी की गारंटी में भारत की अर्थव्यवस्था 11वें स्थान से छलांग लगाकर 10 साल के भीतर 5वें स्थान पर पहुंची है और इसी मिडटर्म टारगेट के तौर पर हमने अगले पांच साल में छत्तीसगढ़ की जीएसडीपी को 5 लाख करोड़ से बढ़ाकर 10 लाख करोड़ रूपए करने का लक्ष्य रखा है। ओपी चौधरी ने कहा कि राज्य में हम तकनीक के प्रयोग को अत्यधिक महत्व देंगे और इसी वजह से टेक्नोलाजिकटल इंटरवेंशन के लिए 266 करोड़ रूपए का बजटीय प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की व्यवस्था को सुचारू रूप से चलाने के लिए जहां भी टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जा सकता है हम उसे महत्व दे रहे हैं और अर्थव्यवस्था को बढ़ाने की जो हमारी रणनीति है उसका मूल आधार तकनीकी रिफॉर्म और इनोवेशन ही है। हम प्रदूषण के मानकों को भी बेहतर करने के लिए तकनीक के इस्तेमाल में आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के अर्थव्यवस्था के नीतियों के निर्धारण के लिए छत्तीसगढ़ एडवायडरी काउंसिल के गठन का भी निर्णय लिया गया है। ओपी चौधरी ने कहा कि राज्य में गहरे अध्ययन के बाद हम जीएसटी में बिजनेस इंटेलिजेंस यूनिट स्थापित करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं जिसका प्रभाव अगले एक वर्ष में दिख जाएगा। उन्होंने कहा कि इन सब के आधार पर हम लोगों ने निर्णय लिया कि हम अपने राजस्व को 22 फीसदी की दर से बढ़ाएंगे और हम ईमानदारी से अपना प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि दुर्ग संभाग में शासकीय सेवकों को वित्त एवं लेखा प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए नवीन संभागीय वित्त एवं लेखा प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना की जाएगी। इसके लिए नवीन 18 पदों का सृजन तथा भवन निर्माण के लिए 1 करोड़ 50 लाख रूपए का प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही संभागीय वित्त एवं लेखा प्रशिक्षण संस्थान , रायपुर के नवीन भवन निर्माण के लिए भी 1 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है।ओपी चौधरी ने कहा कि हम निश्चित रूप से सभी मंत्रालयों के बीच एक बढ़िया सामंजस्य स्थापित करेंगे और माननीय मंत्रियों से चर्चा करेंगे ताकि अवैध कॉलोनियों को नियंत्रित किया जा सके। उन्होंने कहा कि विकास की गति न रुके और पूंजीगत व्यय भी होता रहे, सड़कें पुल भी बनते रहें उसके लिए भी हमारी सरकार प्रतिबद्ध है।

बोर्ड परीक्षार्थियों के भय और तनाव को दूर करने हेल्पलाइन पर 77 फोन कॉल का निराकरण

पायनियर संवाददाता ◀ रायपुर
www.dailypioneer.com

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा हाईस्कूल और हायर सेकेण्डरी परीक्षाओं में परीक्षार्थियों के परीक्षा संबंधी भय और तनाव को दूर करने के लिए 22 फरवरी से 22 मार्च तक हेल्पलाइन का संचालक किया जा रहा है। हेल्पलाइन में स्थापित टोल फ्री नंबर-+91-18002334363 पर आज 77 फोन काल प्राप्त हुए, इनका निराकरण विषय विशेषज्ञ, मनोचिकित्सक, मंडल के अधिकारियों द्वारा करते हुए परामर्श दिया गया। हेल्पलाइन में गणित विषय के विषय विशेषज्ञ अखिल खरे ने गणित विषय के परीक्षाओं के तैयारी के संबंध में विद्यार्थियों की समस्याओं का समाधान किया। मनोचिकित्सक डॉ. वर्षा वरवंडकर द्वारा परीक्षा तनाव संबंधी समस्याओं का निराकरण किया गया। हेल्पलाइन में छत्तीसगढ़ राज्य के जिलों-सक्ति, कोरबा, धमतरी, महासमुंद और अन्य जिलों से विद्यार्थियों द्वारा प्रश्न पूंछे गए। इसके साथ ही सीबीएससी बोर्ड, बी.ए फर्स्ट ईयर के विद्यार्थियों द्वारा हेल्पलाइन में काल कर परीक्षा तैयारी संबंधी प्रश्न पूछा गया। शनिवार 24 फरवरी को भौतिक विषय के विषय विशेषज्ञ विकास गेडम और मनोवैज्ञानिक डॉ. स्वाती शर्मा विद्यार्थियों की समस्याओं के निराकरण के लिए हेल्पलाईन में उपस्थित रहेंगी। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा हाई स्कूल, हायर सेकण्डरी, हायर सेकेण्डरी व्यावसायिक परीक्षाओं के संदर्भ में परीक्षा प्रारंभ होने के पूर्व यह हेल्पलाइन प्रारंभ की गई है। विद्यार्थी, शिक्षक और अभिभावक प्रातः 10 से शाम 5 बजे तक हेल्पलाइन में मंडल के टोल फ्री नंबर-18002334363 पर अपनी समस्याओं का समाधन कर सकते हैं। रविवार और अवकाश को छोड़कर हेल्पलाइन में मनोचिकित्सक, मनोवैज्ञानिक, शैक्षिक अभिप्रेरक विषय विशेषज्ञ एवं मंडल के अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत विकसित छत्तीसगढ़ कार्यक्रम' में लोरमी से होंगे शामिल, 24 फरवरी को नई दिल्ली प्रवास पर जाएंगे

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव 24 पुरवरी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत विकसित छत्तीसगढ़' संवाद कार्यक्रम में मुंगेली जिले के लोरमी से शामिल होंगे। वे 24 फरवरी को सवेरे दस बजे रायपुर से हेलीकॉप्टर द्वारा लोरमी के लिए रवाना होंगे। वे सवेरे 10:35 बजे लोरमी पहुंचेंगे। उप मुख्यमंत्री साव सवेरे पौने 11 बजे लोरमी में प्रधानमंत्री के 'विकसित भारत विकसित छत्तीसगढ़' संवाद कार्यक्रम में शामिल होंगे। वे दोपहर पौने एक बजे लोरमी से हेलीकॉप्टर द्वारा रायपुर के लिए प्रस्थान करेंगे। वे दोपहर सवा एक बजे वापस रायपुर पहुंचेंगे। साव दोपहर सवा दो बजे रायपुर से नियमित विमान से नई दिल्ली के लिए रवाना होंगे। वे शाम चार बजे नई दिल्ली पहुंचेंगे।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियो के लिए आयोजित एकलव्य शूटिंग प्रतियोगिता का किया शुभारंभ

पायनियर संवाददाता ◀ रायपुर
www.dailypioneer.com

उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा बीते दिनों रक्षित केंद्र रायपुर स्थित एकलव्य शूटिंग केंद्र एवं शस्त्र प्रशिक्षण केंद्र में छत्तीसगढ़ के पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियो के लिए आयोजित एकलव्य शूटिंग प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। इस प्रतियोगिता में राज्य के आईएएस, आईपीएस, आईएफएस सहित पुलिस के अधिकारी एवं जवान मिलाकर लगभग 130 लोग इस एयर रायफल, एयर पिस्टल प्रतिस्पर्धा में भाग ले रहें हैं। इस दौरान उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि यह प्रतियोगिता एक नवाचार और अभ्यास है। इस प्रतियोगिता के माध्यम से भविष्य में बड़े आयोजनो में हम जरूर मेडल जीतकर आएंगे। उन्होंने कहा कि टारगेट शूटिंग न केवल आपको सक्रिय रखने के लिए एक शानदार खेल है बल्कि यह आत्म-सम्मान आत्मविश्वास भी पैदा करता है। शूटिंग खेल को अपनाने से कई शारीरिक लाभ होते हैं। बढ़ी हुई ताकत सहन शक्ति संतुलन हाथ और आंख समन्वय और बढ़िया कौशल इसके कुछ लाभ हैं। इस अवसर पर पुलिस महानिरीक्षक रायपुर अमरेश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक संतोष सिंह सहित पुलिस एवं प्रतिभागी अधिकारी उपस्थित थे। ज्ञात हो कि पुलिस अधिकारी, जवान एवं अन्य सभी विभागों के राजपत्रित अधिकारी जिनकी शूटिंग में रूचि है उन सभी अधिकारी व जवानों के लिये रक्षित केन्द्र रायपुर स्थित एकलव्य शूटिंग रेंज व शस्त्र प्रशिक्षण केन्द्र में पुलिस विभाग के समस्त अधिकारी व जवान एवं अन्य सभी विभाग के राजपत्रित अधिकारी के लिए यह प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। यह प्रतियोगिता 25 फरवरी तक आयोजित होगा।

कबीरधाम जिले के ग्राम बदना के विशेष पिछड़ी जनजाति बैगाओं ने पहली बार देखी विधानसभा सदन की कार्यवाही

पायनियर संवाददाता ◀ रायपुर
www.dailypioneer.com

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के विशेष न्यौता पर कबीरधाम जिले के ग्राम बदना में निवासरत् विशेष पिछड़ी जनजाति बैगा परिवार के सदस्य रायपुर स्थित विधानसभा भवन पहुंचे। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने अतिथि देवो भवः का पालन करते हुए अपने अतिथियों का स्वागत किया। उन्होंने बैगा जनजातियों को हाथ पकड़कर अपने साथ पूरे विधानसभा भवन का भ्रमण कराया और पहली बार विधानसभा सदन की कार्यवाही देखी। बैगाओं ने विधानसभा भवन का भ्रमण किया और पहली बार सदन की कार्यवाही देखकर गदगद हुए। उपमुख्यमंत्री शर्मा ने अपने कार्यालय कक्ष में अपने अतिथि को पूरे आदर सम्मान के साथ बैठाया और उन्हें स्वल्पाहार भी करवाया।

विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों में सुदृढ़ हो रही स्वास्थ्य सेवाएं

राजुआढ़ोड़ी और विनायकपुर के पहाड़ी कोरवा गांवों में लगाया गया स्वास्थ्य शिविर

पायनियर संवाददाता ◀ बलरामपुर
www.dailypioneer.com

लेक्टर रिमिजियुस एक्का के निर्देशन में जिले के विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों के आर्थिक स्थिति में सुधार के साथ स्वास्थ्य लाभ देने सतत् प्रयास किया जा रहा है। इसी कड़ी में विकासखंड कुसमी अंतर्गत ग्राम राजुआढ़ोड़ी और विनायकपुर के पहाड़ी कोरवा गांवों में पीवीटीजी परिवारों के स्वास्थ्य जांच के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पीवीटीजी परिवारों के स्वास्थ्य जांच कर उन्हें विभागीय योजनाओं की जानकारी भी प्रदान की गई। यह स्वास्थ्य शिविर आकां ब्लॉक कार्यक्रम का हिस्सा था। स्वास्थ्य शिविर विशेष पिछड़ी जनजातियों (पीवीटीजी) के स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए व्यवस्थित किया गया है। स्थानीय समुदाय के सक्रिय भागीदारी के साथ शिविर में 55 व्यक्तियों का सामान्य स्वास्थ्य जांच, 38 व्यक्तियों का सिकल सेल टेस्ट, 13 व्यक्तियों का मलेरिया टेस्ट और 27 व्यक्तियों का उच्च रक्तचाप और मधुमेह की स्क्रीनिंग की गई। जो आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के 40 मुख्य प्रदर्शन सूचकांकों में से एक है। साथ ही उन्हें योजनाओं से जुड़कर लाभ प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। राजुआढ़ोड़ी और विनायकपुर के पहाड़ी कोरवा गांवों में लगाया गया स्वास्थ्य शिविर शासन की इस पहल के द्वारा अब विशेष पिछड़ी जनजाति के लोगों को जाति प्रमाण पत्र, निवास प्रमाण पत्र, जन्म, मृत्यु प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, पेंशन जैसी मूलभूत प्रशासकीय सुविधाओ के साथ स्वास्थ्य सुविधाएं भी सुगमता से प्राप्त हो रही है साथ ही साथ ग्राम पंचायतों के माध्यम से संचालित केन्द्र तथा राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ वे ले पा रहें है। आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम के लक्ष्यों के साथ मेल खाते हुए, यह पहल संकटग्रस्त समुदायों में स्वास्थ्य परिणामों और समग्र कल्याण में सुधार करने के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

सांसद ने दिव्यांगजन कौशल विकास, पुनर्वास और सशक्तिकरण समेकित क्षेत्रीय केन्द्र के नये भवन का किया उद्घाटन

राजनांदगांव में दिव्यांगजनों की सुविधा के लिए बने सीआरसी सेंटर का लोकार्पण

पायनियर संवाददाता ◀ रायपुर
www.dailypioneer.com

सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री भारत सरकार डॉ. वीरेन्द्र कुमार, सामाजिक न्याय और अधिकारिता केन्द्रीय राज्य मंत्री ए. नारायणस्वामी एवं विधानसभा अध्यक्ष छत्तीसगढ़ शासन डॉ. रमन सिंह की वीडियो कांफ्रेसिंग के माध्यम से उपस्थिति में सांसद संतोष पाण्डेय ने 32 करोड़ रूपए की लागत से राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम ठाकुरटोला में नवनिर्मित दिव्यांगजन कौशल विकास, पुनर्वास और सशक्तिकरण समेकित क्षेत्रीय केन्द्र (सीआरसी) के नये भवन का उद्घाटन किया। सांसद संतोष पाण्डेय ने कहा कि राजनांदगांव जिले के लिए ऐतिहासिक क्षण है। यहां दिव्यांगजनों के लिए समेकित क्षेत्रीय केन्द्र भवन का निर्माण किया गया है। यहां दिव्यांगजनों के लिए सभी प्रकार के यंत्र, प्रशिक्षण, पालकों को प्रशिक्षण और सभी प्रकार की व्यवस्था इस अत्याधुनिक भवन में व्यवस्थित रूप से की जाएगी। उन्होंने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह का इस भवन निर्माण के लिए लगातार प्रयास रहा है। आज राजनांदगांव जिले को नये भवन की सौगात मिली है। जिसमें केवल राजनांदगांव ही नहीं पूरे छत्तीसगढ़ राज्य के लोगों को लाभ प्राप्त होगा। यहां दिव्यांगजनों को सभी प्रकार का प्रशिक्षण प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को विकसित भारत बनाने के लिए तथा विश्व में अग्रणी देश बनाने के लिए जो संकल्प लिया है। हम सब उसमें सहभागी और सहयोगी बनेंगे। उन्होंने कहा कि सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास हम सब भागीदारी बनेंगे। उन्होंने सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री भारत सरकार डॉ. वीरेन्द्र कुमार को नये भवन के लिए आभार व्यक्त किया। इस दौरान सांसद संतोष पाण्डेय ने हितग्राहियों को सहायक उपकरण हियरिंग एड, टीएलएम किट, गतिशीलता उपकरण, व्हील चेयर सहित अन्य उपकरण प्रदान किया गया। सांसद पाण्डेय ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों को शुभकामनाएं एवं शुभेक्षा दी। उल्लेखनीय है कि दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा दिव्यांगजन कौशल विकास, पुनर्वास और सशक्तिकरण समेकित क्षेत्रीय केंद्र राजनांदगांव (सीआरसी) की स्थापना 25 जून 2016 को की गई थी। यह राष्ट्रीय बौद्धिक दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण संस्थान (एनआईईपीआईडी) सिकंदराबाद के प्रशासनिक नियंत्रण में कार्य कर रहा है। समेकित क्षेत्रीय केंद्र दिव्यांगजनों के अधिकार अधिनियम 2016 में उल्लेखित सभी 21 प्रकार के दिव्यांगजनों को पुनर्वास और विशेष शिक्षा सेवाएं प्रदान करता है और बहुत से गतिविधियों का संचालन करके शैक्षणिक सेवाएं भी प्रदान करता है। जिसमें अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रम, अभिभावक प्रशिक्षण कार्यक्रम, जागरूकता कार्यक्रम और विशेष शिक्षा बौद्धिक दिव्यांगता में एक दीर्घकालिक डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित है।

नियद नेल्ला नार योजना' का जिले में हुआ क्रियान्वयन

- **कलेक्टर और एसपी पहुंचे सुदूर ग्राम ककाडी, ग्रामीणों को मिली बुनियादी सुविधाओं की तत्काल स्वीकृति**

पायनियर संवाददाता ◀ दंतेवाड़ा
www.dailypioneer.com

''नियद नेल्ला नार योजना'' अर्थात ''आपका अच्छा गांव'' गौरतलब है कि बस्तर के विकास के लिए कृत संकल्पित राज्य शासन द्वारा नियद नेल्ला नार योजना'' की घोषणा की गयी है। इस क्रम में कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी और पुलिस अधीक्षक गौरव राय द्वारा ब्लाक कुआकोंडा के दूरस्थ वनांचल ग्राम ककाडी पहुंचकर ग्रामीण से संवाद कर उन्हें बुनियादी सुविधाओं की स्वीकृति दी गयी। इसके अन्तर्गत शुकर पालन, मुर्गी पालन एवं बकरी पालन के लिए हितग्राहियों का चिन्हांकन करने साथ ही इसी गांव के चुलापारा में उप स्वास्थ्य केन्द्र खोलने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए। इसके अलावा उन्होंने ग्रामीणों के मांग के देखते हुए दो हैंडपंप तत्काल खुदवाने के लिए भी पीएचई विभागों को निर्देशित किया। मौके पर ग्रामीणों ने कलेक्टर और एसपी से चर्चा करते हुए ग्राम में देवगुड़ी मातागुड़ी एवं पानी टंकी निर्माण करने के लिए कलेक्टर और एसपी को अवगत कराया। जिससे कलेक्टर और एसपी ने तत्काल स्वीकृति प्रदान की। साथ ही कलेक्टर और एसपी ने ग्राम के पात्र पेंशनधारियों को भी नियमित पेंशन सुविधा सुनिश्चित करने के लिए भी अधिकारियों को निर्देशित किया। इस मौके पर डिप्टी कलेक्टर कमल किशोर सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

सत्यमेव जयते

विकसित भारत
विकसित छत्तीसगढ़

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 34,400 करोड़ रुपए की 10 परियोजनाओं का उद्घाटन, लोकार्पण एवं शिलान्यास

दिनांक 24 फरवरी 2024, दोपहर 12:30 बजे

(डीडी न्यूज़ पर कार्यक्रम का सीधा प्रसारण)

samvad- 39797/41

लोकार्पण एवं उद्घाटन

- 15,799 करोड़ रुपए की परियोजना लारा सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट स्टेज-1 (2x800MW)
- 907 करोड़ रुपए की लागत से राजनांदगांव जिले के 9 गांवों के 451 एकड़ क्षेत्र में निर्मित 100 मेगावाट एसी/155 मेगावाट डीसी सौर ऊर्जा प्रोजेक्ट
- 583 करोड़ रुपए लागत की 2 परियोजनाओं भिलाई में 50 मेगावाट सोलर पावर प्लांट और बिलासपुर- उसलापुर फ्लाईओवर
- रायगढ़ क्षेत्र में 217 करोड़ रुपए की लागत के ओपन कास्ट प्रोजेक्ट अंतर्गत बरौद कोल हैंडलिंग प्लांट
- दीपका क्षेत्र में 211 करोड़ रुपए की लागत की ओपन कास्ट प्रोजेक्ट अंतर्गत दीपका कोल हैंडलिंग प्लांट
- रायगढ़ क्षेत्र में 173 करोड़ रुपए की ओपन कास्ट प्रोजेक्ट अंतर्गत छाल कोल हैंडलिंग प्लांट
- अंबिकापुर से शिवनगर तक 52 किलोमीटर लंबाई की सड़क और बनारी से मसनियाकला तक 56 किलोमीटर लंबी सड़क (राष्ट्रीय राजमार्ग- 49)

शिलान्यास

- रायगढ़ में लारा सुपर क्रिटिकल थर्मल पावर प्लांट स्टेज-2 (2x800MW) का शिलान्यास

छत्तीसगढ़ को परियोजनाओं से लाभ

- उच्च कार्यक्षमता के साथ कम कोयले में ज़्यादा विद्युत उत्पादन, प्रदूषण में कमी के साथ विकसित होते भारत की ऊर्जा-माँग की पूर्ति
- अक्षय ऊर्जा का उपयोग कर बड़े सौर ऊर्जा प्लांट से शून्य प्रदूषण के साथ राज्य व देश की घरेलू विद्युत माँग की पूर्ति
- रेलवे फ़्लाइओवर के निर्माण से अतितीव्र माल ढुलाई संभव जिससे जिंसों की क़ीमत में कमी
- ओपन कास्ट कोल हैंडलिंग प्लांट से शीघ्रता से कोयले का उत्पादन व ट्रांसपोर्ट संभव, बचेगा पैसा और ऊर्जा क्षेत्र को निर्बाध फ्यूल सप्लाई
- राष्ट्रीय राजमार्ग से जुड़ेंगे अब तक उपेक्षित स्थान, सड़क से आर्थिक उन्नति और विकास

NAMO app डाउनलोड करने के लिए यह क्यूआर कोड स्कैन करें

मुख्यमंत्री कार्यालय का व्हाट्सएप चैनल सब्सक्राइब करने के लिए यह क्यूआर कोड स्कैन करें

छत्तीसगढ़ के विकास को समर्पित
डबल इंजन की सरकार

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास

Visit us : ChhattisgarhCMO | ChhattisgarhCMO | ChhattisgarhCMO | ChhattisgarhCMO | DPRChhattisgarh | DPRChhattisgarh | www.dprcg.gov.in

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक भोजराम पटेल द्वारा आसमा पब्लिसर्स इण्डिया प्रायवेट लिमिटेड पीएनबी के सामने जयस्तंभ चौक रायपुर, छत्तीसगढ़ से मुद्रित तथा श्री बालाजी हॉस्पिटल कैम्पस (मोवा) रायपुर, छत्तीसगढ़ - 492001 से प्रकाशित संपादक-अच्युतानन्द द्विवेदी*
समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार, डाक पंजीयन नं. छ.ग./रायपुर संभाग/97/2024-26, दूरभाष नंबर 0771-2972403